राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार 04 अगस्त 2025 वर्ष-8,अंक-165 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गोंडा में भीषण सड़क हादसा: नहर में गिरी बोलेरो, 11 लोगों की मौत, एक ही परिवार के 9 सदस्य शामिल

गोंडा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में रविवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में 11 लोगों की जान चली गई। हादसा इटियाथोक थाना क्षेत्र के बेलवा बहुता नहर के पास हुआ, जब एक बोलेरो गाड़ी अनियंत्रित होकर नहर में जा गिरी। हादसे के समय बोलेरो में कुल 15 लोग सवार थे। इस हादसे में जहां 11 लोगों की मौत हो गई, वहीं 4 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सभी लोग मोतीगंज थाना क्षेत्र के सीहागांव के निवासी थे और बोलेरो से धार्मिक यात्रा पर पृथ्वीनाथ मंदिर में जलाभिषेक करने जा रहे थे। धार्मिक यात्रा के दौरान ही अचानक गाड़ी का संतुलन बिगड़ गया और वह सीधे नहर में गिर गई। यह दुर्घटना इतनी भीषण थी कि मौके पर चीख-पुकार मच गई। इस हादसे ने सीहागांव गांव को गहरे शोक में डुबो दिया है, क्योंकि मृतकों में से नौ लोग एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं। गांव में

मातम पसरा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

घटना की जानकारी मिलते ही जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन और पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल एनडीआरएफ की टीम और भारी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। रेस्क्यू ऑपरेशन तेजी से चलाया गया और सभी को नहर से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी थी। घायल चार लोगों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। चिकित्सकों की एक विशेष टीम उनकी निगरानी कर रही है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस भीषण हादसे पर गहरा शोक प्रकट किया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि घायलों को बेहतर चिकित्सा सुविधा मुहैया कराई जाए और प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता दी जाए।

गोंडा पीड़ितों के लिए पीएम मोदी का ऐलान, मृतकों के परिजनों को मिलेगा 2 लाख मुआवजा

उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में एक भयानक सड़क दुर्घटना में 11 लोगों की मौत हो गई। यह हादसा इटिया थोक थाना क्षेत्र में हुआ, जहां ओवरलोड बोलेरो अनियंत्रित होकर नहर में गिर गई। बोलेरो में कुल 15 लोग सवार थे, जो पृथ्वीनाथ मंदिर में पूजा करने जा रहे थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की राष्ट्रपति से मुलाकात से सत्ता के गलियारों में हलचल

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिले। चार घंटे भी नहीं बीते थे कि गृह मंत्री अमित शाह भी राष्ट्रपति भवन पहुंच गए। एक ही दिन में कुछ घंटों के अंतर से इन दोनों नेताओं का राष्ट्रपति से मिलना बेहद असामान्य माना जा रहा है। राजनीति पर नजर रखने वाले मान रहे हैं कि सरकार कोई बड़ा फैसला लेने पर विचार कर रही है। ये भी हो सकता है कि सदन में कोई बड़ा बिल आने वाला हो। ये भी हो सकता है कि जिस तरह उपराष्ट्रपति पद से जगदीप धनखड़ की विदाई हुई, उसे लेकर कोई बात हो। सरकार की ओर से इस पर कोई बयान नहीं आया है, लेकिन इतना तय है कुछ बड़ी हलचल हो रही है।

प्रज्वल की नई पहचान कैदी नंबर 15528

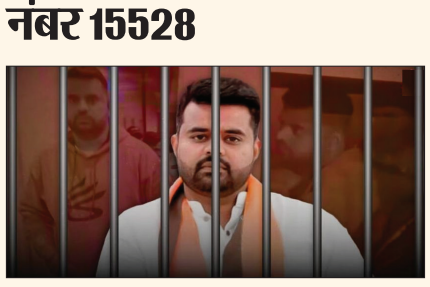

बेंगलुरु (एजेंसी)। पूर्व जेडीएस सांसद और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के पोते प्रज्वल रेवन्ना बेंगलुरू की अग्रहारा सेंट्रल जेल में कैदी नंबर 15528 बन गए हैं। बेंगलुरु की स्पेशल कोर्ट ने शनिवार को प्रज्वल रेवन्ना को नौकरानी से रेप केस में उम्र कैद की सजा सुनाई। सांसदों/विधायकों की स्पेशल कोर्ट के जज संतोष गजानन भट ने रेवन्ना पर 11.50 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया। इसमें से 11.25 लाख रुपए पीड़ित को दिए जाएंगे। जेल अधिकारियों ने बताया कि सजा सुनाए जाने के बाद शाम को रेवन्ना का मेडिकल चेकअप करवाया गया। इस दौरान वह मेडिकल स्टाफ के सामने रोता रहा। हालांकि, इस दौरान उसने किसी से कोई बात नहीं की। मेडिकल चेकअप के बाद उसे जेल लाया गया, जहां उसे कड़ी सुरक्षा के बीच रखा गया।

शरद पवार के विधायक बोले: सनातन धर्म ने भारत को किया बर्बाद

ठाणे (एजेंसी)। एनसीपी(शरद गुट) के विधायक जितेंद्र आव्हाड ने कहा है कि सनातन धर्म ने भारत को बर्बाद कर दिया। सनातन धर्म नाम का कोई धर्म कभी था ही नहीं। इसकी विचारधारा विकृत है। हम हिंदू धर्म के अनुयायी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इसी तथाकथित सनातन धर्म ने हमारे छत्रपति शिवाजी महाराज को राज्याभिषेक से वंचित रखा, छत्रपति संभाजी महाराज को बदनाम किया। इसके अनुयायियों ने ज्योतिराव फुले की हत्या की कोशिश की। आव्हाड ने कहा कि सावित्रीबाई फुले पर गोबर और गंदगी फेंकी गई। इसी सनातन धर्म ने शाहूजी महाराज की हत्या की साजिश रची। इसने डॉ. बीआर अंबेडकर को पानी पीने और स्कूल जाने तक नहीं दिया। आव्हाड ने ये भी कहा कि बाबासाहेब अंबेडकर ही थे, जो सनातन धर्म के खिलाफ उठे, मनुस्मृति को जलाया और उसकी दमनकारी परंपराओं को खारिज किया। आव्हाड का ये बयान मालेगांव ब्लास्ट के सभी 7 आरोपियों को बरी किए जाने और भगवा आतंकवाद पर जारी राजनीतिक बहस के बीच आया है। महाराष्ट्र के मालेगांव में 29 सितंबर 2008 को धमाका हुआ था। इसमें 6 लोग मारे गए थे और करीब 100 लोग घायल हुए थे। मालेगांव ब्लास्ट केस की शुरुआती जांच महाराष्ट्र एटीएस ने की थी। 2011 में केस एनआईए को सौंप दिया गया था।

गलती से बॉर्डर पार कर गया किसान, पाकिस्तान कोर्ट ने सुनाई एक माह की सजा

-अमृतपाल के पिता ने केंद्र सरकार से की बेटे को वापस लाने की अपील

चंडीगढ़, (एजेंसी)। पंजाब के फिरोजपुर जिले के रहने वाला 23 साल का किसान अमृतपाल सिंह पाकिस्तान में घुस गया था जहां उसे हिरासत में लिया गया था। अब पड़ोसी देश की एक कोर्ट ने उसे एक महीने की सजा सुनाई है। यह जानकारी अमृतपाल के पिता ने दी। अमृतपाल के पिता ने केंद्र और पंजाब सरकार से अपील की है कि वे उनके बेटे को भारत वापस लाने के लिए उचित कदम उठाएं। बता दें अमृतपाल सिंह फिरोजपुर जिले के खैरे के उत्तर गांव का रहने वाला है। वह 21 जून को भारत-पाक सीमा के पास स्थित अपने खेत को देखने गया था, जो सीमा सुरक्षा बल की निगरानी में सीमा चौकी राणा के पास कांटेदार बाड़ के पार स्थित है। शाम 5 बजे जब बॉर्डर गेट बंद होने वाला था, तब तक अमृतपाल नहीं लौटा और पाकिस्तान सीमा में घुस गया। वह शादीशुदा है और उसकी एक बेटी है। बीएसएफ जवानों को कुछ पैरों के निशान मिले जो पाकिस्तान की ओर जा रहे थे, जिससे यह आशंका और बढ़ गई कि वह पाकिस्तान सीमा पार कर गया। 27 जून को पाकिस्तानी रेंजर्स ने बीएसएफ को जानकारी दी कि अमृतपाल उनके पास हिरासत में है। शनिवार को उसके पिता जुगराज सिंह ने बताया कि उन्हें पता चला कि पाकिस्तान में उनके बेटे के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है और 28 जुलाई को उसे एक महीने की सजा सुनाई गई है। एक पाकिस्तानी वकील ने उन्हें कोर्ट का आदेश भेजा, जिसके मुताबिक अमृतपाल पर विदेशी अधिनियम के तहत आरोप लगाया गया है। उस पर 50,000 रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। अगर यह जुर्माना नहीं दिया गया, तो उसे 15 दिन की सजा और भुगतनी होगी। कोर्ट ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि सजा पूरी होने के बाद उसकी वापसी का इंतजाम किया जाए। अमृतपाल ने अपनी पत्नी और परिजनों से फोन पर बात की और उन्हें बताया कि वह सुरक्षित है। उसके पिता ने भारत सरकार से अपील की है कि वह उसके बेटे की जल्द वापसी के लिए जरूरी कदम उठाए। बताया गया है कि वह उस दिन बाइक से खेत गया था, लेकिन शाम तक वापस नहीं लौटा।

रक्षाबंधन पर साइबर ठगी का खतरा, जालसाजों से रहें सावधान

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षाबंधन जैसे भावनात्मक पर्व पर जहां भाई-बहन प्यार और उपहारों का आदान-प्रदान करते हैं, वहीं साइबर ठगों ने इस रिश्ते की संवेदनशीलता को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। दिल्ली समेत देश के कई शहरों में राखी और गिफ्ट डिलीवरी के नाम पर साइबर ठगी के मामले सामने आए हैं। इसको लेकर पुलिस और साइबर सेल समय-समय पर चेतावनी और एडवाइजरी भी जारी करती है, जिस पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

जानकारी अनुसार साइबर अपराधी सोशल मीडिया, व्हाट्सऐप और एसएमएस के जरिए खुद को कूरियर कंपनी या शॉपिंग साइट का प्रतिनिधि बताकर लोगों को मैसेज भेजते हैं। इस मैसेज में लिखा होता है कि आपके नाम से गिफ्ट भेजा गया है, या राखी डिलीवरी में समस्या है, ट्रैक करने के लिए लिंक पर क्लिक करें। जैसे ही लोग उस फर्जी लिंक पर क्लिक करते हैं, फोन में मालवेयर या ट्रोजन इंस्टॉल हो जाता है, जिससे बैंकिंग ऐप्स और व्यक्तिगत जानकारी हैक हो सकती है। इस संबंध में पुलिस और साइबर सेल ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि त्योहारों के समय साइबर ठग भावनात्मक तौर पर लोगों को भ्रमित कर बड़े स्तर पर ठगी करते हैं। ऐसे में किसी भी अज्ञात लिंक पर क्लिक न करें और बैंकिंग विवरण या ओटीपी किसी के साथ साझा न करें। अगर ठगी का शिकार हो जाते हैं तो इस स्थिति में पुलिस को तुरंत सूचित करें और साइबर सेल की साइड साइबर क्राइम डॉट जीओवी डॉट इन पर शिकायत दर्ज करें।

दो एपिक नंबर पर निर्वाचन आयोग ने बिहार के तेजस्वी यादव को नोटिस जारी किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दो एपिक नंबर पर निर्वाचन आयोग ने बिहार के नेता विपक्ष तेजस्वी यादव को नोटिस जारी किया है। चुनाव आयोग ने तेजस्वी यादव को पत्र लिखकर उनके द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिखाए गए वोटर आईडी कार्ड की मांग की है, ताकि उसकी जांच हो सके। आयोग ने यह भी कहा कि जो एपिक नंबर तेजस्वी यादव ने दिखाया वह वैलिड नहीं है। तेजस्वी यादव के आरोपों पर आयोग ने जवाब मांगा है। आयोग ने कहा, प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिखाया गया आईडी कार्ड आधिकारिक रूप से निर्गत प्रतीत नहीं होता है। ऐसे में इसकी जांच की जरूरत है। आयोग ने एपिक कार्ड का विवरण और ओरिजिनल कॉपी की मांग की है। ताकि यह जांच हो सके कि तेजस्वी के दो एपिकनंबर कैसे है?

मालूम हो कि तेजस्वी यादव ने कहा था कि उनका नाम मतदाता सूची में काट दिया गया है। बाद में जब प्रशासन ने तेजस्वी के दावे का खंडन किया था। तब तेजस्वी ने कहा था कि मेरा एपिक नंबर बदल दिया गया है। अब चुनाव आयोग तेजस्वी द्वारा दिखाए गए ईपिक नंबर और वोटर कार्ड की जांच करेगा।

बिहार एनडीए के घटक दलों के प्रवक्ताओं ने रविवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता में कांग्रेस के नेता राहुल गांधी और राजद के नेता तेजस्वी यादव पर जमकर सियासी हमला बोला। इस संयुक्त प्रेस वार्ता में राजद के नेता तेजस्वी यादव के दो मतदाता पहचान पत्र होने पर सवाल उठाते हुए कहा गया कि मतदाता सूची में नाम नहीं होने का दावा कर विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी ने सनसनी पैदा करने की कोशिश की, लेकिन चुनाव आयोग ने तुरंत ही बताया कि उनका नाम मतदाता सूची में है। इसके बाद उन्होंने नया एपिक नंबर दिखाकर अलग बात कही।

दो एपिक नंबर कहां से आया?

एनडीए प्रवक्ताओं ने दो एपिक नंबर पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह आया कहां से? कोई भी व्यक्ति दो मतदाता पहचान पत्र नहीं रख सकता है। अगर रखता है तो यह अपराध है। एनडीए के प्रवक्ताओं ने साफ कहा कि चुनाव आयोग को इस पर संज्ञान लेना चाहिए और तत्काल इस मामले को लेकर तेजस्वी यादव पर मुकदमा दायर करना चाहिए।

भाजपा दुष्कर्मियों को संरक्षण देना बंद करे : कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी पर दुष्कर्मियों को संरक्षण देने का आरोप लगाते हुए कहा है कि जहां-जहां भाजपा सरकार है वहां दुष्कर्म का आंकड़ा बढ़ रहा है और भाजपा की सरकारें इन अपराधों को रोकने में नाकाम हो रही है।

महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा ने रविवार को यहां पार्टी के नये मुख्यालय इंदिरा भवन में संवाददाता सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशान साधा और कहा कि उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगोड़ा के दुष्कर्म के आरोपी पौत्र प्रज्वल रमन्ना के लिए प्रचार कर लोगों से उसे वोट देने की अपील की हैं। श्री मोदी संसद से भागते हैं संसद भवन में होते हुए भी राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चल रही चर्चा में शामिल होने नहीं आते हैं।

उन्होंने कहा कि महिला कांग्रेस देशभर में हो रही दुष्कर्म की इन घटनाओं के खिलाफ तब तक विधानसभाओं और संसद सदस्यों का घेराव करती रहेगी जब तक आरोपियों को दंड नहीं मिलता है। उन्होंने सरकार से पीड़ितों की मदद करने और उन्हें सुरक्षा मुहैया कराने की अपील की है।

सुश्री लाम्बा ने ओडिशा की दुष्कर्म की एक जघन्य घटना का जिक्र करते हुए कहा कि 19 जुलाई को ओडिशा के पुरी में तीन लोगों ने एक नाबालिग बच्ची का अपहरण किया और उसे जिंदा जला दिया। बच्ची को दिल्ली एम्सलाया गया, जहां उस 15 साल की बच्ची ने दम तोड़ दिया। जब सवाल किया गया कि बच्ची को जलाने वाले कहां हैं, क्या उनकी गिरफ्तारी हुई, तो जवाब मिला कि बच्ची को जलाने में किसी का हाथ नहीं था। ये पुलिस और सरकार की नाकामी है।

मध्य प्रदेश विधानसभा में 2022 से 2024 के बीच राज्य में दलित और आदिवासी महिलाओं के साथ बलात्कार की घटनाओं पर राज्य सरकार ने कहा कि 7,418 महिलाओं के साथ दुष्कर्म की घटना हुई है।

प्रधानमंत्री पर अपराधियों को शरण देने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि प्रज्वल रेवन्ना ने कई महिलाओं के साथ दुष्कर्म किया। ये सब मालूम होते हुए भी श्री मोदी ने उसके लिए प्रचार किया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इस मुद्दे को बेहद गंभीरता से लिया। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने फास्ट ट्रैक कोर्ट में केस चलवाया और 15 महीने में मास रेपिस्ट को दोषी करार दे दिया गया।

उन्होंने कहा, 'मैं भाजपा नेताओं से कहना चाहती हूं कि अपराधियों का समर्थन करना बंद कीजिए। संसद का सत्र शुरू होते ही महिला कांग्रेस ने 'न्याय मार्च' निकाला। हमारी मांग थी कि संसद में महिला सुरक्षा के मुद्दे पर बात हो, लेकिन पुलिस ने मुझे नजफगढ़ थाने में 8 घंटों तक बंद करके रखा। न्याय के लिए उठती हमारी आवाज को दबाया जा रहा है। ये तमाशा पूरे देश में सरेआम चल रहा है।'

महिला कांग्रेस अध्यक्ष ने मांग की है कि महिला सुरक्षा देश में एक गंभीर मुद्दा बना हुआ है। इसको लेजर उनका सङ्गठन लगातार 'न्याय मार्च' लगातार निकाल रहे है। पुलिस

न्याय की मांग को कुचलने की कोशिश कर रही है, लेकिन हम रुकने वाले नहीं हैं। महिला कांग्रेस ने तय किया है कि पीड़ितों को न्याय और दोषियों को सजा दिलाकर रहेंगे।' उन्होंने पीड़ित परिवारों को सुरक्षा और उचित मुआवजा देने तथा महिला सुरक्षा से जुड़े मामलों को फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलाकर पीड़ित महिलाओं को न्याय दिलाने की मांग की है।

निमिषा प्रिया को बचाने यमन नहीं जा सकेंगे एक्शन काउंसिल के 5 सदस्य

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केरल की रहने वाली भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को यमन के एक नागरिक तलाल अब्दो महदी की हत्या के मामले में दी गई फांसी की सजा पर रोक लगाने की चर्चा इन दिनों देश-विदेश में जोरों पर है। पहले मुस्लिम धर्मगुरु कंथापुरम मुसलियार ने मामले में दखल देकर कुछ सफलता हाथ लगने का दावा (गलत साबित हुआ) किया था। तो वहीं, अब 'सेव निमिषा प्रिया इंटरनेशनल एक्शन काउंसिल' नामक एक परिषद ने इस संबंध में विदेश मंत्रालय से अपने पांच सदस्यीय दल को यमन की यात्रा करने का अनुरोध किया।

एयरलाइन-कर्मियों के साथ सेना के अधिकारी ने की मारपीट, एक्सट्रा सामान के चार्ज को लेकर हुआ विवाद

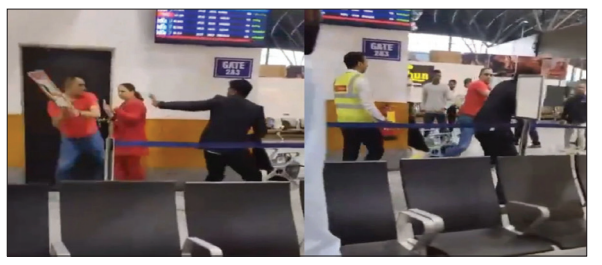

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीनगर,(ईएमएस)। स्पाइजेट की फ्लाइट से सफर करने वाले एक यात्री पर एयरलाइन के चार कर्मियों के साथ मारपीट का आरोप लगाया गया है। एयरलाइन का आरोप है कि इस दौरान उन्हें लात-घूंसे मारे गए क्यू स्टैंड से पीटा गया, इस मारपीट में कर्मचारियों की रीढ़ की हड्डी तक टूट गई। इस दौरान एक कर्मचारी बेहोश भी हो गया लेकिन यात्री नहीं रुका। ये घटना फ्लाइट में चढ़ने से पहले हुई। एयरलाइन के प्रवक्ता का कहना है कि यात्री के पास जो सामान था, वह अनुमान सीमा से 10 गुना अधिक था। इसके बाद यात्री से एक्सट्रा समान के लिए चार्ज देने को कहा गया था। लेकिन यात्री नहीं माना और बोर्डिंग प्रोसेस पूरा किए बिना ही एयरोब्रिज में घुस गया। इसके बाद जब यात्री को वापस गेट पर लाया गया, तब यात्री ने मारपीट शुरू कर दी।

स्पाइजेट प्रवक्ता के मुताबिक घटना 26 जुलाई की है, जहां यात्री श्रीनगर से दिल्ली जाने वाली फ्लाइट बोर्डिंग गेट पर स्पाइसजेट ग्राउंड स्टाफ के चार सदस्यों के साथ मारपीट की। एयरलाइन प्रवक्ता ने बताया कि यात्री सीनियर आर्मी अधिकारी है। उन्होंने बताया कि यात्री के पास दो केबिन बैगेज थे, जिनका कुल वज़न 16 किलो था, जो 7 किलो की अनुमत सीमा से अधिक था। जब यात्री से विनम्रता से अतिरिक्त सामान के बारे में बताया गया और इसके लिए लागू चार्ज देने के लिए कहा गया, तब यात्री ने इंकार कर बोर्डिंग प्रक्रिया पूरी किए बिना ही ज़बरदस्ती एयरोब्रिज में घुस गया।

इसके बाद सीआईएसएफ के अधिकारी ने यात्री वापस गेट तक पहुंचाया। गेट पर, यात्री का व्यवहार और भी आक्रामक हुआ और स्पाइसजेट ग्राउंड स्टाफ के चार सदस्यों के साथ मारपीट की। प्रवक्ता ने बताया कि यात्री इस कदर आक्रामक हो गया कि उसने चारों कर्मचारियों को बेरहमी से पीटा। एक कर्मचारी जब बेहोश हो चुके अपने साथी की मदद के लिए नीचे झुका, तब उसके जबड़े पर ज़ोरदार लात मारी जिससे उसके नाक और मुंह से खून बहने लगा। घायल कर्मचारियों को अस्पताल ले जाया गया जहां उनका इलाज जारी है।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन वेंटिलेटर पर, पार्टी कार्यकर्ता व शुभचिंतक मांग रहे दुआएं

दुमका (एजेंसी)। झारखंड के पूर्व सीएम शिबू सोरेन की हालत बिगड़ गई है। वह वेंटिलेटर पर हैं। वहीं, शिबू सोरेन के एक बार फिर तबीयत बिगड़ने से दुमका सहित समूचे संताल परगना के लोग चिंतित हैं। झारखंड आंदोलन में लम्बे अर्से तक उनके हमराही रहे पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ आम लोग भी मायूस हैं और दिशोम गुरु के शीघ्र स्वस्थ होने के लिए दुआएं मांग रहे हैं। झामुमो के जिलाध्यक्ष शिव कुमार बास्की, शिबू चक्रवर्ती, मनोज पाण्डेय, रवि यादव, कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष श्यामल किशोर सिंह, संजीत सिंह समेत उनके मार्गदर्शन में लम्बे अर्से तक झारखंड आंदोलन का अलख जगाने वाले सामाजिक कार्यकर्ता भी ईश्वर से शिबू सोरेन के शीघ्र स्वस्थ होने की दुआ कर रहे हैं। कहा जाता है जन- जन में लोकप्रिय दिशोम गुरु शिबू सोरेन अपने राजनीतिक व सामाजिक जीवन में हर जंग में जीत हासिल करते रहे हैं। उन्हें विश्वास है कि वे स्वास्थ्य के इस जंग को भी जीतेंगे। झामुमो सुप्रीमो के प्रबल समर्थक शिबू चक्रवर्ती कहते हैं कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन ने अपने जीवन के लम्बे सफ़र में राज्य के गरीब, शोषित व वंचित समाज की आवाज़ रहे हैं। वे जीवन भर राज्य की प्राकृतिक संपदा जल, जंगल, जमीन की रक्षा के साथ लोगों को उनके अधिकार को लेकर जागरूक करते रहे। खासकर आदिवासी समाज को नशा के प्रचलन से मुक्त होने के साथ कृषि व शिक्षा प्राप्त कर झारखंड के नव निर्माण के सपनों को साकार करने पर बल देते रहे। झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य सरकार शिबू सोरेन के सपनों के अनुरुप सदियों से समस्याओं के महाजाल में फंसे शोषित, पीड़ित समाज के लोगों के विभिन्न योजनाओं के माध्यम से निजात दिलाने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रही है।

मिड-डे मील की सब्जी को जूठा कर गया कुत्ता... फिर भी 84 छात्रों को वहीं खाना परोस दिया

-मामला सामने आने पर 78 बच्चों को एंटी-रेबीज वैक्सीन दी गई

बलौदाबाजार (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार में सरकारी स्कूल में मिड-डे मील को एक आवारा कुत्ते ने जूठा कर दिया, इसके बाद भी वह भोजन छात्रों को परोसा गया। यह घटना 29 जुलाई को पलारी ब्लॉक के लच्छनपुर शासकीय मिडिल स्कूल में हुई।

दरअसल स्कूल में तैयार की गई मिड-डे मील की सब्जी को एक आवारा कुत्ते ने दूषित किया था। कुछ छात्रों ने इस बारे में शिक्षकों को बताया, और शिक्षकों ने खाना परोसने से मना भी किया, लेकिन

फाईल फोटो

स्व-सहायता समूह जिसने भोजन तैयार किया था, उन्होंने इस बात को अनदेखा कर लगभग 84 छात्रों को वही खाना परोस दिया। जब बच्चों ने घर जाकर इस घटना के बारे में बताया, तब उनके परिजन और गांव वाले स्कूल पहुंचे। स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष झलेन्द्र साहू सहित कई लोगों ने स्थिति की जानकारी ली और स्व-सहायता समूह के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

इसके बाद,परिजन बच्चों को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहाँ एहतियात के तौर पर 78 बच्चों को एंटी-रेबीज वैक्सीन की पहली खुराक दी गई। लच्छनपुर स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी ने बताया कि वैक्सीन केवल सावधानी के तौर पर दी गई है, और किसी संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई है। यह कदम अभिभावकों, गांव वालों और स्कूल प्रबंधन समिति के अनुरोध पर उठाया गया।

घटना की गंभीरता को देखकर अनुविभागीय अधिकारी दीपक निकुंज, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी नरेश वर्मा, और अन्य अधिकारियों ने स्कूल का दौर कर बच्चों, अभिभावकों, शिक्षकों और प्रबंधन समिति के सदस्यों के बयान दर्ज किए। हालांकि, स्व-सहायता समूह के सदस्य जांच के दौरान मौजूद नहीं थे। क्षेत्रीय विधायक संदीप साहू ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को पत्र लिखकर मामले में उच्चस्तरीय जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने पूछा है कि बच्चों को एंटी-रेबीज इंजेक्शन देने का आदेश किस स्तर से दिया गया था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टैरिफ आर्थिक युद्ध नहीं, आत्मनिर्भर शांति का रास्ता बने

भारत की अर्थव्यवस्था अब दुनिया की सबसे तेज़ गति से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में है। मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया जैसे अभियानों ने भारत को उत्पादन और नवाचार का नया केंद्र बनाया है। भारत का टेक्सटाइल, स्टील, ऑटो पार्ट्स और आईटी सेवा क्षेत्र वैश्विक बाज़ार में निरंतर अपनी पकड़ मज़बूत कर रहे हैं। ऐसे में अमेरिका द्वारा टैरिफ थोपना भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिस्पर्धा से उपजे भय का संकेत है।

(लेखक - ललित गर्ग)

जब किसी वैश्विक ताक़त के शिखर पर बैठा नेता 'व्यापार' को भी 'सौदेबाज़ी' और 'दबाव नीति' का औज़ार बना ले, तब यह न केवल वैश्विक अर्थव्यवस्था को झकझोर देता है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों के आधारभूत सिद्धांतों को भी चुनौती देता है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाकर ऐसा ही एक आर्थिक आघात पहुँचाया है। इस टैरिफ का लक्ष्य स्पष्ट है, भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धा को बाधित करना और अमेरिकी वर्चस्व की पुनः स्थापना करना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य एवं भारत की उभरती अर्थव्यवस्था में अमेरिका की 'ट्रंपीय' दादागिरी, एवं टैरिफ का तात्कालिक और दीर्घकालिक प्रभाव कितना क्या असर दिखायेगी, यह भविष्य के गर्भ में हैं। लेकिन इस सन्दर्भ में भारत सरकार की दृढ़ता सराहनीय है। अमेरिका हमारा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार रहा है, दोनों का द्विपक्षीय व्यापार 2024 में 190 अरब डॉलर तक पहुंच गया था। ट्रंप और मोदी ने इस आंकड़े को दोगुना से भी ज्यादा 500 अरब डॉलर करने का लक्ष्य रखा था, लेकिन उस लक्ष्य पर सवालिया निशान लग गए हैं। ऐसे में, भारतीय कंपनियों को बहुत संभलकर अपने लिए नए बाजार खोजने व बढ़ाने चाहिए।

भारत की अर्थव्यवस्था अब दुनिया की सबसे तेज़ गति से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में है। मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया जैसे अभियानों ने भारत को उत्पादन और नवाचार का नया केंद्र बनाया है। भारत का टेक्सटाइल, स्टील, ऑटो पार्ट्स और आईटी सेवा क्षेत्र वैश्विक बाज़ार में निरंतर अपनी पकड़ मज़बूत कर रहे हैं। ऐसे में अमेरिका द्वारा टैरिफ थोपना भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिस्पर्धा से उपजे भय का संकेत है। लेकिन यह निर्णय केवल व्यापारिक नहीं, बल्कि रणनीतिक भी है। ट्रंप प्रशासन हमेशा से ही व्यापार संतुलन के मुद्दे को राष्ट्रीय गौरव से जोड़कर देखता रहा है। 'अमेरिका फर्स्ट' की नीति का मुख्य हथियार रहा है, दूसरों को पीछे धकेलकर अमेरिका को आगे लाना। यह एकतरफा सोच व्यापार के मूल्यों और साझेदारी की भावना को कमजोर करती है। व्यापार समझौते पर 1 अगस्त की समय सीमा तक दोनों देशों के बीच जारी बातचीत किसी नतीजे पर न पहुंचने का बड़ा कारण भारत का अमेरिका की शर्तों पर समझौता करने के लिए तैयार नहीं होना रहा है। उसे आगे भी तैयार नहीं होना चाहिए। इसका कोई मतलब नहीं कि भारत अमेरिका से ऐसा व्यापार समझौता कर ले, जो केवल उसके हित में हो। इस तरह के समझौते तो तभी हो पाते हैं, जब दोनों पक्षों के हित सधते हैं। भारत को अपने हितों की रक्षा के लिए अडिग रहना चाहिए और यह स्पष्ट करने में संकोच भी नहीं करना चाहिए कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति के अनुचित दबाव के आगे झुकने वाला नहीं। भारत को ट्रंप के मनमाने फैसलों से डरने की आवश्यकता इसलिए भी नहीं, क्योंकि वे अपने फैसलों से पीछे हटने और उन्हें पलटने के लिए जाने जाते हैं। उनके इस रवैये के कारण उनकी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फजीहत भी हो रही है। उन्हें यह समझ आ जाए तो अच्छा कि आज का भारत पहले वाला भारत नहीं है और अमेरिका का भी प्रभाव पहले जैसा नहीं रहा। डोनाल्ड ट्रंप की नीति अक्सर 'दबाव डालो और झुकावो' पर आधारित रही है। चीन, यूरोप, मैक्सिको के साथ भी ट्रंप की व्यापार नीति टकरावपूर्ण रही है। लेकिन भारत, ऐतिहासिक रूप से संतुलन साधने वाली कूटनीति में विश्वास करता रहा है। भारत ने कई बार वार्ता के माध्यम से समझौते की दिशा में पहल की, लेकिन ट्रंप की आक्रामक नीति और 'डीलमेकिंग' की व्यक्तिगत शैली ने किसी संतुलन को बनने नहीं दिया। भारत पर लगाया गया 25 प्रतिशत टैरिफ न केवल आर्थिक रूप से अनुचित है, बल्कि यह उभरते राष्ट्रों के आत्मनिर्भर बनने के अधिकार का भी हनन है। यह नव-उपनिवेशवाद का नया रूप है, जहँ आर्थिक हथियारों से शक्तिशाली राष्ट्र, विकासशील देशों को नियंत्रित करना चाहते हैं। राष्ट्रपति ने भारत पर टैरिफ बढ़ाने और जुर्माना लगाने की जो घोषणा की, वह उनकी दबाव की राजनीति का ही हिस्सा है। इस राजनीति की पोल खुल चुकी है। अच्छा होगा कि इसे देश के विपक्षी दल भी समझें। इसलिए और भी समझें कि संसद में आपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने साफ तौर पर कहा कि सैन्य कार्रवाई को स्थगित किए जाने के सिलसिले में विश्व के किसी भी नेता की कहीं कोई भूमिका नहीं। स्पष्ट है कि भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य कार्रवाई को कथित तौर पर रोकने का ट्रंप का दावा फर्जी है। वास्तव में इसी कारण वे अपने इस थोथे दावे को बार-बार दोहरा रहे हैं।

आज का भारत न केवल एक विशाल बाज़ार है, बल्कि एक नवाचारशील शक्ति भी है। दुनिया की सबसे बड़ी युवा जनसंख्या, तेज़ी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था, और विविधता से समृद्ध उत्पादन क्षमता भारत को वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने की ओर अग्रसर कर रही है। भारत अब 卐निर्भरता卐 की नीति से निकलकर 卐आत्मनिर्भरता卐 की ओर बढ़ रहा है। ट्रंप के टैरिफ का प्रभाव सीमित और अस्थायी होगा, लेकिन भारत की आर्थिक विकास यात्रा दीर्घकालिक और दृढ़ है। भारत के लिए यह चुनौती अवसर में बदलने का समय है, नए बाज़ारों की तलाश, घरेलू उत्पादन को और सशक्त बनाना, और वैश्विक साझेदारियों को नए रूप में ढालना। ट्रंप की दादागिरी भारत को झुका नहीं सकती। बल्कि यह भारत को और मज़बूत और आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दे सकती है। यह समय है जब भारत को अपने उत्पादन, नवाचार, निर्यात और कूटनीति को और धार देने की आवश्यकता है। हमें यह समझना होगा कि शक्ति का उत्तर शक्ति से नहीं, दूरदृष्टि और नीति से दिया जाना चाहिए। ट्रंप का टैरिफ एक चुनौती है, लेकिन भारत की आत्मा में संघर्ष से जीतने का इतिहास है। हमने हर संकट को अवसर में बदला है, और इस बार भी हम यही करेंगे, न केवल अपनी अर्थव्यवस्था के लिए, बल्कि वैश्विक आर्थिक संतुलन के लिए भी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आर्थिक चिंतन मूलतः 'आत्मनिर्भर भारत', 'विकास के साथ विश्वास', और 'समान साझेदारी' के सिद्धांतों पर आधारित रहा है। वे वैश्विक मंच पर भारत को एक समानाधिकार संपन्न राष्ट्र के रूप में प्रस्तुत करते हैं, न कि किसी बड़े राष्ट्र की कृपा पर चलने वाली व्यवस्था के रूप में। जब डोनाल्ड ट्रंप जैसे नेता भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ का प्रहार करते हैं, तो नरेंद्र मोदी की सोच विरोध नहीं, विकल्प पर आधारित होती है। वे इस तरह के दबावों को एक नई दिशा में सोचने और घरेलू उत्पादन एवं वैश्विक विविधीकरण का अवसर मानते हैं। टैरिफ वार के उत्तर में मोदी की प्रतिक्रिया सकारात्मक ही होती हुई दिख रही है, वे ट्रंप के टैरिफ से प्रभावित क्षेत्रों जैसे स्टील, ऑटो पार्ट्स, टेक्सटाइल को सरकारी सब्सिडी, टैक्स रियायत और तकनीकी समर्थन के ज़रिए बल दे सकते हैं। अमेरिका के अतिरिक्त यूरोप, दक्षिण-पूर्व एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका जैसे नए बाज़ारों में भारत अपनी पकड़ को और मज़बूत करते हुए इस टैरिफ से उत्पन्न संकट को संतुलित कर सकता है।

ट्रंप भारत को अपना मित्र मानते हैं। लेकिन यह कैसी मित्रता है, जिसमें ट्रंप को भारत के गरीबों, किसानों, मजदूरों की कोई चिंता नहीं है। लेकिन मोदी की विदेश नीति में भी 'अमेरिका के साथ मित्रता' है, लेकिन 'आत्मगौरव की कीमत पर नहीं'। वे संवाद और दृढ़ता-दोनों का प्रयोग करते हैं। दबाव की राजनीति से न तो भारत झुकेगा, न रुकेगा। ट्रंप का टैरिफ हो या कोई और वैश्विक चुनौती, मोदी का भारत हर संकट में अवसर खोजता है। मोदी की आर्थिक दृष्टि एवं नीतियां किसी बाहरी राष्ट्र के मनोनुकूल नहीं, बल्कि भारत की आवश्यकताओं, संभावनाओं और स्वाभिमान के अनुरूप गढ़ी गई है। जब वैश्विक महाशक्तियां टैरिफ के हथियार से डराने लगें, तो समझो कि भारत की प्रतिस्पर्धा ने उन्हें असहज कर दिया है। मोदी इसे चुनौती नहीं, पहचान मानते हैं। मोदी कहते हैं-'लोकल को ग्लोबल बनाओ', और यही उनका उत्तर है हर टैरिफ, हर दबाव, हर चुनौती को। मोदी की अर्थनीति उद्यमशीलता को राष्ट्रनिर्माण से जोड़ती है। उनका आर्थिक चिंतन 'केवल विकास' नहीं, बल्कि स्वराज्य आधारित समावेशी आर्थिक स्वतंत्रता है। ट्रंप के टैरिफ की चुनौती को वे उसी तरह लेते हैं जैसे उन्होंने कोविड या ग्लोबल मंदी की ली थी-साहस, दूरदर्शिता और आत्मनिर्भरता के साथ।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्य क्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

संपादकीय

नौकरियों पर गिरी गाजः एआई ने भारत के आईटी सेक्टर का बदला चेहरा

(लेखक- ज्ञानू निगम) देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने करीब 12हजार से ज्यादा नौकरियों को खत्म कर काम-काजी मध्यम वर्ग को सदमें में डाल दिया है। टीसीएस ने मिड और सीनियर मैनेजमेंट स्तर पर इन नौकरियों को खत्म करने का फैसला लिया है। इससे भारत के मध्यम वर्ग को जबरदस्त झटका लगा है। यह कदम न केवल एक कंपनी के आंतरिक पुनर्गठन का संकेत है, बल्कि एआई वाले इस युग में देश की समृद्ध होती मध्यम वर्गीय आकांक्षाओं पर खतरा मंडराने की गंभीर चेतावनी भी है। भारत की आईटी इंडस्ट्री, जो कभी करोड़ों युवाओं के लिए आशा की किरण मानी जाती थी, अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ऑटोमेशन के दबाव में ढल रही है। जहां पहले सॉफ्टवेयर कंपनियां वैश्विक ग्राहकों को कम लागत पर सेवाएं देकर तेजी से नौकरियां पैदा कर रही थीं, वहीं अब एआई तकनीक के आगमन ने अनेक प्रक्रियाओं को स्वचालित बना दिया है। परिणामस्वरूप, उन नौकरियों की आवश्यकता घटती जा रही है जो परंपरागत व्हाइट कॉलर वर्ग का आधार रही हैं। टीसीएस के इस फैसले से कंपनी के कुल वर्कफोर्स का दो प्रतिशत प्रभावित होगा, और यह केवल शुरुआत हो सकती है। स्टाफिंग फर्म 'टीमलीज डिजिटल' की सीईओ नीति शर्मा ने कहा है कि मैनेजर स्तर के कर्मचारियों को हटाया जा रहा है और सीधे काम करने वाले कर्मचारियों को बनाए रखा जा रहा है। वहीं नई तकनीकों जैसे एआई, क्लाउड, और डेटा सिक्योरिटी में भर्तियां बढ़ी हैं, लेकिन जिस अनुपात में पुराने कर्मचारी हटाए जा रहे हैं, उस अनुपात में नई नौकरियां नहीं आ रहीं। विशेषज्ञों का कहना है कि यह ट्रेंड देश के स्किल गैप की ओर इशारा करता है। नैसकॉम के मुताबिक, 2026 तक भारत को 10 लाख एआई पेशेवरों की ज़रूरत होगी, लेकिन वर्तमान में केवल 20प्रतिशत आईटी कर्मियों के पास ही आवश्यक एआई स्किल मौजूद हैं। कंपनियां बड़े पैमाने पर ट्रेनिंग और री-स्किलिंग में निवेश कर रही हैं, परंतु जिन कर्मचारियों की भूमिका पुनर्परिभाषित नहीं हो पा रही, उन्हें बाहर का रास्ता दिखाया जा रहा है।इस ट्रेंड का असर न केवल कंपनियों तक सीमित रहेगा, बल्कि इसका सीधा प्रभाव भारत की उपभोक्ता अर्थव्यवस्था पर भी पड़ सकता है। बीते वर्षों में आईटी सेक्टर ने एक नया मध्यम वर्ग खड़ा किया, जिसने शहरों में रियल एस्टेट, ऑटोमोबाइल, बैंकिंग और एफएमसीजी जैसे क्षेत्रों को गति दी। परंतु जब स्थायी और आकर्षक नौकरियां ही सिकुड़ने लगेंगी, तब इस वर्ग की उपभोग शक्ति भी प्रभावित होगी, जिसका सीधा असर राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। 2023-24 में ही भारत की छह प्रमुख आईटी कंपनियों में नई नियुक्तियों में 72न की गिरावट दर्ज की गई। बेंगलुरु, हैदराबाद और पुणे जैसे आईटी हब में हजारों की संख्या में नौकरियां जा चुकी हैं। एक अनुमान के अनुसार, पिछले साल करीब 50,000 आईटी कर्मचारी अपनी नौकरियां गंवा चुके हैं। वहीं, अमेरिका में आईटी सेवाओं की मांग में गिरावट और वहां की संरक्षणवादी नीतियों ने भारतीय आईटी कंपनियों के राजस्व पर असर डाला है। डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीतियों और एआई अपनाने की वजह से अमेरिकी कंपनियां लागत कटौती पर जोर दे रही हैं, जिससे भारतीय सेवा प्रदाताओं पर दबाव बढ़ा है।

चुनाव आयोग पर वारः लोकतंत्र के लिये खतरे की घंटी

लेखक - ललित गर्ग)

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, और इस लोकतंत्र की बुनियाद जिन संस्थाओं पर टिकी है, उनमें चुनाव आयोग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण, निष्पक्ष और प्रतिष्ठित मानी जाती है। किंतु लोकतंत्र की रक्षा का दावा करने वाले प्रमुख विपक्षी नेता श्री राहुल गांधी जैसे वरिष्ठ जनप्रतिनिधि जब चुनाव आयोग जैसी सर्वोच्च संवैधानिक संस्था पर वोट चोरी में शामिल होने एवं बिहार में मतदाता सूची में धांधली जैसे गंभीर, शरारत भरे, बेहूदे और गुमराह करने वाले आरोप सड़क से लेकर लोकसभा तक में लगाते हैं, तब यह केवल एक संवैधानिक संस्था पर नहीं बल्कि पूरे लोकतांत्रिक ढांचे पर सीधा प्रहार है, यह दुर्भाग्यपूर्ण भी है और चिंताजनक भी। चुनाव आयोग का काम केवल चुनाव कराना नहीं है, बल्कि यह संस्था लोकतंत्र को पारदर्शिता, विश्वसनीयता और निष्पक्षता से चलाने की रीढ़ है। लाखों कर्मचारियों, सुरक्षा बलों और तकनीकी सहयोग के बीच करोड़ों मतदाताओं को चुनाव प्रक्रिया में शामिल करना, भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में, एक असाधारण कार्य है। चुनाव आयोग ने समय-समय पर खुद को दबावों से ऊपर उठकर न्यायप्रिय संस्था के रूप में सिद्ध किया है।

बिहार में मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण (सर) का जबरदस्त विरोध करते हुए राहुल गांधी चुनाव आयोग एवं उनके अधिकारियों को डराने एवं धमकाने की भाषा का प्रयोग कर रहे हैं। राजनीति में जब हार की बौखलाहट हावी हो जाती है, तो ऐसे ही विकृत आरोपों और झूठे नैरेटिव को गढ़ा जाता है। श्री राहुल गांधी द्वारा हाल ही में चुनाव आयोग पर लगाए गए आरोप इसी राजनीतिक हताशा का परिणाम प्रतीत होते हैं। वे चुनाव परिणामों या प्रक्रिया में किसी तकनीकी दोष की बजाय, सीधे आयोग की नीयत पर सवाल उठा रहे हैं, जो कि एक गंभीर लोकतांत्रिक अनाचार एवं अराजकता है। वे अपनी नाकामी का ठीकरा चुनाव आयोग पर फोड़ रहे हैं और वह भी भद्दे तरीके से। चूंकि उनके ऐसे पुराने आरोप ठहर नहीं रहे इसलिए वे कुंठित हो रहे हैं। वे हताशा में हद पार कर रहे हैं। उन्हें सोचना चाहिए कि वे नेता सदन हैं और उस कांग्रेस के नेता हैं, जिसने देश पर लंबे समय तक शासन भी किया और चुनाव प्रक्रिया में सुधार के कुछ कदम भी उठाए। क्या कांग्रेस के लिए यह शर्म की बात नहीं कि जिस ईवीएम का उपयोग उसके शासनकाल में शुरू हुआ, उसके पीछे उसके ही बड़े नेता पड़े हैं। हाल के वर्षों में ईवीएम के कथित दुरुपयोग के जो भी आरोप लगे, उन्हें तो सुप्रीम कोर्ट ने भी फर्जी पाया। महाराष्ट्र चुनाव को लेकर लगाए गए आरोप भी फर्जी ही पाए गए। राहुल गांधी ने लोकसभा में चुनाव आयोग के खिलाफ उलटा-सीधा नहीं, उलटा ही उलटा इसलिए बोला ताकि सांसद को मिले अधिकारों के तहत उनके खिलाफ कोई कार्रवाई न हो सके। चुनाव आयोग ने राहुल गांधी के नितांत झूठे, बेबुनियाद, निराधार और भारतीय लोकतंत्र की छीछालेदर करने वाले आरोपों का कड़ा प्रतिवाद करने के साथ यह कहकर उन्हें बेनकाब भी किया कि वे किस तरह अपने आरोपों का जवाब सुनने या अपने आरोपों की सच्चाई प्रस्तुत करने आयोग के समक्ष उपस्थित नहीं हुए। आरोपों में दम होता तो वे उपस्थित होते। चुनाव आयोग ने बार-बार उन्हें बुलाया, लेकिन लगता है कि वे खुद को इस संवैधानिक संस्था से भी ऊपर समझ रहे हैं। वे गांधी परिवार के सदस्य हैं, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि वे जो मन में आये करते रहे कि आम जनता उनके शरारत भरे आरोपों को सच मान लेगी। जनता का उनके आरोपों पर भरोसा उठ चुका है, उनके आरोपों पर ही नहीं, उन पर भरोसा नहीं रहा तभी तो चुनावों में कांग्रेस की इतनी दुर्गति हो रही है। गृहमंत्री अमित शाह ने लोकसभा में सही सका कि ऐसी हरकतों से कांग्रेस 30 साल तक विपक्ष में ही बैठती रहेगी।

वोट चोरी के आरोप लगा रहे राहुल और उनके साथी यह क्यों भूल जाते हैं कि झारखंड और जम्मू-कश्मीर विधानसभा के चुनाव कौन जीता था? क्या यह उचित है कि जब तक चुनाव परिणाम अनुकूल हों तब तक चुनाव आयोग निष्पक्ष है, और जब हार हो जाए तो वही आयोग पक्षपाती हो जाए? क्या लोकतंत्र का सम्मान इस प्रकार के दोहरे मापदंडों से किया जा सकता है? राहुल गांधी को यह नहीं भूलना चाहिए कि वे स्वयं उसी निर्वाचन प्रणाली से संसद पहुंचे हैं, जिसे अब वे झूठा और पक्षपाती बताने की कोशिश कर रहे हैं।

यह जनता की समझ और चेतना का भी अपमान है। अब यह भी साफ है कि ऐसे लोग मतदाता सूचियों का सत्यापन नहीं होने देना चाहते, भले ही घुसपैठिये वोटर बने रहें, यह तो सबसे बड़ा देशद्रोह है। इस मामले में जनहित याचिकाएं सुनने को आतुर सुप्रीम कोर्ट को भी सक्रिय होना चाहिए।

यदि किसी दल या नेता को किसी प्रक्रिया पर आपत्ति है, तो उनके पास कानूनी और संवैधानिक मार्ग खुले हैं। लेकिन सार्वजनिक मंचों से इस तरह झूठी कहानियां गढ़कर जनता को भ्रमित करना, लोकतंत्र की मर्यादाओं को तार-तार करना है। चुनाव आयोग ने बार-बार यह सिद्ध किया है कि वह सत्ता या विपक्ष, दोनों से परे, केवल संविधान और जनादेश के प्रति जवाबदेह है। ऐसे में बार-बार उसे लांछित करना विपक्षी राजनीति की गिरती हुई संस्कृति का परिचायक है। आज आवश्यकता इस बात की है कि सभी राजनीतिक दल और नेता लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करें, न कि उन्हें क्षति पहुंचाएं। यदि विपक्ष को सशक्त बनना है, तो उसे अपने विचारों की ताकत और जनसमर्थन की ऊर्जा से यह करना होगा, न कि संस्थाओं को कमजोर कर या झूठी शंकाओं का धुंआ फैलाकर। राहुल गांधी जैसे नेताओं से अपेक्षा की जाती है कि वे जनता के बीच संवेदनशीलता, सच्चाई और गंभीरता का उदाहरण प्रस्तुत करें। किंतु जब वे स्वयं राजनीतिक अपरिपक्वता, अविश्वास और तर्कहीन आलोचनाओं के वाहक बन जाते हैं, तो इससे केवल विपक्ष की साख ही नहीं, बल्कि लोकतंत्र की पूरी संरचना प्रभावित होती है।राहुल गांधी द्वारा यह दावा करना कि पूर्व में महाराष्ट्र एवं हाल ही में बिहार में लाखों फर्जी वोटर जुड़े हैं, यह आरोप न केवल अतिशयोक्ति और तथ्यहीनता का उदाहरण है, बल्कि इससे मतदाताओं में अनावश्यक भय और भ्रम फैलता है।

चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया कि यह पूरी तरह भ्रामक है और यह मतदाता सूची में प्राकृतिक अद्यतन प्रक्रिया का हिस्सा है, जिसमें मृतकों, स्थानांतरित लोगों या दोहरावों को हटाकर सत्यापन किया जाता है। बिहार राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने भी इसे नियमित कार्यवाही बताते हुए राहुल गांधी के आरोपों को बेबुनियाद बताया है। यह स्पष्ट करता है कि 'वोट चोरी' का शोर एक राजनीतिक भ्रमजाल है, न कि तथ्यात्मक आपत्ति। राहुल गांधी के ऐसे बचकाने और संवेदनहीन बयानों से देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अफरातफरी और अविश्वास का माहौल बनता है।

कर्म के पाप-पुण्य में फंस जाता है जीव

ईश्वर क्षेत्रज्ञ या चेतन है, जैसा कि जीव भी है, लेकिन जीव केवल अपने शरीर के प्रति सचेत रहता है, जबकि भगवान समस्त शरीरों के प्रति सचेत रहते हैं। चूंकि वे प्रत्येक जीव के हृदय में वास करने वाले हैं, अतएव वे जीवविशेष की मानसिक गतिशीलता से परिचित रहते हैं। परमात्मा प्रत्येक जीव के हृदय में ईश्वर या नियंता के रूप में वास कर रहे हैं और जैसा जीव चाहता है वैसा करने के लिए जीव को निर्देशित करते रहते हैं। जीव भूल जाता है कि उसे क्या करना है। पहले तो वह किसी एक विधि से कर्म करने का संकल्प करता है, लेकिन फिर वह अपने ही कर्म के पाप-पुण्य में फंस जाता है। वह एक शरीर को त्याग कर दूसरा शरीर ग्रहण करता है।

चूंकि इस प्रकार वह आत्मा देहांतरण कर जाता है, अत उसे अपने विगत (पूर्वकृत) कर्मो का फल भोगना पड़ता है। ये कार्यकलाप तभी बदल सकते हैं जब जीव सतोगुण में स्थित हो और यह समझे कि उसे कौन से कर्म करने चाहिए। यदि वह ऐसा करता है तो उसके विगत कर्मो के सारे फल बदल जाते हैं। इसीलिए हमने यह कहा है कि पांच तत्वों- ईश्वर, जीव, प्रकृति, काल तथा कर्म में से चार शात हैं, कर्म शात नहीं है।

परम चेतन ईश्वर जीव से इस मामले में समान हैं- भगवान तथा जीव दोनों की चेतनाएं दिव्य हैं। यह चेतना पदार्थ के संयोग से उत्पन्न नहीं होती है। ऐसा सोचना भ्रांतिमूलक है। किंतु भगवान की चेतना भौतिकता से प्रभावित नहीं होती है। भगवान कहते हैं- जब वे इस भौतिक वि में अवतरित होते हैं तो उनकी चेतना पर भौतिक प्रभाव नहीं पड़ता। यदि वे इस तरह प्रभावित होते तो दिव्य विषयों के संबंध में उस तरह बोलने के अधिकारी न होते जैसा कि वे भगवद्गीता में बोलते हैं। भौतिक कल्मष-ग्रस्त चेतना से मुक्त हुए बिना कोई दिव्य-जगत के विषय में कुछ नहीं कह सकता। अत- भगवान भौतिक दृष्टि से कलुषित (दूषित) नहीं हैं। भगवद्गीता तो शिक्षा देती है कि हमें इस कलुषित चेतना को शुद्ध करना है।

विचार मंथन

दुनिया को डुबाने में लगे ट्रंप पर भारी पड़ेगा टैरिफ वार

(लेखक- डॉ. हिदायत अहमद खान)

किसी भी सेवक के लिए अपना राष्ट्र सर्वोपरी और सर्वप्रथम होना ही चाहिए। इसमें किसी को कोई आपत्ति भी नहीं होगी, लेकिन इसके नाम पर अन्य देशों को हीन और तुच्छ समझा जाना, उन्हें नीचा दिखाना उचित नहीं ठहराया जा सकता है। वहीं खुद लाभ कमाना और दूसरे को घाटे में डालना, ऐसी व्यापार-नीति अच्छी नहीं मानी जा सकती है। इसका दूरगामी परिणाम स्वयं के लिए भी घातक साबित होगा। कुछ ऐसा ही काम इन दिनों अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने फैसलों और बयानों के जरिए करते देखे जा रहे हैं। दरअसल राष्ट्रपति ट्रंप ने अपनी चिर-परिचित शैली में भारत सहित दुनियां के अनेक देशों पर 25 फीसद टैरिफ और रूस से व्यापार करने पर सख्त आर्थिक दंड लगाने की जो घोषणा की है, उससे एक बार फिर वैश्विक अर्थव्यवस्था में हलचल मच गई है। यह भी सही है कि ट्रंप अपने बयानों पर कायम नहीं रह पाते हैं, ऐसे में भरोसा भी नहीं होता कि वो कब क्या कहेंगे और कब क्या लागू करेंगे। इसलिए टैरिफ लगाने का यह फैसला जितना अचानक था, उससे कहीं अधिक राजनीतिक और आर्थिक संबंधों को अस्थिर करने वाला भी साबित हो सकता है। खासकर तब जबकि दुनिया एक ओर मंदी के खतरे से जूझती नजर आ रही हो और दूसरी ओर अमेरिका खुद उच्च मुद्रास्फीति और आर्थिक अस्थिरता के दौर से गुजर रहा हो। इसे लेकर कनाडाई कारोबारी और टेस्टबेड के चेयरमैन किर्क लुबिमोव ने ट्रंप नीति की तीखी आलोचना भी की है। उनका मानना है कि भारत को टैरिफ और जुर्माने के जरिए निशाना बनाना अमेरिका की रणनीतिक प्राथमिकताओं के खिलाफ जाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा है, कि भारत आज सिर्फ एक तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था नहीं है, बल्कि यह अमेरिका के लिए चीन के दबदबे को संतुलित करने की दिशा में एक संभावित साझेदार भी है। लुबिमोव की यह चेतावनी ऐसे समय में आई है जबकि भारत वैश्विक सप्लाई चेन में चीन के विकल्प के तौर पर तेजी से उभर रहा है।

यह तो सभी जानते हैं कि चीन ने जिस तरीके से वैश्विक बाजार में अपनी पैठ बनाई है, उससे अमेरिकी अर्थव्यवस्था को खासा नुक्सान पहुंचा है। चीन एवं अन्य ताकतवर देशों से आर्थिक तौर पर निपटने की बजाय ट्रंप ने टैरिफ नीति लांच कर बतला दिया कि उन्हें इससे उबरना नहीं आ रहा है। इसलिए कमजोर को और कमजोर बनाने और उभरती अर्थव्यवस्थाओं को कुचलने जैसे फैसले ले लिए गए हैं। वैसे अमेरिका के इस कदम से दुनियां में व्यापारनीति को लेकर भी गंभीरता से विचार-विमर्श किया जाने लगा है। नतीजे में डॉलर की जगह अन्य मुद्रा को मजबूत करने जैसी बातें भी होने लग गई हैं। ब्रिक्स ने इसकी शुरुआत भी कर दी है, जिसे लेकर ट्रंप भी चिंतित हैं, लेकिन चिंता का समाधान वो अपने सहयोगी देशों की पीठों पर कोड़े चलाकर निकालने का दुस्साहस कर रहे हैं। इससे यदि यह समझा जा रहा है कि अमेरिका अपने अंदरुनी संकट से उबर जाएगा तो यह सिरे से ही गलत है, क्योंकि समाधान वैश्विक स्तर पर ही संभव है। इसलिए टैरिफ वार रोक कर नए रास्ते खोजने होंगे। यह भी सोचने वाली बात है कि वैश्विक बाजार खत्म नहीं हो रहा है, बल्कि उसका उपयोग कौन कैसे करे इस पर विचार किया जाना चाहिए। बदलती रणनीति और वैश्विक स्थिति को ध्यान में रखते हुए भारत वर्तमान में रुस से कच्चे तेल का दूसरा सबसे बड़ा आयातक बन चुका है। देखने वाली बात है कि यूक्रेन युद्ध से पहले यह आयात नगण्य समान था, लेकिन अब यह भारत के कुल तेल आयात का 35 फीसद से अधिक हो गया है। ऐसे में अमेरिका की यह कोशिश कि भारत रूसी तेल से दूरी बनाए, न सिर्फ अव्यावहारिक है बल्कि संप्रभुता पर भी हस्तक्षेप करने जैसा है। इसके अलावा, एक तरफ तो ट्रंप भारत को अच्छा मित्र बताते हैं वहीं दूसरी तरफ वो डेड इकोनॉमी जैसा अपमानजनक टैग भी भारत को ही दे देते हैं। ये तो वो भी जानते हैं कि जो वो कह रहे हैं वो सिर्फ नारा है जो तथ्यात्मक रूप से गलत है, बल्कि यूं कहा जाए कि यह भारत-अमेरिका संबंधों में खटास बढ़ाने जैसा है, तो गलत नहीं होगा। राष्ट्रपति ट्रंप के इस बयान के तुरंत बाद ही भारत सरकार की ओर से भी तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने संसद में स्पष्ट किया कि भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और जल्द ही यह अमेरिका और चीन के बाद तीसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी बनने की ओर अग्रसर है। इसी के साथ उन्होंने यह भी बतलाया कि भारत वैश्विक जीडीपी वृद्धि में 16 फीसद तक का योगदान दे रहा है और यह 卐डेड इकोनॉमी卐 नहीं बल्कि 卐ग्रोथ इंजन卐 है। भारत के डिजिटल, वित्तीय और औद्योगिक सुधारों ने इसे वैश्विक निवेश का एक प्रमुख गंतव्य बना दिया है।

यहां विचारणी यह भी है कि अमेरिका के दूसरी बार राष्ट्रपति बने ट्रंप ने सबसे पहले अपने ही पड़ोसी मुल्कों को डराने और धमकाने का काम किया था, जिसे लेकर उन्हें उसी भाषा में जवाब भी मिला। इसके बाद उनकी नीतियां बदल गईं, लेकिन सुर वही रहे, उन्होंने कार्रवाई तो नहीं की लेकिन व्यंग्य करना नहीं छोड़ा। इसलिए ट्रंप ने यह पहली दफा किया हो ऐसा नहीं है, इससे पहले भी टैरिफ और व्यापार युद्धों के जरिए अंतरराष्ट्रीय दबाव बनाने की कोशिश वो खूब कर चुके हैं। फिर चाहे वह चीन हो, यूरोपीय संघ हो या मेक्सिको। लेकिन इन प्रयासों का नतीजा अमेरिकी उपभोक्ताओं पर महंगाई के रूप में देखने को मिलता रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस का अप्रैल-जून तिमाही में मुनाफा पांच फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली। एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में पांच फीसदी से बढ़कर 1,359.92 करोड़ रुपए रहा। एलआईसी द्वारा प्रवर्तित हाउसिंग फाइनेंस कंपनी का शुद्ध लाभ एक साल पहले इसी तिमाही में 1,300.21 करोड़ रुपए था। एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस ने शुक्रवार को शेयर बाजार को बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 7,233 करोड़ रुपए हो गई, जबकि पिछले साल इस अवधि में यह 6,784 करोड़ रुपए थी। कंपनी की ब्याज आय जून तिमाही में बढ़कर 7,113 करोड़ रुपए हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 6,739 करोड़ रुपए रही थी। आलोच्य तिमाही में कंपनी का कुल खर्च बढ़कर 5,534 करोड़ रुपए हो गया, जो एक साल पहले इस अवधि में 5,155 करोड़ रुपए था। परिसंपत्ति गुणवत्ता के मोर्चे पर एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां जून तिमाही में बढ़कर 2.62 फीसदी हो गईं, जो पिछले साल जून के आखिर में 3.29 फीसदी थीं। इसका शुद्ध एनपीए भी जून तिमाही में घटकर 1.3 फीसदी रहा, जो जून, 2024 में 1.68 फीसदी था।

जीएचवी इंफ्रा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड ने निवेशकों को बोनस शेयर देने को मंजूरी दी

मुंबई। जीएचवी इंफ्रा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड के शेयर लगातार फोकस में हैं। कंपनी के शेयर आने वाले दिनों में चर्चा में बने रह सकते हैं। दरअसल, कंपनी ने अपने निवेशकों को शानदार तोहफा दिया है। हाल ही में जीएचवी इंफ्रा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड के बोर्ड मेंबर ने 24 जुलाई 2025 को हुई बैठक में कंपनी के मौजूदा शेयरधारकों को 3:2 के रेशियो में बोनस शेयर जारी करने को मंजूरी दे दी है। यानी प्रत्येक 2 शेयरों पर तीन पूर्ण चुकता इक्विटी शेयर। इसके अलावा, बोर्ड मेंबर ने 2:1 के रेशियो में उप-विभाजन/ विभाजन को भी मंजूरी दे दी है। शेयर विभाजन का उद्देश्य बाजार में कंपनी के शेयरों की लिक्विडिटी को बढ़ाना है। बता दें कि बीते शुक्रवार को कंपनी के शेयर 2 प्रतिशत तक चढ़कर 1,549.20 रुपये पर आ गए थे। (पूर्व में सिंधु वैली टेक्नोलॉजीज लिमिटेड) ने 2 अगस्त, 2025 को घोषणा की कि रास अल खैमाह आर्थिक क्षेत्र संयुक्त अरब अमीरात में रजिस्टर्ड राणा एक्विजम एफजेड-एलएलसी से एक महत्वपूर्ण लेटर ऑफ अवार्ड (एलओसी) प्राप्त हुआ है। यह एलओसी एरिशा स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग हब के इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) विकास के लिए है, जिसमें रास अल खैमाह आर्थिक क्षेत्र, संयुक्त अरब अमीरात में औद्योगिक और वाणिज्यिक भवन शामिल है। इस परियोजना की कीमत करीब 2,645 करोड़ रुपये (दो हजार छह सौ पैंतालीस करोड़ रुपये) है। परियोजना के पूरा होने का अनुमानित समय 24 महीने है। इसके अलावा स्थापना और संचालन के लिए शुरुआती 90 दिनों की अवधि भी है।

एनएसडीएल के निवेशकों के लिए आज बड़ा दिन, शेयरों का अलॉटमेंट

मुंबई। एनएसडीएल के आईपीओ की लिस्टिंग 6 अगस्त को बीएसई और एनएसई में होनी है। बड़ी संख्या में मेनबोर्ड आईपीओ पर निवेशकों ने दांव लगाया था। अब अच्छी खबर इन निवेशकों के लिए आई है। ग्रे मार्केट में कंपनी के प्रदर्शन में सुधार देखने को मिला है। एनएसडीएल आईपीओ ग्रे मार्केट में 120 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा है। 1 जुलाई के मुकाबले कंपनी के जीएमपी में 2 रुपये का इजाफा हुआ है। हालांकि, अब भी जीएमपी अपने शीर्ष स्तर 167 से काफी दूर है। लेकिन शेयर बाजार के बदले हालात के बीच जीएमपी में इजाफा होना निवेशकों के लिए अच्छा संकेत है। एनएसडीएल आईपीओ 30 जुलाई को रिटेल निवेशकों के लिए खुला था। निवेशकों के पास 1 अगस्त 2025 तक दांव लगाने का मौका था। कंपनी आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 800 रुपये प्रति शेयर निर्धारित किया था। जबकि 18 शेयरों का एक लॉट बनाया था। इसकारण निवेशकों को कम से कम 13,680 रुपये का दांव लगाना पड़ा था। कंपनी ने अपने कर्मचारियों को एक शेयर पर 76 रुपये की छूट दी थी। बता दें, शेयरों का अलॉटमेंट 4 अगस्त को प्रस्तावित है।

भारत में गूगल का पहला डेटा सेंटर बनेगा विशाखापट्टनम में

नई दिल्ली ।

भारत में दिग्गज गूगल कंपनी अब तक का अपना सबसे बड़ा निवेश करने जा रही है। इस मेगाप्रोजेक्ट में कुल 6 अरब डॉलर यानी लगभग रुपए 51,000 करोड़ का निवेश किया जाएगा। कंपनी आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में 1 गीगावॉट क्षमता वाला एक अत्याधुनिक डेटा सेंटर और उससे जुड़ा पावर इंफ्रास्ट्रक्चर स्थापित करेगी। यह भारत में न सिर्फ गूगल का पहला डेटा सेंटर होगा, बल्कि एशिया में अपनी तरह का सबसे बड़ा और उच्च क्षमता वाला डेटा सेंटर भी होगा। सरकारी सूत्रों के अनुसार, इस पूरे निवेश में से करीब 2 अरब डॉलर, यानी रुपए 17,000 करोड़, विशेष रूप से नवीकरणीय ऊर्जा की स्थापना में खर्च किए जाएंगे, जो इस डेटा सेंटर को बिजली उपलब्ध कराएगी।

इसका उद्देश्य गूगल के वैश्विक स्तर पर पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता को बनाए रखना है। यह निवेश गूगल की उस वैश्विक रणनीति का हिस्सा है,

जिसके तहत वह सिंगापुर, मलेशिया और थाईलैंड जैसे दक्षिण एशियाई देशों में भी अपने डेटा सेंटर नेटवर्क का विस्तार कर रही है। कंपनी ने पहले ही घोषणा की थी कि आर्थिक अनिश्चितताओं और वैश्विक टैरिफ नीतियों के बावजूद, वह वर्ष 2025 तक करीब 75 अरब डॉलर यानी रुपए 6.37 लाख करोड़ की राशि वैश्विक स्तर पर डेटा इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने में खर्च करेगी। भारत में किया जा रहा यह निवेश इस रणनीति का अहम हिस्सा माना जा रहा है।

इस नए डेटा सेंटर की भव्यता और तकनीकी क्षमता का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि अगर इसमें 50,000 सर्वर लगाए जाएं, और हर सर्वर में औसतन 10 टेराबाइट स्टोरेज हो, तो कुल डेटा स्टोरेज क्षमता 500,000 टेराबाइट या 500 मिलियन गीगाबाइट होगी। यानी लगभग 500 करोड़ जीबी डेटा एक साथ सुरक्षित किया जा सकेगा।

यह आंकड़ा डेटा सेंटर के डिजाइन और उपयोग के हिसाब से और भी ज्यादा हो सकता है। कुछ विशेष केंद्रों में स्टोरेज क्षमता 100 मिलियन से लेकर 1 बिलियन गीगाबाइट तक भी हो सकती है। इस परियोजना से भारत को न केवल डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में मजबूती मिलेगी, बल्कि रोजगार, हरित ऊर्जा और तकनीकी नवाचार के क्षेत्र में भी बड़ा लाभ होने की उम्मीद है।

जुलाई में बजाज ने कुल 3.66 लाख यूनिट्स बेची

नई दिल्ली। जुलाई महीने में स्वदेशी कंपनी बजाज ने कुल 3.66 लाख यूनिट्स की बिक्री की, जिसमें टू-व्हीलर और कमर्शियल व्हीकल्स दोनों शामिल हैं। बजाज ऑटो ने जुलाई 2025 की अपनी बिक्री रिपोर्ट जारी कर दी है, जिसमें कंपनी को कुल 3प्रतिशत की सालाना वृद्धि देखने को मिली है। हालांकि, यह बढ़त पूरी तरह एक्सपोर्ट से आई है क्योंकि घरेलू बाजार में कंपनी की बिक्री में भारी गिरावट दर्ज की गई। टू-व्हीलर सेगमेंट की बात करें तो कंपनी ने इस कैटेगरी में कुल 2.96 लाख यूनिट्स बेचीं, जो लगभग पिछले साल के बराबर है। हालांकि, घरेलू बाजार में बिक्री 18प्रतिशत घटकर 1.39 लाख यूनिट्स पर आ गई, जबकि एक्सपोर्ट में 22प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह संख्या 1.57 लाख यूनिट्स तक पहुंच गई। यह साफ तौर पर दर्शाता है कि विदेशी बाजारों में कंपनी की पकड़ मजबूत होती जा रही है, जबकि घरेलू बिक्री दबाव में है। कमर्शियल व्हीकल सेगमेंट में कंपनी की स्थिति तुलनात्मक रूप से बेहतर रही। इस सेगमेंट में बजाज की कुल बिक्री 23प्रतिशत बढ़कर 69,753 यूनिट्स रही। घरेलू बाजार में बिक्री में 4प्रतिशत की मामूली वृद्धि हुई और कुल 43,864 यूनिट्स बिकीं।

बेहतर नतीजों के बाद भी आयशर मोटर्स के स्टॉक को अंडरवेट रेटिंग दी

मुंबई। आयशर मोटर्स के शेयरों में 4 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई, लेकिन इसके बावजूद ब्रोकरेज हाउस मॉर्गन स्टेनली ने कंपनी के टारगेट प्राइस में कटौती की है। मॉर्गन स्टेनली ने आयशर मोटर्स के शेयरों का टारगेट मूल्य घटाकर 4079 किया है, जो शुक्रवार की क्लोजिंग प्राइज से करीब 25 प्रतिशत कम है। रेटिंग एजेंसी मॉर्गन स्टेनली ने स्टॉक को अंडरवेट रेटिंग दी है, जिससे पता चलता है कि वे इसके भविष्य के प्रदर्शन को लेकर उत्साहित नहीं हैं। आयशर मोटर्स के जून तिमाही के नतीजे घोषित किए है। कंपनी का कुल नेट प्रॉफिट 1205 करोड़ रहा, जो सालाना आधार पर 9 प्रतिशत अधिक है। रेवेन्यू- सालाना आधार पर 15 प्रतिशत बढ़कर 5042 करोड़ हो गया है। ईबीआईटीडीए सालाना आधार पर 3 प्रतिशत बढ़कर 1203 करोड़ रहा है। शुक्रवार को आयशर मोटर्स का शेयर 5470 पर खुला और दिन के दौरान 4 प्रतिशत की तेजी के साथ 5669.85 पर बंद हुआ। हालांकि, बीएसई (बीएसई) पर यह 1.03 प्रतिशत की तेजी के साथ 5527 पर बंद हुआ। मॉर्गन स्टेनली द्वारा टारगेट प्राइस में कटौती, मजबूत तिमाही नतीजों और शेयर में उछाल के बावजूद, भविष्य में कंपनी के प्रदर्शन को लेकर कुछ चिंताएं दर्शाती है। निवेशक और बाजार विश्लेषक अब इस बात पर बारीकी से नजर रखने वाले हैं कि आयशर मोटर्स इन चिंताओं को कैसे संबोधित करती है और क्या मॉर्गन स्टेनली की भविष्यवाणी सही साबित होती है।

रुस-अमेरिका तनाव के बीच ब्रेंट क्रूड की कीमतें 80 से 82 डॉलर प्रति बैरल हो सकती हैं

-रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने रूस को यूक्रेन युद्ध खत्म करने की दी थी चेतावनी

मुंबई।

अमेरिका-रूस तनाव से कच्चे तेल की वैश्विक आपूर्ति में खतरा पैदा हो गया है जिससे ब्रेंट क्रूड की कीमतें 80 से 82 डॉलर प्रति बैरल के पर पहुंच सकती हैं। यह जानकारी मीडिया रिपोर्ट में शनिवार को विश्लेषकों ने दी। विश्लेषकों का मनना है ब्रेंट ऑयल के अक्टूबर फ्यूचर्स कॉन्ट्रैक्ट का शॉर्ट-टर्म टारगेट 72.07 डॉलर से बढ़कर 76 डॉलर हो गया है। 2025 के आखिर तक, ब्रेंट क्रूड की कीमत 80-82 डॉलर प्रति बैरल हो सकती है। नीचे की ओर समर्थन 69 डॉलर पर है। डब्ल्यूटीआई क्रूड ऑयल के सितंबर फ्यूचर्स कॉन्ट्रैक्ट, जो अभी 69.65 डॉलर पर है, का शॉर्ट-टर्म टारगेट 73 डॉलर है। 2025 के आखिर तक, डब्ल्यूटीआई क्रूड की कीमत 76-79 डॉलर तक पहुंच सकती है। नीचे की ओर समर्थन 65 डॉलर पर है।

रिपोर्ट के मुताबिक इस सप्ताह की शुरुआत में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने रूस को यूक्रेन युद्ध खत्म करने के लिए 10-12 दिन की समय दिया था। ऐसा न करने पर रूस के साथ व्यापार करने वाले देशों पर अतिरिक्त प्रतिबंध और सेकेंडरी टैरिफ लगाने की चेतावनी दी थी, जिससे तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं। ट्रंप ने पहले घोषणा की थी कि सेकेंडरी टैरिफ 500 फीसदी तक हो सकते हैं। रूस से कच्चे तेल के आयात पर निर्भर देशों को अब डिस्काउंटेड प्राइस और अमेरिका को निर्यात पर हाई टैरिफ के बीच संतुलन बनाना चाहिए।

वेंचुरा सिक्योरिटीज में कमोडिटीज और सीआरएम प्रमुख ने कहा कि इससे अतिरिक्त उत्पादन क्षमता में कमी और आपूर्ति में कमी के कारण तेल बाजार में बदलाव आ सकता है, जिससे 2026 तक बाजार में कच्चे तेल का सरप्लस कम हो जाएगा। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से रूस से भारत के कच्चे तेल के आयात में वृद्धि हुई है। युद्ध से पहले भारत की तेल खरीद में रूसी कच्चे तेल का हिस्सा केवल 0.2 फीसदी था, जो अब 35 से 40 फीसदी के बीच हो गया है, जिससे रूस भारत का शीर्ष तेल आपूर्तिकर्ता बन गया है।

उन्होंने कहा कि ट्रंप ने कहा है कि वह तेल की कीमतों में कमी देखना चाहते हैं, लेकिन अमेरिका से आपूर्ति में किसी भी बड़ी वृद्धि को बाजार तक पहुंचने में समय लगेगा। प्रूवन तेल भंडार का दोहन करने में श्रम, पूंजी और इन्फ्रास्ट्रक्चर की जरुरत होती है। उन्होंने आगे कहा कि इस आपूर्ति अंतर को पूरा करने के लिए सऊदी अरब और चुनिंदा ओपेक देशों से मिलने वाले समर्थन में भी कुछ समय लगेगा, जिसके परिणामस्वरूप निकट भविष्य में कीमतों में वृद्धि हो सकती है। तेल संतुलन पर इसका प्रभाव महत्वपूर्ण होगा और अगर ओपेक+ आपूर्ति में कोई और कटौती नहीं भी करता है, तो भी तेल की कमी बनी रहेगी।

6 अगस्त को मध्यम वर्ग को बड़ी राहत दे सकता हैं आरबीआई

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक 4 से 6 अगस्त, 2025 तक होने वाली है। बैठक के बाद 6 अगस्त को इसके फैसलों की घोषणा की जाएगी। बैठक में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद की जा रही है, जिससे आम लोगों, खासकर मध्यम वर्ग को बड़ी राहत मिल सकती है। रेपो रेट में कटौती से कर्ज सस्ता होगा।

अमेरिका द्वारा नए टैरिफ लगाने और वैश्विक अनिश्चितताओं के बढ़ने के बावजूद, भारतीय अर्थव्यवस्था में मुद्रास्फीति लक्ष्य से काफी नीचे बनी हुई है। साथ ही, दूसरी छमाही में विकास दर में मंदी के संकेत भी मिल रहे हैं। इन बातों को देखकर कई विशेषज्ञ मान रहे हैं कि आरबीआई के पास ब्याज दरों में कटौती की गुंजाइश है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की रिपोर्ट के अनुसार, आरबीआई आगामी एमपीसी बैठक में रेपो दर में 25 आधार अंकों (0.25प्रतिशत) की कटौती की घोषणा कर सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह कटौती, खासकर वित्त वर्ष 2026 में त्यौहारी सीजन के दौरान, कर्ज वृद्धि को बढ़ावा देकर जल्दी दिवाली ला सकती है। पिछले आंकड़े बताते हैं कि दिवाली से पहले रेपो दर में कटौती से त्यौहारी अवधि के दौरान ऋण वृद्धि में बढ़ोतरी होती है। इस मामले में शीर्ष अर्थशास्त्रियों ने नीतिगत दरों पर अपने विचार साझा किए। दो अर्थशास्त्री अगस्त की बैठक में

25 आधार अंकों की कटौती की उम्मीद कर रहे हैं। वे मुद्रास्फीति में भारी गिरावट और आर्थिक गति में मंदी को इसके कारण बताते हैं। वहीं एक अन्य रेटिंग एजेंसी की जानकार का मानना है कि आरबीआई इस बार दरों को बरकरार रखेगा, लेकिन नरम रुख अपनाएगा। वहीं दो अन्य भी वैश्विक अनिश्चितताओं और जल्दबाजी में कदम उठाने के जोखिम की ओर इशारा करते हुए कुछ समय के लिए दरों को स्थिर रखने के पक्ष में हैं।

हाल्डर वेंचर लिमिटेड ने बोनस शेयर जारी करने की घोषणा की

मुंबई। हाल्डर वेंचर लिमिटेड ने अपने शेयरधारकों के लिए पहली बार बोनस शेयर जारी करने की घोषणा की है। यह बोनस 2:1 के अनुपात में दिया जाएगा, जिसका मतलब है कि प्रत्येक मौजूदा शेयर के लिए शेयरधारकों को दो नए शेयर मिलने है। बोनस शेयर के लिए रिकॉर्ड डेट 1 सितंबर 2025 तय की गई है। इसका मतलब है कि इस तारीख तक जिन शेयरधारकों के पास हाल्डर वेंचर लिमिटेड के शेयर होते हैं, वे बोनस शेयर प्राप्त करने के हकदार है। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि यह रिकॉर्ड डेट सोमवार, 1 सितंबर 2025 को होगी। हाल्डर वेंचर लिमिटेड कृषि उत्पादों के क्षेत्र में काम करती है और 2 अगस्त 2025 को बीएसई (बीएसई) पर इसकी मार्केट कैप 325.57 करोड़ रुपये थी। शेयर की कीमत 1 अगस्त 2025 को यह बीएसई पर 785.25 रुपये पर बंद हुआ। पिछले दो हफ्तों में शेयर में 4 प्रतिशत से ज़्यादा की गिरावट देखी गई है। वहीं, पिछले एक साल में शेयर की कीमत में 2 प्रतिशत से ज़्यादा की कमी आई है। शेयर का 52-हफ्तों का उच्चतम स्तर 958 रुपये और न्यूनतम स्तर 470 रुपये रहा है। नए बोनस शेयर पूरी तरह से भुगतान किए गए होगा और उनका मूल्य 10 रुपये प्रति शेयर होगा। इन नए शेयरों को मौजूदा शेयरों के समान सभी अधिकार और दर्जा प्राप्त होगा। कंपनी ने इस बोनस इश्यू को शेयरधारकों की मंजूरी के लिए पोस्टल बैलट के माध्यम से प्रस्तुत किया है।

भारत ने अमेरिका से एनर्जी इंपोर्ट बढ़ाया,

दोनों देशों के बीच ट्रेड बैलेंस की कोशिश

-यह वाशिंगटन में पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच हुए समझौते का नतीजा

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दुनिया के देशों पर अमेरिकी प्रोडक्ट पर लगने वाले टैक्स को कम करने का दबाव डाल रहे हैं। साथ ही अमेरिकी उत्पादों के आयात को बढ़ाने की बात कह रहे हैं। कुछ दिनों पहले ही ट्रंप ने भारत के प्रोडक्ट पर 25 फीसदी तक अतिरिक्त टैरिफ लगाने का ऐलान किया था। इन सब के बीच भारत ने अमेरिका से एनर्जी इंपोर्ट को काफी बढ़ा दिया है। इस कदम को दोनों देशों के बीच ट्रेड बैलेंस की स्थिति बनाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक डोनाल्ड ट्रंप के जनवरी 2025 में अमेरिकी राष्ट्रपति पद पर वापसी के बाद भारत ने अमेरिका से ऊर्जा आयात में तेजी से इज़ाफा किया है। जनवरी से जून 2025 में भारत ने अमेरिका से कच्चे तेल का आयात 51 फीसदी बढ़ाया है, जो दोनों देशों के बीच उभरती ऊर्जा साझेदारी को दर्शाता है। सूत्रों की मानें तो यह बढ़त फरवरी 2025 में वाशिंगटन में पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच हुए समझौते का नतीजा है। इस समझौते के तहत भारत ने अमेरिकी ऊर्जा आयात को 15 अरब डॉलर से बढ़ाकर 25 अरब डॉलर करने की बात कही थी, साथ ही दोनों नेताओं ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 200 अरब डॉलर से बढ़ाकर 500 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया है।

वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में भारत का अमेरिका से कच्चे तेल का आयात 114 फीसदी बढ़कर 3.7 अरब डॉलर पहुंच गया, जो पिछले साल की समान अवधि में 1.73 अरब डॉलर था। जुलाई 2025 में यह रफ्तार और बढ़ी जब अमेरिका से कच्चे तेल का आयात जून की तुलना में 23 फीसदी ज्यादा रहा। इससे अमेरिका का हिस्सा भारत के कुल कच्चे तेल आयात में 3 फीसदी से बढ़कर 8 फीसदी हो गया है।

भारत ने अमेरिका से तरल प्राकृतिक गैस के आयात को भी बढ़ाया है। फाइनेंशियल ईयर 2024-25 में एलएनजी आयात 1.41 अरब डॉलर से बढ़कर 2.46 अरब डॉलर हो गया। आईसीआरए के वरिष्ठ उपाध्यक्ष के मुताबिक अमेरिकी एलएनजी की कीमत हेनरी हब बेंचमार्क पर आधारित होने के कारण अन्य स्रोतों की तुलना में ज्यादा कॉम्पिटिटिव है। साथ ही अमेरिका में कई नए एलएनजी प्रोजेक्ट शुरू हो रहे हैं, जिससे भारतीय कंपनियां लॉन्ग टर्म कॉन्ट्रैक्ट के लिए अमेरिका की ओर रुख कर रही हैं।

ट्रंप प्रशासन ने सत्ता संभालते ही एलएनजी निर्यात लाइसेंस पर बाइडेन सरकार द्वारा लगाई गई रोक को हटा दिया था। अमेरिकी ऊर्जा सूचना प्रशासन का अनुमान है कि 2028 तक अमेरिका की एलएनजी निर्यात क्षमता दोगुनी हो जाएगी।

मस्क की टेस्ला कंपनी को देना होगा 243 मिलियन डॉलर का मुआवजा

ऑटोपायलट कार हादसे का जूरी ने कंपनी को ठहराया जिम्मेदार

वॉशिंगटन।

फ्लोरिडा के मियामी कोर्ट ने एलन मस्क की टेस्ला को बड़ा झटका दिया है। कोर्ट ने ऑटोपायलट कार हादसे में 243 मिलियन डॉलर यानी करीब 2,100 करोड़ रुपए का मुआवजा देने का आदेश दिया है। यह मामला 2019 का है जब फ्लोरिडा के लार्गो में टेस्ला मॉडल एस सेडान ऑटोपायलट मोड में चलते हुए एक एसयूवी से जा टकराई। इस हादसे में 22 साल की युवती की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि उसका बॉयफ्रेंड गंभीर रूप से घायल हो गया था। इस मामले की सुनवाई चार साल तक चली। कोर्ट की जूरी ने जांच के बाद माना कि टेस्ला के ऑटोपायलट सिस्टम में खराबी थी और हादसे के लिए केवल ड्राइवर को जिम्मेदार नहीं माना जा सकता। हालांकि कंपनी ने कोर्ट में तर्क दिया कि ड्राइवर उस वक्त फोन इस्तेमाल कर रहा था, लेकिन कोर्ट ने यह दलील खारिज करते हुए कहा कि तकनीकी खामी भी इस हादसे की बड़ी वजह बताई।

बता दें 2019 में लार्गो शहर में टेस्ला की मॉडल एस सेडान ऑटोपायलट मोड में चल रही थी। गाड़ी ने अचानक सामने से आ रही एसयूवी को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और मौके पर ही उसमें सवार युवती की मौत हो गई, उसके बॉयफ्रेंड गंभीर रूप से घायल हो गया था। इस हादसे ने न सिर्फ टेस्ला की ऑटोपायलट तकनीक की सुरक्षा पर सवाल उठाए, बल्कि कंपनी पर सिस्टम की खामियों को छिपाने का भी आरोप लगाया था।

बता दें 2021 में पीड़ित परिवार ने टेस्ला के खिलाफ केस दर्ज किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि कंपनी ने ऑटोपायलट सिस्टम में मौजूद खराबी को छुपाया और इस हादसे से जुड़े डेटा व वीडियो फुटेज को भी नष्ट कर दिया। परिवार के वकीलों ने कोर्ट में कहा कि अगर टेस्ला ने अपनी तकनीक में खामी मानी होती तो हादसा रोका जा सकता था।

जेएसडब्ल्यू सीमेंट 7 अगस्त को आईपीओ करेगा पेश

साइज 4,000 करोड़ से घटाकर 3,600 करोड़ किया

नई दिल्ली।

सज्जन जिंदल द्वारा प्रवर्तित विविधीकृत जेएसडब्ल्यू समूह की इकाई जेएसडब्ल्यू सीमेंट 7 अगस्त को अपना 3,600 करोड़ रुपए का आईपीओ पेश करने के लिए तैयार कर रहा है। हालांकि, दस्तावेजों के हालिया मसौदे के मुताबिक इस आईपीओ का कुल आकार पहले प्रस्तावित 4,000 करोड़ रुपए तक के निर्गम से कम है।

शुक्रवार को दाखिल आरएचपी के मुताबिक आईपीओ 7 अगस्त को खुलेगा और 11 अगस्त को बंद हो जाएगा। बड़े निवेशक 6 अगस्त को बोली लगा सकेंगे। शुरुआती शेयर बिक्री में 1,600 करोड़ रुपए मूल्य के इक्विटी शेयरों का नया आईपीओ और निवेशक शेयरधारकों द्वारा 2,000 करोड़ रुपए तक के शेयरों की बिक्री पेशकश शामिल है। ओएफएस के एक हिस्से के रूप में, निजी इक्विटी दिग्गज अपोलो मैनेजमेंट, अपनी सहयोगी एपी एशिया अपॉर्च्युनिस्टिक होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड के जरिए 931.80 करोड़ रुपए मूल्य के शेयर बेचेगी। सिनर्जी मेटल्स इन्वेस्टमेंट्स होल्डिंग लिमिटेड 938.50 करोड़ रुपए मूल्य के शेयर बेचेगी और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) 129.70 करोड़ रुपए मूल्य के शेयरों का विनिवेश करेगा।

मसौदा दस्तावेजों के मुताबिक कंपनी 800 करोड़ रुपए की राशि का उपयोग राजस्थान के नागौर में एक नई एकीकृत सीमेंट इकाई के आंशिक वित्तपोषण के लिए और 520 करोड़ रुपए बकाया ऋणों के पूर्व भुगतान या पुनर्भुगतान के लिए करेगी। शेष राशि का इस्तेमाल सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। मुंबई स्थित इस कंपनी ने पहले 4,000 करोड़ रुपए जुटाने की योजना बनाई थी। नवीनतम दस्तावेजों के मताबिक नए आईपीओ से पूंजी जुटाने की राशि में 400 करोड़ रुपए की कटौती की गई है।

मल्टीबैगर स्टॉक पांच हिस्सों में करेगी शेयरों का बंटवारा

-10 रुपए के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर 30 रुपए का डिविडेंड

नई दिल्ली।

पिछले एक साल के दौरान कुछ कंपनियों ने निवेशकों को मोटा रिटर्न दिया। उसमें मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज लिमिटेड भी एक है। अब इस मल्टीबैगर स्टॉक के शेयरों का बंटवारा करने जा रही है। एमसीएक्स ने एक्सचेंज को दी जानकारी में कहा है कि 10 रुपए के फेस वैल्यू वाले एक शेयर को पांच हिस्सों में बांटा जाएगा। इस स्टॉक स्प्लिट के बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू घटकर 2 रुपए प्रति शेयर हो जाएगी।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज लिमिटेड के शेयर इस महीने एक्स-डिविडेंड भी ट्रेड करेंगे। कंपनी ने कहा है कि 10 रुपए के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर 30 रुपए का डिविडेंड दिया जाएगा। इस डिविडेंड के लिए एमसीएक्स ने 8 अगस्त की तारीख तय की है।

बीते 3 महीने के दौरान इस डिविडेंड स्टॉक की कीमतों में 23 फीसदी का उछाल आया। वहीं, 1 साल से एमसीएक्स के शेयरों को होल्ड करने वाले निवेशकों का पोर्टफोलियो 73 फीसदी बढ़ा है।

बता दें शुक्रवार को बाजार के बंद होने के समय पर इस मल्टीबैगर स्टॉक का भाव 1.31 फीसदी की गिरावट के बाद 7594.35 रुपए था। बता दें बीते एक महीने के दौरान इस स्टॉक में मुनाफावसूली जमकर देखने को मिली है। इस दौरान कंपनी के शेयरों का भाव 16 फीसदी गिरा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इंग्लैंड की धरती पर टीम इंडिया ने कर दिया कमाल, पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में बने कुल 3809 रन

लंदन (एजेंसी)। मौजूदा समय में भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जा रही है। इसके तहत अबतक दोनों टीमों के बीच चार टेस्ट मैच खेले जा चुके हैं। जहां मेजबान इंग्लैंड 2-1 से आगे चल रही है। ऐसे में भारतीय टीम को किसी भी हाल में पांचवां और आखिरी टेस्ट जीतकर सीरीज को 2-2 से बराबर करना होगा। हालांकि, इस सीरीज में अभी तक खूब रन बने हैं। जो की अपने आप में एक बड़ा रिकॉर्ड है।

दरअसल, पांच मैचों की इस टेस्ट सीरीज में भारत ने कुल 3,890 रन बनाए हैं। इनमें सबसे बड़ा योगदान कप्तान शुबमन गिल का है। जिन्होंने सीरीज में 754 रन बनाए। वहीं अन्य बल्लेबाजों ने भी अपना बेहतरीन प्रदर्शन दिखाया है।

इस सीरीज में भारत ने कुल 3809 रन बनाए हैं। किसी पारी में भारतीय टीम का सबसे बड़ा स्कोर बर्मिंघम में आया जब उसने 587 रनों का पहाड़ खड़ा किया। इसी विशाल स्कोर के कारण टीम इंडिया को बर्मिंघम टेस्ट में एकमात्र 336 रनों से जीत हासिल हुई।

टीम इंडिया ने लीड्स में खेले गए पहले टेस्ट की दोनों पारियों में कुल 835 रन बनाए। वहीं बर्मिंघम में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में भारतीय टीम ने कुल 1,014 रन बना डाले। तीसरे टेस्ट की दोनों पारियों में कुल मिलाकर 557 रन और चौथे टेस्ट में भारतीय बल्लेबाजों ने 783 रन बनाए। ओवल टेस्ट में भारत ने 620 रन बनाए। जिसके बलबूते पूरी टीम ने पूरी सीरीज में 3,809 रन बनाए।

हालांकि, इस उपलब्धि में किसी एक खिलाड़ी का नाम लेना न्यायपूर्ण नहीं होगा। जहां सबसे ज्यादा रन कप्तान शुभमन गिल ने बनाए। जिनके बल्ले से 754 रन निकले। इस दौरान गिल ने 4 शतक भी लगाए। दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी केएल राहुल रहे, जिन्होंने 2 शतकों की बदौलत 532 रन बनाए। रविंद्र जडेजा ने भी अपनी बल्लेबाजी से सभी को काफी प्रभावित किया। 5 अर्धशतक और एक सेंचुरी ठोककर उन्होंने 516 रन बनाए। साथ ही चोट के कारण पांचवें टेस्ट से बाहर होने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने 479 रनों का योगदान दिया।

बीसीसीआई उम्र-धोखाधड़ी के मामलों को रोकने बाहरी एजेंसी को नियुक्त करेगी

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) उम्र-धोखाधड़ी के मामलों को रोकने के लिए अब कड़े कदम उठाने जा रही है। इसी के तहत ही खिलाड़ियों की योग्यताओं के सत्यापन के लिए एक बाहरी एजेंसी नियुक्त की जाएगी। बोर्ड के अनुसार आयु-धोखाधड़ी और खिलाड़ियों की योग्यताओं की जांच के लिए एक बाहरी एजेंसी नियुक्ति की जा रही है। हाल ही में सत्यापन सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिष्ठित संस्थाओं से बोलियां भी मांगी गयी थीं। इस माह के अंत तक नई एजेंसी नियुक्त किये जाने की उम्मीद है। खिलाड़ियों द्वारा प्रस्तुत किए गए दस्तावेज या प्रमाण पत्र संदिग्ध पाए जाने के मामले को बीसीसीआई ने गंभीरता से लिया है। बोर्ड का उद्देश्य किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी की संभावना को समाप्त करना है। बोर्ड अभी दो-स्तरीय आयु-सत्यापन प्रणाली अपनाता है। पहले में दस्तावेजों और जन्म प्रमाण पत्रों की जांच शामिल है जबकि दूसरा अस्थि परीक्षण है, जिसे आमतौर पर टीडब्ल्यू3 (टैनर-व्हाइटहाउस 3) पद्धति के रूप में जाना जाता है। ये सत्यापन आमतौर पर लड़कों के लिए अंडर-16 स्तर पर और लड़कियों के लिए अंडर-15 स्तर पर किए जाते हैं।

बोर्ड ने बोली लगाने वाली संस्थाओं से अपेक्षित आवश्यकताओं की रूपरेखा बनायी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बोली लगाने वाली एजेंसियों के पास प्रतिष्ठित फर्मों को पृष्ठभूमि सत्यापन सेवाएं प्रदान करने का कम से कम तीन वर्ष का अनुभव होना चाहिए। इनमें कॉर्पोरेट कंपनियां शैक्षणिक बोर्ड/संस्थान और भर्ती निकाय शामिल हैं पर यह इन्हीं तक सीमित नहीं हैं। इसके अलावा एजेंसी के पास एक राष्ट्रव्यापी नेटवर्क या सभी भारतीय राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में भौतिक और डिजिटल दोनों तरह से सत्यापन करने की क्षमता होनी चाहिए। बोर्ड आम तौर पर जुलाई और अगस्त में उम्र का सत्यापन करता है। इस वर्ष यह प्रक्रिया सितंबर तक भी बढ़ सकती है क्योंकि एजेंसी के इस महीने के अंत तक काम शुरू करने की उम्मीद है।

धोनी बोले, अगले आईपीएल सत्र में ऋतुराज गायकवाड़ ही रहेंगे कप्तान

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने कहा है कि वह अगले सत्र में भी ऋतुराज गायकवाड़ की कप्तानी में ही खेलेंगे। 2025 सत्र में ऋतुराज के चोटिल होने के बाद धोनी ने कप्तानी की थी। धोनी को चेन्नई सुपर किंग्स ने आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी से पहले 4 करोड़ रुपये में रिटेन किया था। इस सत्र में उन्होंने 14 लीग मैच खेले और 196 रन बनाए। गायकवाड़ के चोटिल होने के बाद उन्होंने टीम की कप्तानी भी की पर टीम की तकदीर नहीं बदली और वह अंतिम स्थान पर रही।

आईपीएल 2025 में सीएसके के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद कई प्रशंसकों और पूर्व क्रिकेटरों का मानना था कि धोनी अब अगले आईपीएल में नहीं खेलेंगे। वहीं सीएसके ने भी कहा कि धोनी जब तक चाहेंगे खेलते रहेंगे। धोनी के आईपीएल में खेलने को लेकर संशय बना हुआ है। एक वीडियो में जब उनसे उनके क्रिकेट भविष्य के बारे में पूछा गया, तो धोनी ने कहा, 'मुझे अगले पांच साल के लिए क्रिकेट खेलने की अनुमति मिल गई है पर डॉक्टर ने केवल आंखों के लिए अनुमति दी है. शरीर के लिए नहीं और मैं केवल आंखों से क्रिकेट नहीं खेल सकता।' इससे साफ है कि वह कभी भी संन्यास ले सकते हैं।

धोनी ने कहा कि ऋतुराज की वापसी से सीएसके की बल्लेबाजी अगले आईपीएल सत्र में मजबूत होगी। धोनी ने एक निजी कार्यक्रम में कहा, 'हम अपनी बल्लेबाजी क्रम को लेकर थोड़ा चिंतित थे पर मुझे लगता है कि अब हमारी बल्लेबाजी क्रम काफी ठीक हुआ है। गायकवाड़ वापस आ रहे हैं, इससे काफी कुछ ठीक हो जाएगा।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं यह नहीं कहूंगा कि हमने आईपीएल 2025 में कमजोर खेला पर टीम चयन में कुछ गलतियां थीं जिन्हें हमें ठीक करने की जरूरत थी जिसे अब दिसंबर में एक छोटी नीलामी में ठीक किया जाएगा।'

जेसन होल्डर की मदद से वेस्टइंडीज की पाकिस्तान पर रोमांचक जीत, सीरीज में बराबरी की

लॉडरहिल (अमेरिका) (एजेंसी)। जेसन होल्डर ने चार विकेट लिए और फिर मैच की अंतिम गेंद पर चौका जड़ा जिससे वेस्टइंडीज ने कुछ विषम पलों से गुजरते हुए दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में पाकिस्तान को 2 विकेट से हराकर तीन मैच की श्रृंखला 1-1 से बराबर की।

अनुभवी ऑलराउंडर होल्डर ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 19 रन देकर चार विकेट लिए और पहले बल्लेबाजी करने के लिए उतरे पाकिस्तान को 9 विकेट पर 133 रन पर रोकने में अहम भूमिका निभाई। पाकिस्तान के केवल तीन बल्लेबाज

हसन नवाज (40), कप्तान सलमान आगा (38) और फखर जमा (20) ही दोहरे अंक में पहुंच पाए।

वेस्टइंडीज की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही और एक समय उसका स्कोर 5 विकेट पर 70 रन था, लेकिन गुडाकेश मोती (28) और रोमारियो शेफर्ड (15) ने उसे मुकाबले में बनाए रखा। वेस्टइंडीज को जीत के लिए अंतिम गेंद पर तीन रन की जरूरत थी। होल्डर ने पाकिस्तान के प्रमुख तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी की गेंद को चार रन के लिए भेजकर वेस्टइंडीज का स्कोर आठ विकेट पर 135 रन पर पहुंचाया। होल्डर ने 10 गेंद पर नाबाद 16 रन बनाए। पाकिस्तान की तरफ से मोहम्मद नवाज ने तीन और सैम अयूब ने दो विकेट लिए। यह वेस्टइंडीज की सात टी20 मैचों में पहली जीत है। उसे पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया ने पांच मैच की श्रृंखला में 5-0 से हराया था।

गावस्कर ने शुभमन को दिया उपहारों से भरा बैग

ओवल। महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने इंग्लैंड दौरे पर शानदार प्रदर्शन के लिए भारतीय क्रिकेट टीम के नए टेस्ट कप्तान शुभमन गिल की प्रशंसा करते हुए उन्हें एक बैग भरकर उपहार दिये हैं। शुभमन ने इस दौरे पर 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में 750 से ज्यादा रन बनाये हैं। वह हालांकि गावस्कर के एक सीरीज में बनाए सबसे ज्यादा 774 रनों का रिकॉर्ड नहीं तोड़ पाये हैं। ओवल टेस्ट के तीसरे दिन का खेल समाप्त होने पर गावस्कर ने शुभमन को चीजों से भरा एक खास बैग उपहार में दिया। गावस्कर ने उन्हें अपनी एक शर्ट दी जिसमें एसजी के अक्षर थे। इसके अलावा ऑटोग्राफ वाली एक कैप भी दी। गावस्कर और शुभमन दोनों के ही शुरुआती नाम के अक्षर एसजी होते हैं। शुभमन ने इस सीरीज में चार शतक के साथ ही 10 पारियों में 754 रन बनाए हैं। वह गावस्कर के रिकॉर्ड को केवल 20 रनों से नहीं तोड़ पाये। गौरतलब है कि गावसकर ने साल 1970-71 में वेस्टइंडीज दौरे पर 154.80 की औसत से 774 रन बनाए थे। गावस्कर ने शुभमन से कहा कि अब वह अगली सीरीज में मेरा रिकार्ड तोड़ने का लक्ष्य रखें। गावस्कर ने कहा, 'बहुत अच्छा प्रदर्शन किया, मैंने आपके लिए एक उपहार ये सोचकर तैयार किया था कि आप मुझे पीछे छोड़ देंगे पर इस बार नहीं होने पर आपके पास अगली सीरीज में लक्ष्य है। यह एक छोटा सा उपहार आपके लिए हैं। यह 'एसजी' अक्षरों वाली शर्ट है जो किसी ने मेरे लिए बनायी थी जिसे अब मैं आपको दे रहा हूँ। इसके साथ ही मेरे ऑटोग्राफ वाली एक कैप भी है।'

कुलदीप और अभिमन्यु ने बिना खेले ही मोटी कमाई की

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टीम के साथ इंग्लैंड दौरे पर गये दो क्रिकेटरों कुलदीप यादव और अभिमन्यु ईश्वरन को एक भी मैच में अवसर नहीं मिला। ऐसे में ये दोनो ही बिना खेले स्वदेश लौट जाएंगे। टीम संयोजन और संतुलन रखने की जरुरत के कारण कुलदीप और अभिमन्यु को भले ही अवसर नहीं मिला पर इनकी अच्छी खासी कमाई होती रही है। दोनो ने ही इस दौरे से तकरीबन एक करोड़ रुपये कमा लिए हैं। प्रत्येक सत्र में 50-75 फीसदी टेस्ट मैचों की अंतिम 11 में खेलने वाले खिलाड़ियों को 15 लाख मैच फीस के साथ प्रति मैच 30 लाख रुपये अलग से दिए जाते हैं। वहीं जो खिलाड़ी फीसदी मैचों में दल का हिस्सा तो रहता है पर उसे अंतिम ग्यारह में अवसर नहीं मिलता तो भी उसे हर एक मैच के लिए अलग से 15 लाख रुपये मिलते हैं। इस प्रकार कुलदीप और ईश्वरन को इंग्लैंड दौरे पर बिना खेले ही तकरीबन एक-एक करोड़ रुपए मिले हैं। वहीं साल 2024 में बीसीसीआई ने 'टेस्ट क्रिकेट इन्सेंटिव स्कीम' लॉन्च की थी, जिसके जरिए भारत में टेस्ट क्रिकेट को बढ़ावा देने का प्रयास किया गया था। इस स्कीम के तहत टेस्ट क्रिकेट खेलने वाले खिलाड़ी एक साल में अच्छी कमाई कर सकते हैं। एक टेस्ट मैच खेलने के लिए भारतीय खिलाड़ियों को 15 लाख रुपये की मैच फीस मिलती है, लेकिन 'टेस्ट क्रिकेट इन्सेंटिव स्कीम' के तहत वो मैच फीस के अलावा ज्यादा पैसा कमा सकते हैं। बीसीसीआई की साल 2024 में लागू की गई 'टेस्ट क्रिकेट इन्सेंटिव स्कीम' के तहत जो खिलाड़ी एक सत्र में खेले गए 75 फीसदी या उससे ज्यादा मैचों की अंतिम ग्याह में खेलता है, उसे मैच फीस के अलावा प्रति मैच 45 लाख रुपये अलग से दिए जाते हैं। वहीं 75 फीसदी मैचों में दल में रहने के बाद भी अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिलने पर भी खिलाड़ी को अलग से मैच फीस के अलावा प्रति मैच 22.5 लाख रुपये दिए जाते हैं।

आकाश दीप परिपक्व बल्लेबाज की तरह खेले : बांगर

लंदन। पूर्व क्रिकेटर संजय बांगर ने तेज गेंदबाज आकाश दीप की बल्लेबाजी की प्रशंसा की है। आकाशदीप ने इंग्लैंड के खिलाफ यहां जारी पांचवें टेस्ट मैच की दूसरी पारी में 66 रन बनाये। अपनी इस पारी में आकाशदीप ने 12 चौके लगाकर तीसरे विकेट के लिए 107 रन बनाये। इससे भारतीय टीम बड़ा स्कोर बनाने में सफल रही। बांगर ने कहा, आकाश दीप ने बेथेल के खिलाफ पहले ही ओवर में अवसरों का लाभ उठाया। दस दौरान वह एक परिपक्व बल्लेबाज की तरह संभल कर खेल रहे थे। इससे साफ है कि वह बल्लेबाजी करने में सक्षम हैं। और ब्रिस्बेन टेस्ट मैच में भारत को फॉलोऑन से बचाने में उनकी अहम भूमिका रही थी। उन्होंने बहुत साहस से खेला और शॉर्ट गेंदों से वह प्रभावित नहीं हुए। उन्होंने कहा, उन्होंने अवसरों का पूरा लाभ उठाया। बल्लेबाजी के दौरान उन्होंने संभलकर खेलते हुए विकेटों के बीच अच्छी दौड़ लगायी। यशस्वी जायसवाल का भी उस साझेदारी में महत्वपूर्ण योगदान रहा। उन्होंने पक्का किया कि आकाशदीप अपने जोन में बने रहें और दोनों ने मिलकर बड़ी साझेदारी की। भारतीय टीम इस मैच में अपनी पहली पारी में 224 रन ही बना पायी जबकि मेजबान टीम ने 247 रन बनाये थे। वहीं दूसरी पारी में सलामी बल्लेबाज यशस्वी ने 118 रन बनाए जबकि आकाश दीप के अलावा रवींद्र जडेजा और वाशिंगनट सुंदर ने अर्धशतक लगाये। इससे भारतीय टीम ने ने 396 रन बनाते हुए इंग्लैंड को जीत के लिए 374 रनों का लक्ष्य दिया।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड का बड़ा फैसला, भविष्य में डब्ल्यूसीएल में नहीं लेगा हिस्सा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने घोषणा की है कि वह वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) में भविष्य में भागीदारी पर पूर्ण प्रतिबंध लगा रहा है। पाकिस्तान क्रिकेट की शासी संस्था के अनुसार, इंडिया लीजेंड्स द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ सेमीफाइनल से हटने के फैसले के बाद डब्ल्यूसीएल का बयान और कार्रवाई 'पाखंड और पक्षपात से भरी' थी।

मोहसिन नकवी की अध्यक्षता में वर्चुअल रूप से आयोजित बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की 79वीं बैठक में पीसीबी ने डब्ल्यूसीएलद्वारा जानबूझकर मैच हारने वाली टीम को अंक देने के घृणित आचरण और भारत बनाम पाकिस्तान

लीजेंड्स मैचों को रद्द करने की घोषणा करने वाली डब्ल्यूसीएल की प्रेस विज्ञप्तियों की विषयवस्तु की काफी निराशा के साथ समीक्षा की, जो पाखंड और पक्षपात से भरी थीं।

पीसीबी के बयान में कहा गया है, 'उक्त प्रेस विज्ञप्तियों की विषयवस्तु लड़ाई को उजागर करती है जहां 'खेल के माध्यम से शांति' के आख्यान को चुनिंदा रूप से लागू किया जाता है और खेल आयोजनों को राजनीतिक स्वार्थ और संकीर्ण व्यावसायिक हितों का बंधक बना दिया जाता है। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम को देखते हुए जो बाहरी प्रभाव के स्पष्ट और असहनीय पैटर्न और खेल तटस्थता के सिद्धांतों की अवहेलना को दर्शाता है, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड कड़ा रुख अपनाने के लिए बाध्य है। पीसीबी अब ऐसे आयोजन में भागीदारी को बर्दाश्त नहीं कर सकता जहां निष्पक्ष खेल और निष्पक्ष प्रशासन के मूल सिद्धांतों को बाहरी दबावों के कारण नुकसान पहुंचाया जा रहा हो।'

शिखर धवन सहित कई भारतीय खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट के लीग चरण में बर्मिंघम में पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से इनकार कर दिया था। दोनों टीमों के बीच सेमीफाइनल में फिर से मुकाबला होना तय था, लेकिन टीम इंडिया ने मैच से हटने का फैसला किया।

कैनेडियन ओपन : नंबर 1 सीड गॉफ को हराकर क्वार्टर फाइनल में म्बोको

टोरंटो। विक्टोरिया म्बोको ने रविवार को ओम्नियम बैंक नेशनल में नंबर 1 सीड कोको गॉफ को 6-1, 6-4 से शिकस्त देकर क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। क्वार्टरफाइनल मुकाबला सोमवार को खेला जाना है। विक्टोरिया म्बोको पिछले तीन वर्षों में टॉप आठ में पहुंचने वाली सबसे युवा महिला खिलाड़ी बनी हैं। इससे पहले गॉफ के नाम यह उपलब्धि थी। म्बोको ओपन एरा में कैनेडियन ओपन में टॉप सीड को हराने वाली दूसरी 'वाइल्ड कार्ड' खिलाड़ी हैं। इससे पहले स्टेफनी डुबोइस ने 2006 में किम क्लाइजर्स के खिलाफ ऐसा किया था। 2009 में इस प्रारूप की शुरुआत के बाद से वह डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट में शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को हराने वाली पांचवीं सबसे युवा खिलाड़ी हैं। उनसे छोटी उम्र में यह कारनामा करने वाली खिलाड़ी केवल गॉफ (रोम 2021), मिर्रा एंड्रीवा (इंडियन वेल्स 2025), बेलिंडा बेंचिच (टोरंटो 2015) और काई चेन चांग (टोक्यो 2009) हैं। डब्ल्यूटीए के अनुसार, म्बोको 1987 में हेलेन केलेसी के बाद 'कैनेडियन ओपन' में सबसे युवा कनाडाई क्वार्टर फाइनलिस्ट भी हैं। म्बोको ने इस सीजन की शुरुआत पीआईएफ डब्ल्यूटीए रैंकिंग में नंबर 333 से की थी। इस टूर्नामेंट में वह नंबर 85 रैंकिंग के साथ उतरीं, लेकिन कोको गॉफ पर मिली बड़ी जीत के बाद अब वह लाइव रैंकिंग में नंबर 53 पर पहुंच गई हैं। अगर वह एक और मुकाबला जीतती हैं, तो उनकी रैंकिंग सीधे नंबर 24 हो जाएगी। उनकी यह शानदार यात्रा लगातार 20 जीत और चार खिताब के साथ छोटे स्तर के टूर्नामेंट्स से शुरू हुई। रोम में खेले गए दूसरे डब्ल्यूटीए टूर इवेंट में उन्होंने क्वालीफाई किया और वहीं कोको गॉफ को दूसरे दौर में तीन सेट तक चुनौती दी। रविवार को खेले गए मुकाबले में म्बोको ने जबरदस्त संयम दिखाते हुए अपने खिलाफ आए सभी पांच ब्रेक प्वाइंट बचा लिए, जबकि गॉफ के खिलाफ पांच में से चार ब्रेक प्वाइंट को भुनाया। यही इस मुकाबले का टर्निंग प्वाइंट साबित हुआ। म्बोको ने जबरदस्त आत्मविश्वास दिखाते हुए अपने खिलाफ सभी पांच ब्रेक प्वाइंट बचाए, जबकि गॉफ के खिलाफ मिले पांच में से चार ब्रेक प्वाइंट को भुनाया। यही इस मैच का निर्णायक पहलू था। म्बोको सोमवार को क्वार्टर फाइनल में झू लिन और जेसिका बूजास मानेरो के बीच होने वाले मैच की विजेता से भिड़ेंगी। दूसरे क्वार्टर फाइनल में 24वीं वरीयता प्राप्त मार्टा कोस्तयुक का मुकाबला तीसरी वरीयता प्राप्त एलेना रयबाकिना से होगा। कोस्तयुक ने नंबर 28 मैकार्टनी केसलर को एक लंबे मुकाबले में 5-7, 6-3, 6-3 से हराया, जो 2 घंटे 35 मिनट चला। रयबाकिना ने इसी तरह के एक मैच में 30वीं वरीयता प्राप्त दयाना यास्त्रेम्स्का को 5-7, 6-2, 7-5 से हराया।

मार्केज की जगह कोच बने खालिद की पहली परीक्षा नेशंप कप फुटबॉल में होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मनोलो मार्केज की जगह पर भारतीय फुटबॉल टीम के नये कोच बने पूर्व फुटबॉलर खालिद जमील की राह आसान नहीं है। उनकी पहली परीक्षा नेशंप कप फुटबॉल में होगी। जिसमें भारतीय फुटबॉल टीम के प्रदर्शन पर सभी की नजरें रहेंगी। पिछले कुछ समय में कोई भी कोच टिक नहीं पाया है। मार्केज ने भारतीय टीम के खराब प्रदर्शन के बाद अचानक ही अपना पद छोड़ दिया था। खालिद अभी इंडियन सुपर लीग की टीम जमशेदपुर एफसी

के मैनेजर हैं। नये कोच के लिए सबसे बड़ी परीक्षा नेशंस कप है। जिसमें वह चाहेंगे कि टीम अच्छा प्रदर्शन करे। पिछले कुछ समय में टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है और लंबे समय तक किसी एक कोच के नहीं होने से भी टीम को नुकसान हुआ है। अब देखना है कि खालिद इस कमी को कैसे पूरा करते हैं।

खालिद की साल 2017 में आइजॉल फुटबॉल क्लब को आई-लीग खिताब जिताने में महत्वपूर्ण भूमिका रही भी। उनका चयन अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ की कार्यकारी समिति ने किया है। इस पद के लिए अन्य दो दावेदार पूर्व मुख्य कोच स्टीफन कॉन्स्टेंटाइन और स्टीफन टारकोविक थे। टारकोविक स्लोवाकिया की राष्ट्रीय टीम के कोच थे। दिग्गज स्ट्राइकर आईएम विजयन की अध्यक्षता वाली एआईएफएफ की तकनीकी समिति ने कार्यकारी समिति के अंतिम फैसले के लिए तीन उम्मीदवारों को चुना था। राष्ट्रीय पुरुष टीम के मुख्य कोच के रूप में सेवा देने वाले अंतिम भारतीय सावियो मेडेइरा थे, जिन्होंने 2011 से 2012 तक ये पद संभाला था। उसके बाद अब जमील को ये जिम्मेदारी दी गयी है। वहीं बीच के दौर में सभी विदेशी कोच रहे थे।

इस खेल में निरंतरता के साथ प्रदर्शन करना बेहद जरूरी है : जायसवाल

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ ओवल टेस्ट की दूसरी पारी में 118 रनों की पारी खेलकर भारत को एक मजबूत स्थिति में पहुंचाने वाले युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने कहा कि वह अपनी पारी को और बड़ा करना चाहते थे लेकिन अंत में वह अपने प्रदर्शन से संतुष्ट हैं।

जायसवाल ने कहा, 'मैं और बेहतर करना चाहता था, मैं इससे बड़ी पारी खेलना चाहता था। अगर ऐसा होता तो मैं कुछ और भी हासिल कर सकता था। लेकिन ठीक है, मैंने इसके लिए काफी मेहनत की थी और मैं इसका लुत्फ उठा रहा हूं। जब मैं बल्लेबाजी करने जाता हूं तो मेरी कोशिश यही रहती है कि जितना संभव हो सके उतनी देर बल्लेबाजी कर सकूं और मैं अपनी बल्लेबाजी का लुत्फ उठा रहा हूं।'

जायसवाल ने दो शतक और दो अर्धशतक के साथ इस सीरीज में कुल 411 रन बनाए। ओवल में लगाया जायसवाल का शतक इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में उनका चौथा शतक भी है। जायसवाल ने कहा कि सीनियर खिलाड़ियों और कोच से उन्हें यही फीडबैक मिला था कि वह लगातार मेहनत करते रहें और उन्होंने कहा कि वह खुद भी यह मानते हैं कि इस खेल में निरंतरता के साथ प्रदर्शन करना बेहद जरूरी है।

जायसवाल ने कहा, 'फीडबैक यही है कि लगातार मेहनत करते रहना है और जैसा कि हम सभी करते हैं। हम अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करते हैं और हर दिन बेहतर करने का प्रयास करते हैं। मेरा मानना है कि क्रिकेट निरंतरता का खेल है तो हम यह सुनिश्चित करने का पूरा प्रयास करते हैं कि हम अभ्यास सत्रों में कड़ी मेहनत करें। ताकि जब हम मैदान में उतरें तो खेल हमारे लिए आसान हो जाए। हम काफी मेहनत कर रहे थे। हमें पता है कि हम कैसे शॉट्स खेल सकते हैं और मुझे लगता है कि एक ही चीज को लगातार निरंतरता से करता रहना बेहद जरूरी है।'

जायसवाल का यह पहला इंग्लैंड दौरा भी था और उन्होंने कहा कि इस दौरे से उन्हें बतौर खिलाड़ी काफी कुछ सीखने को मिला है जिन्हें शब्दों में बयां कर पाना मुश्किल है। जायसवाल ने कहा, 'मुझे लगता है कि जरूरी यह है कि मैं कैसे चीजों से लड़ता हूं। मेरी मानसिकता यही रहती है कि जैसी भी परिस्थिति सामने हो उनसे लड़ूं और खेल का लुत्फ उठाऊं। मैं अपने आप को यही समझाता हूं कि अंत में यह एक खेल है और इसका लुत्फ उठाना जरूरी है। इस दौरे से मैंने काफी कुछ सीखा है, मैं हर चीज तो नहीं बता सकता लेकिन मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक तौर पर इस सीरीज में मैंने काफी कुछ सीखा है और जिस तरह से मैंने और पूरी टीम ने पिछले दो महीने से मेहनत की है और इंग्लैंड सीरीज का लुत्फ लिया है वो काबिले तारीफ है।'

भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने चर्चा भी जायसवाल के काफी काम आई और बाएं हाथ के बल्लेबाज ने कहा कि गंभीर ने उनके साथ नेट्स पर मिलकर काफी काम भी किया था। जायसवाल ने कहा,''हमारे बीच काफी चर्चा हुई है और हमने मिलकर नेट्स में काफी काम किया है। विशेष तौर पर इस पर कि मैं कैसे रणनीति को मैदान पर अमली-जामा पहना सकता हूं और खेल का लुत्फ उठा सकता हूं। कैसे गेंदबाज पर दबाव बना सकता हूं। सर (गंभीर) काफी मदद करते हैं और मैं लुत्फ उठा रहा हूं।'

पाक टीम में कोई विवाद नहीं : कोच हेसन

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) और टीम के मुख्य कोच माइक हेसन ने कहा है कि टीम में किसी प्रकार का विवाद नहीं है। इससे पहले कप्तान सलमान अली और तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी के बीच बढ़ते मतभेदों की बातें सामने आयी थीं। जिसको देखते हुए अब हेसन का बयान आया है। बोर्ड ने कहा कि टीम में किसी प्रकार का विवाद नहीं है और इस प्रकार की जो भी बातें सामने आ रही है वह निराधार है। इससे पहले एक पोस्ट सोशल मीडिया सामने आई थी जिसमें दावा किया गया था कि कोच हेसन और कप्तान सलमान ने शाहीन अफरीदी के व्यवहार पर नाराजगी जताते हुए इसकी शिकायत पीसीबी से भी की थी पर बोर्ड ने इस मामले को खारिज कर दिया। वहीं अब पीसीबी ने अपनी ओर से सफाई देते हुए कहा कि शाहीन और सलमान व कोचिंग स्टाफ के बीच विवाद की जो भी बातें कही जा रही हैं वे सही नहीं हैं। पीसीबी सोशल मीडिया आ रही इन आधारहीन बातों को खारिज करता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रुद्राक्ष के 1 छोटे से उपाय से दूर कर सकते हैं कुंडली के दोष

रुद्राक्ष को हमारे शास्त्रों ने अत्यंत पवित्र माना है। किंवदती है कि रुद्राक्ष भगवान शिव की आंख का अश्रु है। रुद्राक्ष एक से लेकर चौदह मुखी तक पाए जाते हैं। एक मुखी रुद्राक्ष अत्यंत दुर्लभ होने के साथ-साथ साक्षात भगवान शिव का प्रत्यक्ष रूप माना जाता है। अत- उचित रुद्राक्ष धारण कर जन्मपत्रिका में बने अशुभ योगों के दुष्प्रभाव में कम कर लाभ प्राप्त किया जा सकता है। आइए जानते हैं कि जन्मपत्रिका के किस दोष के लिए कौन सा रुद्राक्ष धारण किया जाना श्रेयस्कर रहेगा-

- मांगलिक योग- मांगलिक योग की शांति के लिए 11 मुखी रुद्राक्ष धारण करना लाभप्रद रहता है।
- ग्रहण योग- ग्रहण योग की शांति के लिए 2 एवं 8 मुखी रुद्राक्ष का लॉकेट धारण करना लाभप्रद रहता है।
- केमद्रुम योग- केमद्रुम योग की शांति के लिए 13 मुखी रुद्राक्ष चांदी में धारण करना लाभप्रद रहता है।
- शकट योग- शकट योग की शांति के लिए 10 मुखी रुद्राक्ष धारण करना लाभप्रद रहता है।
- कालसर्प दोष- कालसर्प दोष की शांति के लिए 8 व 9 मुखी रुद्राक्ष का लॉकेट धारण करना लाभप्रद रहता है।
- अंगारक योग- अंगारक योग की शांति के लिए 3 मुखी रुद्राक्ष धारण करना लाभप्रद रहता है।
- चांडाल दोष- चांडाल दोष की शांति के लिए 5 व 10 मुखी रुद्राक्ष का लॉकेट धारण करना लाभप्रद रहता है।

आपकी किचन में ही छुपे हैं सफलता और असफलता के राज

वास्तु के अनुसार चीजों व्यवस्थित न हो तो यह अपशगुन का कारण बनती हैं। ऐसे में घर की रसोई का विशेष ख्याल रखना चाहिए। किचन की दिशा के साथ ही साथ रसोई घर में काम आने वाले तमाम बर्तन भी शुभता और अशुभता का कारण हो सकते हैं। यदि उनका ठीक प्रकार से प्रयोग न किया जाए या फिर उसे उचित स्थान पर सही तरीके से न रखा जाए तो उसके परिणाम नुकसानदायक साबित हो सकते हैं। किचन के बर्तनों का सही तरह से प्रयोग न करने पर वे दरिद्रता का भी कारण बन सकती हैं।

वास्तु के अनुसार किचन में सबसे अधिक प्रयोग आने वाले बर्तनों में तवे का बहुत ज्यादा महत्व होता है। वास्तु के अनुसार तवा और कढ़ाई राहु का प्रतिनिधित्व करने वाले होते हैं। ऐसे में इनका प्रयोग करते समय विशेष ख्याल रखे जाने की जरूरत होती है। मसलन, तवे या कढ़ाई को कभी भी जूठा न करें ना ही उस पर जूठी सामग्री रखें। हालांकि किचन में जूठे हाथ से किसी भी बर्तन को नहीं छूना चाहिए और न ही वहां पर जूठीं सामग्री रखना चाहिए। किचन में पवित्रता का पूरा ख्याल रखना बहुत जरूरी होता है। घर के इस कोने में स्वच्छता का जितना ख्याल रखा जाएगा धन आगमन के रास्ते उतने ही आसान होंगे।

किचन में वास्तु से जुड़े नियम

रात को खाना बनाने के बाद तवे को हमेशा धो कर रखें। जब तवे का उपयोग न करना हो तो उसे ऐसी जगह पर रखें जहां से वह आम नजरों में न आ पाए। कहने का तात्पर्य उसे खुले में रखने की बजाए किसी आलमारी या दराज में रखें।

- तवे या कढ़ाई को कभी भी उल्टा नहीं रखना चाहिए क्योकि तवा को उल्टा रखने से घर में राहु की नकारत्मक उर्जा का संचार होता है।
- तवा और कढ़ाई को जहां पर खाना बनाते हों, उसकी दाईं ओर रखें क्योकि किचन के दाई ओर मां अन्नपूर्णा का स्थान होता है।
- कभी भी भूलकर गर्म तवे पर पानी न डालें। वास्तु के अनुसार ऐसा करने पर घर में मुसीबतें आती हैं।

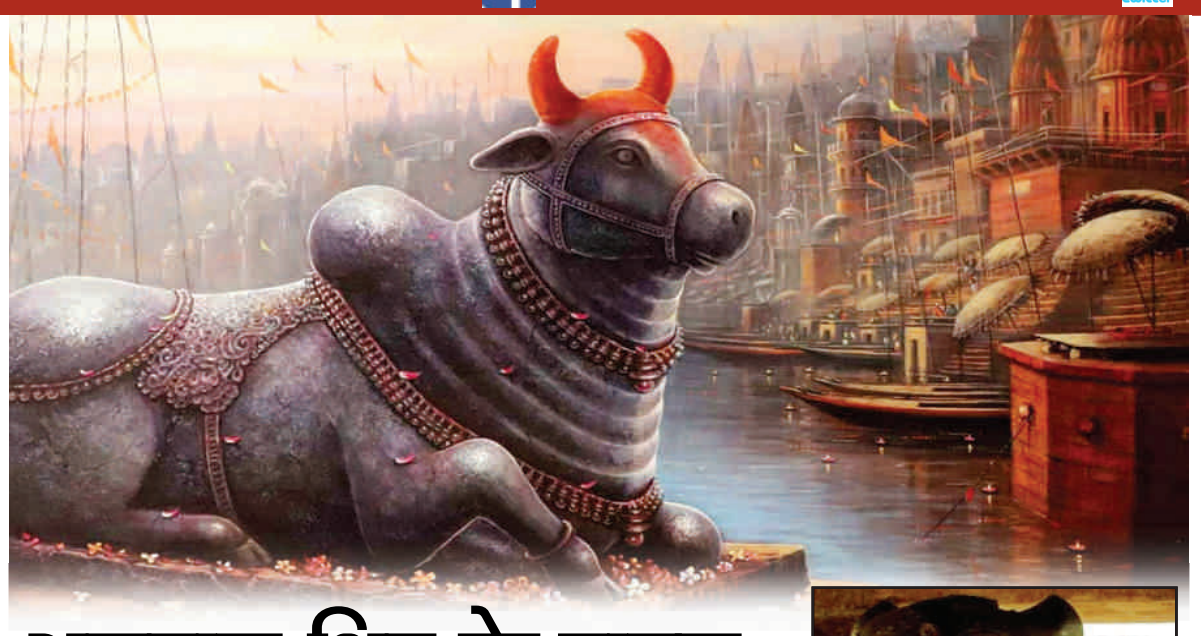

भगवान शिव के वाहन नंदी के कान में क्यों बोलते हैं मनोकामना

शिव मंदिर में लोग शिवलिंग के दर्शन और पूजा करने के बाद वहां शिवजी के सामने विराजित भगवान नंदी की मूर्ति के दर्शन कर उनकी पूजा करते हैं और अंत में उनके कान में अपनी मनोकामना बोलते हैं। आखिर उनके कान में मनोकामना बोलने की परंपरा क्यों है? आओ जानते हैं इस संबंध में पौराणिक कथा।

भगवान शिव के प्रमुख गणों में से एक है नंदी। भैरव, वीरभद्र, मणिभद्र, चंदिस, श्रृंगी, भृगिरिटी, शैल, गोकर्ण, घंटाकर्ण, जय और विजय भी शिव के गण हैं। माना जाता है कि प्राचीनकालीन किताब कामशास्त्र, धर्मशास्त्र, अर्थशास्त्र और मोक्षशास्त्र में से कामशास्त्र के रचनाकार नंदी ही थे। बैल को महिष भी कहते हैं जिसके चलते भगवान शंकर का नाम महेश भी है।

शिवजी के सामने नंदी क्यों हैं विराजित

शिलाद मुनि ने ब्रह्मचर्य का पालन करने का संकल्प लिया। इससे वंश समाप्त होता देखकर उनके पितर चिंतित हो गए और उन्होंने शिलाद को वंश आगे बढ़ाने के लिए कहा। तब उन्होंने संतान की कामना के लिए इंद्रदेव को तप से प्रसन्न कर जन्म और मृत्यु के बंधन से हीन पुत्र का वरदान मांगा। परंतु इंद्र ने यह वरदान देने में असमर्थता प्रकट की और भगवान शिव का तप करने के लिए कहा। भगवान शंकर ने शिलाद मुनि के कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर स्वयं शिलाद के पुत्र रूप में प्रकट होने का वरदान दिया। कुछ समय बाद भूमि जोतते समय शिलाद को एक बालक मिला, जिसका नाम उन्होंने नंदी रखा।

शिलाद ऋषि ने अपने पुत्र नंदी को संपूर्ण वेदों का ज्ञान प्रदान किया। एक दिन शिलाद ऋषि के आश्रम में मित्र और वरुण नाम के दो दिव्य ऋषि पधारे। नंदी ने अपने पिता की आज्ञा से उन ऋषियों की उन्होंने अच्छे से सेवा की। जब ऋषि जाने लगे तो उन्होंने शिलाद ऋषि को तो लंबी उम्र और खुशहाल जीवन का आशीर्वाद दिया लेकिन नंदी को नहीं।

तब शिलाद ऋषि ने उनसे पूछा कि उन्होंने नंदी को आशीर्वाद क्यों नहीं दिया? इस पर ऋषियों ने कहा कि नंदी अल्पायु है। यह सुनकर शिलाद ऋषि चिंतित हो गए। पिता की चिंता को नंदी ने जानकर पूछा क्या बात है पिताजी। तब पिता ने कहा कि तुम्हारी अल्पायु के बारे में ऋषि कह गए हैं इसीलिए मैं चिंतित हूं। यह सुनकर नंदी हंसने लगा और कहने लगा कि आपने मुझे भगवान शिव की कृपा से पाया है तो मेरी उम्र की रक्षा भी वहीं करेंगे आप क्यों नाहक चिंता करते हैं।

इतना कहते ही नंदी भुवन नदी के किनारे शिव की तपस्या करने के लिए चले गए। कठोर तप के बाद शिवजी प्रकट हुए और कहा वरदान मांगों वत्स। तब नंदी के कहा कि मैं उम्रभर आपके सानिध्य में रहना चाहता हूं। नंदी के समर्पण से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने नंदी को पहले अपने गले लगाया और उन्हें बैल का चेहरा देकर उन्हें अपने वाहन, अपना दोस्त, अपने गणों में सर्वोत्तम के रूप में स्वीकार कर लिया।

शिवलिंग पर दूध चढ़ाने का पौराणिक और साइंटिफिक कारण

शिव मंदिर में शिवलिंग पर जल के अलावा दूध, घी, शहद, दही आदि क्यों अर्पित किए जाते हैं? इसके दो कारण है पहला कारण तो पौराणिक है और दूसरा कारण साइंटिफिक है। आओ जानते हैं हम दोनों ही कारणों को संक्षिप्त में।

पौराणिक कथा के अनुसार जब समुद्र मंथन हुआ तो सबसे पहले उसमें से विष निकला। इस विष से संपूर्ण संसार पर विष का खतरा मंडराने लगा। इस विपत्ति को देखते हुए सभी देवता और दैत्यों ने भगवान शिव से इससे बचाने की प्रार्थना की। क्योंकि केवल भगवान शिव के पास ही इस विष के ताप और असर को सहने की क्षमता थी। तब भगवान शिव ने संसार के कल्याण के लिए बिना किसी देरी के संपूर्ण विष को अपने कंठ में धारण कर लिया। विष का तीखापन और ताप इतना ज्यादा था कि भोले बाबा का कंठ नीला हो गया और उनका शरीर ताप से जलने लगा। जब विष का घातक प्रभाव शिव और शिव की जटा में विराजमान देवी गंगा पर पड़ने लगा तो उन्हें शांत करने के लिए जल की शीतलता कम पड़ने लगी। उस वक्त सभी देवताओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक करने के साथ ही उन्हें दूध ग्रहण करने का आग्रह किया ताकि विष का प्रभाव कम हो सके। सभी के कहने से भगवान शिव ने दूध ग्रहण किया और उनका दूध से अभिषेक भी किया गया। तभी से ही शिवलिंग पर दूध चढ़ाने की परंपरा चली आ रही है।

कहते हैं कि दूध भोले बाबा का प्रिय है और उन्हें सावन के महीने में दूध से स्नान कराने पर सारी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

साइंटिफिक कारण

- कहते हैं कि शिवलिंग एक विशेष प्रकार का पत्थर होता है। इस पत्थर को क्षरण से बचाने के लिए ही इस पर दूध, घी, शहद जैसे चिकने और ठंडे पादार्थ अर्पित किए जाते हैं।
- अगर शिवलिंग पर आप कुछ वसायुक्त या तैलीय सामग्री अर्पित नहीं करते हैं तो समय के साथ वे भंगुर होकर टूट सकते हैं, परंतु यदि उन्हें हमेशा गीला रखा जाता है तो वह हजारों वर्षों तक ऐसे के ऐसे ही बने रहते हैं। क्योंकि शिवलिंग का पत्थर उपरोक्त पदार्थों को एब्जॉर्ब कर लेता है जो एक प्रकार से उसका भोजन ही होता है।
- शिवलिंग पर उचित मात्रा में ही और खास समय पर ही दूध, घी, शहद, दही आदि अर्पित किए जाते हैं और शिवलिंग को हाथों से रगड़ा नहीं जाता है। यदि अत्यधिक मात्रा में अभिषेक होता है या हाथों से रगड़ा जाता है तो भी शिवलिंग का क्षरण हो सकता है। इसीलिए खासकर सोमवार और श्रावण माह में ही अभिषे करने की परंपरा है।

हत्याहरण तीर्थ सरोवर

हम आपको एक ऐसे सरोवर के बारे में बताने जा रहे हैं जिसमें स्नान करने के बाद आपके सारे पाप समाप्त हो जाते हैं और पुनः साफ-सुथरे मन से आप आगे का जीवन जीने के लिए अग्रसर हो सकते हैं। ऐसा हम नहीं कह रहे हैं, इस सरोवर से जुड़ी कथाएं व यहां के लोगों की आस्था इस बात का प्रतीक है कि इस सरोवर में नहाने से लोगों के पाप नष्ट हो जाते हैं। इस सरोवर से जुड़ी कथाओं की पुष्टि करने के लिए जब हम उत्तरप्रदेश की राजधानी लखनऊ से लगभग 150 किलोमीटर की दूरी पर बने, जो हरदोई जनपद की संडीला तहसील में पवित्र नैमिषारण्य परिक्रमा क्षेत्र में स्थित है। जब हम इस सरोवर के साक्षात दर्शन करने पहुंचे तो इस सरोवर से जुड़ी लोगों की आस्थाओं को देखकर एक बार विश्वास हो चला कि हो ना हो इस सरोवर में स्नान करने के बाद कहीं न कहीं पापों से मुक्ति मिल जाती है क्योंकि सरोवर में स्नान करने वालों की अपार भीड़ थी। इस सरोवर से जुड़ी कथाओं को जानने का प्रयास किया तो कई बातें सामने निकलकर आईं। सरोवर के पास पीढ़ियों से फूलमालाओं का काम करने वाले 80 साल के जगन्नाथ से इस सरोवर से जुड़ी बातों को जानना चाहा तो जगन्नाथ ने बताया की पौराणिक बातों में कितनी सत्यता है, इसकी पुष्टि तो वे नहीं करते लेकिन जो वह बताने जा रहे हैं, इसके बारे में उन्होंने अपने पिताजी से सुना था। उन्होंने कि कहा जब मैं अपने पिताजी के साथ इस सरोवर पर फूल बेचने के लिए आता था तो मैंने एक दिन अपने पिता से पूछा कि यहां पर इतने सारे लोग क्या करने आते हैं तो उन्होंने मुझे बताया कि हजारों वर्ष पूर्व जब भगवान राम ने रावण का वध कर दिया था तो उन्हें ब्रह्महत्या का दोष लग गया था। उस पाप को मिटाने के लिए भगवान राम भी इस सरोवर में स्नान करने आए थे। इस सरोवर के निर्माण के बारे में शिव पुराण में वर्णन है कि माता पार्वती के साथ भगवान भोलेनाथ एकांत की खोज में निकले और नैमिषारण्य क्षेत्र में विहार करते हुए एक जंगल में जा पहुंचे। वहां पर सुरम्य जंगल मिलने पर तपस्या करने लगे। तपस्या करते हुए माता पार्वती को प्यास लगी। जंगल में कहीं जल न मिलने पर उन्होंने देवताओं से पानी के लिए कहा तब सूर्य देवता ने एक कमंडल जल दिया। देवी पार्वती ने जलपान करने के बाद शेष बचे जल को जमीन पर गिरा दिया। तेजस्वी पवित्र जल से वहां पर एक कुंड का निर्माण हुआ और जाते वक्त भगवान शंकर ने इस स्थान का नाम प्रभास्कर क्षेत्र रखा।

यह कहानी सतयुग की है। काल बीतते रहे द्वापर में ब्रम्हा द्वारा अपनी पुत्री पर कुदृष्टि डालने पर पाप लगा। उन्होंने इस तीर्थ में आकर स्नान किया तब वे पाप मुक्त हुए। जगन्नाथ ने बताया कि तब से यहां पर मान्यता चली आ रही है की जो इस स्थान पर आकर स्नान करेगा वह पाप मुक्त हो जाएगा। हत्या मुक्त हो जाएगा। यहां पर राम का एक बार नाम लेने से हजार नामों का लाभ मिलेगा। तब से आज तक लोग यहां इस पावन तीर्थ पर आकर हत्या, गोहत्या एवं अन्य पापों से मुक्ति पा रहे हैं।

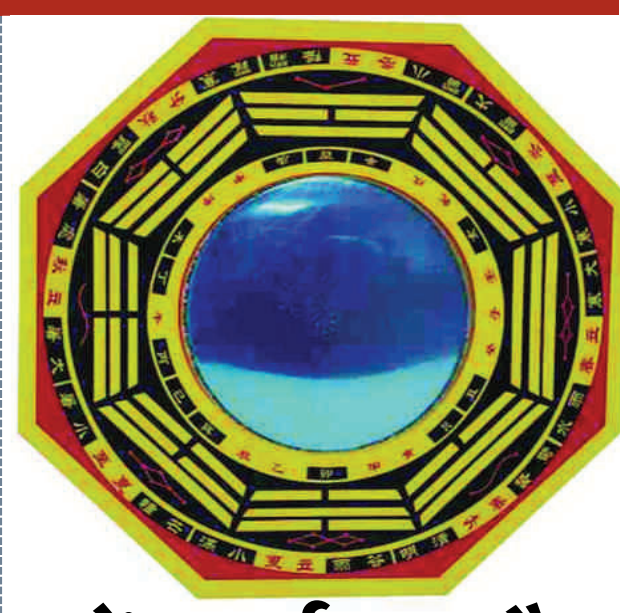

फेंगशुई क्या है? कैसे करता है लाइफ को प्रभावित

फेंगशुई चीन का वास्तु शास्त्र है जिसका भारत में भी बहुत ज्यादा प्रचलन हो चला है। फेंगशुई के कई आइटम आजकल बाजार में मिलते हैं। जैसे विंड चाइम, लाफिंग बुद्धा, कछुआ, तीन टांगों वाला मेंढक, मछलीघर, तीन सिक्के, क्रिस्टल-टी, बांस का पौधा आदि। आओ जानते हैं कि कैसे करता है लाइफ को प्रभावित फेंगशुई।

वायु और जल

फेंग और शुई का शाब्दिक अर्थ है वायु और जल। फेंगशुई के टिप्स घर के वायु और जल को सकारात्म दिशा देने वाले होते हैं। यह घर के वातारवण को प्रभावित करता है।

प्रकाश

यदि घर में नकारात्मक प्रकाश कहीं से आ रहा है या घर में ही कहीं नकारात्मक प्रकाश है तो फेंगशुई उस प्रकाश को सकारात्मक प्रकाश में बदलकर हमारी लाइफ को प्रभावित करता है।

मानसिक दशा

फेंगशुई घर के लोगों की मानसिक दशा बदलने का कार्य भी करता है। इसके लिए फेंगशुई के जो आइटम घर में रखते हैं उससे लोगों की मानसिकता बदलती है। जैसे लाफिंग बुद्धा को घर में रखने से मानसिक परेशानी दूर होती है। इसी तरह के अन्य कई आइटम हैं।

दिशाओं के गलत प्रभाव को रोकना

फेंगशुई पूरी तरह से पांच तत्वों पानी, अग्नि, पृथ्वी, धातु, लकड़ी के तत्वों पर कार्य करती है। फेंगशुई के अनुसार इन पांच तत्वों की मदद से दिशाओं के गलत प्रभावों पर काबू पा सकते हैं।

घर की उर्जा

घर में बिना तोड़फोड़ किए ही फेंगशुई साधनों का उपयोग कर घर को अपने अनुरूप बनाया जा सकता है। इन साधनों का उपयोग कर फेंगशुई की सकारात्मक ऊर्जा के प्रवाह में वृद्धि की जा सकती है।

ची ऊर्जा

फेंगशुई के अंतर्गत विभिन्न प्राकृतिक तत्वों का प्रतिनिधित्व करने वाली वस्तुओं को उचित दिशा और स्थान पर रखने से 'ची' यानी कि ऊर्जा का सकारात्मक प्रवाह सुनिश्चित किया जाता है। घर की 'ची' ऊर्जा को संतुलित करने के लिए सबसे अहम चीजों में से एक होती है उचित प्राकृतिक प्रकाश और हवा की व्यवस्था। फेंगशुई इसी संबंध में जानकारी देता है।

रंग

घर की खूबसूरती और ऊर्जा में रंगों की बड़ा योगदान रहता है। सही स्थान पर सही प्रकार के रंग का प्रयोग उसे सुंदर भी बनाता है और साथ ही वहां की ऊर्जा का भी प्रकृति के साथ समायोजन कर देता है। फेंगशुई के प्रोडक्ट्स या आइटम न सिर्फ किसी स्थान की ऊर्जा को संतुलित करने का काम करते हैं, बल्कि यह सजावट के रूप में भी काम में लिए जा सकते हैं।

साफ-सफाई

फेंगशुई के वास्तु के अनुसार घर की साफ सफाई का आपके घर के वातावरण और मानसिकता पर असर पड़ता है। अतः साफ-सफाई का रहना जरूरी है।

ग्रीनरी और गार्डन

फेंगशुई के अनुसार घर की ग्रीनरी सकारात्मक प्रभाव को बढ़ाती है। इनडोर प्लांट्स घर में खुशियां लाते हैं और घर के हर कोने को आकर्षक बना देते हैं। इसीलिए फेंगशुई में बांस का पौधा बोनसाई पौधों रखने का प्रचलन है।

रिश्ते और खुशी

फेंगशुई के अनुसार धन, सुख, सौभाग्य के साथ ही रिश्तों में मधुरता और खुशी के लिए फेंगशुई के उपाय कारगर सिद्ध होते हैं। हर कोई यदि चाहता है कि हम खुश रहें। फेंगशुई के आइटम यही कार्य करते हैं।

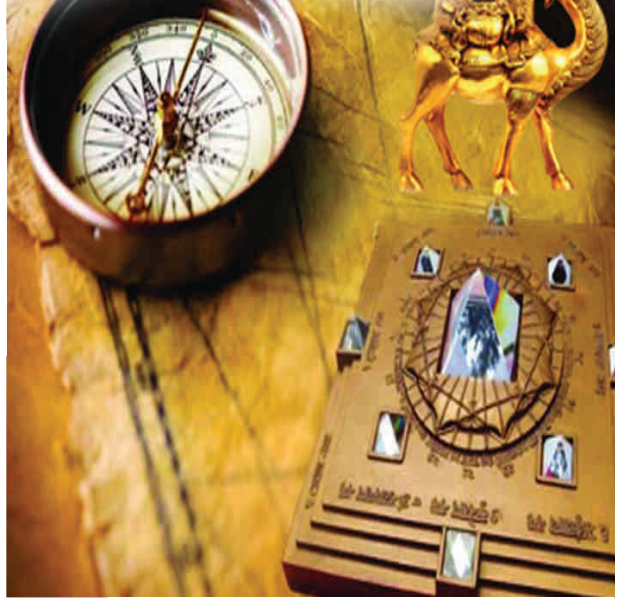

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

देवरिया में तंत्र-मंत्र के चक्कर में बच्चे की बलि...पांच माह बाद आरोपी आए पकड़ में

देवरिया (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के देवरिया जिले में तंत्र-मंत्र के चक्कर में नौ वर्षीय एक बालक आरुष की बलि देने के आरोप में पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है। यह घटना 16 अप्रैल, 2025 को हुई थी जब बच्चा लापता हो गया था। पुलिस ने मामले में जय प्रकाश गौड़, इन्द्रजीत गौड़ उर्फ अतुल, भीम गौड़ और रमा शंकर उर्फ शंकर गौड़ को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि जांच के दौरान जय प्रकाश गौड़ को गिरफ्तार किया गया, जिसने बच्चे की बलि देने की बात कबूली। पूछताछ में सामने आया कि इन्द्रजीत गौड़ की शादी दिसंबर 2024 में हुई थी और शादी के बाद वहां कथित तौर पर बीमार हो गया। उसके ससुराल वालों ने उसे झाड़-फूंक के लिए अपने मामा जय प्रकाश के पास ले गए, जिसने नरबलि देने की बात कही। इसके बाद इन्द्रजीत ने अपने रिश्तेदार रमा शंकर उर्फ शंकर गौड़ से 50 हजार रुपये में एक छोटे बच्चे की व्यवस्था करने के लिए कहा। रमा शंकर 16 अप्रैल को आरुष को बहला-फुसलाकर अपने घर ले गया और बाद में इन्द्रजीत के मौसेरे भाई भीम को सौंप दिया। इसके बाद इन्द्रजीत, अपने मामा जयप्रकाश और मौसी के लड़के भीम के साथ मिलकर एक बगीचे में आरुष की चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी और शव को वहीं गाड़ दिया। बाद में बच्चे शव को निकालकर एक बोरे में भरकर नदी में फेंक दिया। पुलिस ने लगभग पांच महीने बाद इस मामले का पर्दाफाश किया है।

कुलगाम के जंगलों में 3 दिन से जारी भीषण मुठभेड़ में 3 आतंकी ढेर

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले के अखल जंगल क्षेत्र में पिछले तीन दिनों से सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच भीषण मुठभेड़ जारी है। अब तक इस ऑपरेशन में 03 आतंकियों को मार गिराया गया है, जबकि एक जवान के घायल होने की खबर है। सेना के अधिकारियों का कहना है कि यह इस वर्ष का सबसे बड़ा आतंक रोधी अभियान हो सकता है। कुलगाम ऑपरेशन में सुरक्षाबलों ने जंगल को पूरी तरह घेर रखा है और आतंकियों के खिलाफ अंतिम चरण की कार्रवाई जारी है। इस एंटी-टेरर ऑपरेशन पर जम्मू-कश्मीर के डीजीपी और सेना की 15वीं कोर के कमांडर कड़ी नजर बनाए हुए हैं। इस संबंध में क्षेत्र के पुलिस अधिकारियों का कहना है, कि 1 अगस्त को आतंकियों की मौजूदगी की खुफिया सूचना के आधार पर यह अभियान शुरू किया गया था। तलाशी के दौरान आतंकियों ने गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद यह मुठभेड़ में बदल गया। इन तीन दिनों में तीन आतंकियों को मारने में सफलता हासिल हुई है। अखल के घने जंगलों में बीती रात विस्फोटों और गोलीबारी की आवाजें गूंजती रहीं। इस एंटी-टेरर ऑपरेशन में सेना की स्पेशल पैरा फोर्स, हाईटेक सर्विलांस सिस्टम और ड्रोन की मदद ली जा रही है। जम्मू-कश्मीर पुलिस, भारतीय सेना और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम इस ऑपरेशन को अंजाम दे रही है। राज्य के डीजीपी और सेना की 15वीं कोर के कमांडर खुद हालात पर पैनी नजर बनाए हुए हैं।

फिर शुरू हुई केदारनाथ यात्रा, श्रद्धालुओं को अब 22 किमी ज्यादा पैदल चलना होगा

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में स्थित बाबा केदारनाथ धाम की यात्रा एक बार फिर से शुरू कर दी गई है। पिछले दिनों पैदल मार्ग पर भूस्खलन के कारण यात्रा बाधित थी। शनिवार को मार्ग आंशिक रूप से बहाल होने के बाद श्रद्धालुओं के पहले जत्थे को सोनप्रयाग से गौरीकुंड होते हुए बाबा केदारनाथ धाम के लिए रवाना किया गया। पुलिस अधीक्षक सर्वेश सिंह पंवार ने मीडिया को जानकारी दी कि अब श्रद्धालुओं को मंदिर तक पहुंचने के लिए लगभग 22 किलोमीटर अतिरिक्त पैदल यात्रा करनी होगी। जब तक वाहनों की आवाजाही फिर से सामान्य नहीं हो जाती, तब तक यह वैकल्पिक पैदल मार्ग ही यात्रियों के लिए एकमात्र रास्ता रहेगा। उन्होंने यह भी बताया कि बारिश की स्थिति में आवाजाही को अस्थायी तौर पर रोका जा सकता है, ताकि श्रद्धालुओं की सुरक्षा को कोई खतरा न हो। क्षतिग्रस्त रास्तों की मरम्मत का कार्य तेजी से जारी है, लेकिन पहाड़ी परिस्थितियों और मौसम की अनिश्चितता के चलते काम में बाधा आ रही है। बाबा केदारनाथ के दर्शन के लिए हर साल लाखों श्रद्धालु देशभर से उत्तराखंड पहुंचते हैं। इस साल भी यात्रा शुरू होने के बाद से अब तक रिकॉर्ड संख्या में तीर्थयात्रियों ने पंजीकरण कराया है।

पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच पक रही खिचड़ी... भारत के लिए चिंता का विषय

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय खुफिया एजेंसियों के खुलासे के अनुसार, पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच एक संभावित वायुसेना डील भारत के लिए चिंता का कारण बनी है। इस खुफिया लीक से दोनों देशों के बीच बढ़ती सैन्य साझेदारी का पता चलता है, जिसमें कई पहलू हैं जो भारत की सुरक्षा को प्रभावित कर सकते हैं। लीक से पता चला है कि पाकिस्तान और बांग्लादेश एमयूएमटी-यूएमटी के संयुक्त विकास पर चर्चा कर रहे हैं। पाकिस्तान ने चीन की मदद से अपनी ड्रोन क्षमताओं को बढ़ाया है और अब वह अपनी ऑपरेशनल जानकारी बांग्लादेश को दे रहा है। दोनों देशों के बीच एक सामरिक एयर डेटा लिंक सिस्टम को एकीकृत करने के सहयोगात्मक प्रयास हो रहे हैं। यह बांग्लादेश वायुसेना की दूसरे देशों की सेनाओं के साथ मिलकर काम करने की क्षमता को बढ़ाएगा और उसकी स्ट्राइक कोऑर्डिनेशन क्षमता में वृद्धि करेगा, जो भारत की पूर्वी वायु कमान के लिए एक गंभीर खतरा पैदा कर सकता है। भारत के दोनों छोर पर स्थित पड़ोसियों के बीच अंतरिक्ष सहयोग भी सामने आया है, जो शुरुआती चरण की टोही और उपग्रह-आधारित आईएसआर क्षमताओं की ओर इशारा करता है। इसमें चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) जैसी तीसरी पार्टी की भागीदारी से इनकार नहीं किया जा सकता है। दोनों वायु सेनाएं फ्लाइट एसआरएनएल आधारित एआर और बीआर सिस्टम की तलाश कर रही हैं, जिनका उद्देश्य रियल टाइम युद्ध वातावरण का अनुकरण करना है। ढाका और इस्लामाबाद के बीच संयुक्त ड्रोन-रोधी तकनीकों और साइबर सिक्योरिटी सिस्टम पर बातचीत की पुष्टि हुई है। माना जाता है कि पाकिस्तान ने ढाका को मैलवेयर-रोधी प्रोटोकॉल और आक्रामक साइबर ट्रेनिंग मॉड्यूल की पेशकश की है।

ऑपरेशन सिंदूर में सैन्य के साथ-साथ नागरिक विभागों की भूमिका महत्वपूर्ण: रक्षा मंत्री

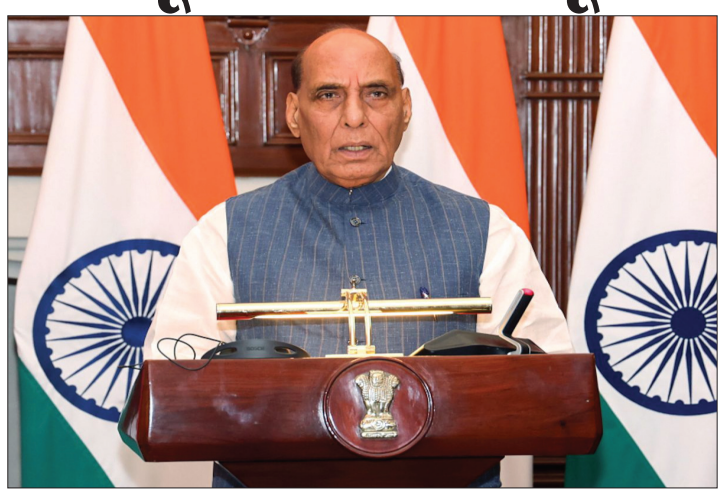

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत द्वारा 7 मई 2025 को पाकिस्तान के खिलाफ किए गए ऑपरेशन सिंदूर की सैन्य कार्रवाई को कुछ दिन बाद तीन महीने पूरे हो जाएंगे। इसके बीच सरकार ने कई मौकों पर देश की सशस्त्र सेनाओं के पराक्रम को सराहा है। लेकिन शुक्रवार को इससे इतर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारत के इस सैन्य अभियान में सैन्य के अलावा पर्दे के पीछे से (बैक-एंड सपोर्ट) नागरिक विभागों (सिविल) द्वारा निभाई गई भूमिका को भी प्रमुखता से रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता में सैन्य के साथ ही देश के नागरिक विभागों का भी पूरा सहयोग रहा है। यह एक प्रकार से इस सैन्य अभियान की सफलता की कुंजी था। वर्तमान की सुरक्षा चुनौतियों के बीच असली ताकत नागरिक और सैन्य तालमेल ही है। यह जानकारी रक्षा मंत्री ने 1 अगस्त को राजधानी स्थित डीआरडीओ भवन में आयोजित किए गए 84वें सशस्त्र सेना मुख्यालय नागरिक सेवा (एएफएचक्यू) दिवस-2025 समारोह को संबोधित करते हुए दी। बताते चलें कि पहलगाम आतंकी हमले में पाकिस्तान की शह पर भारत के खिलाफआतंकी हमले करने वाले लश्कर के छद्म संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट यानी टीआरएफके आतंकियों ने 26 निर्दोष लोगों को मौत के घाट उतार दिया था। जिसमें भारत के 25 और एक नेपाल का नागरिक शामिल था। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई से पाकिस्तान को इस हमले को लेकर करारा जवाब दे दिया है। साथ ही ये उसे ये भी बता दिया है कि देश का यह अभियान अभी पूरी तरह से समाप्त नहीं हुआ है। इस पर फिलहाल अस्थायी विराम लगाया गया है। नई सोच के साथ आतंकवाद के विरूद्ध भारत की शून्य सहिष्णुता की नीति जस की तस बरकरार है।

राजनाथ ने कहा कि आज के दौर में बदलती हुई सुरक्षा जरूरतों के हिसाब से मजबूती और नवीनता की भावना के साथ हमें नवाचारों को बढ़ाने पर जोर देते हुए आगे बढ़ना चाहिए। जटिल सुरक्षा परिदृश्य के बीच पूरा देश युद्ध लड़ता है। लेकिन इसमें केवल सैन्य बल ही शामिल नहीं होते हैं। ऐसे में हमें किसी भी तरह की लापरवाही या गलती की कोई गुंजाइश नहीं छोड़नी चाहिए। उन्होंने नागरिक सेवाओं को मजबूत सैन्य तंत्र की आधारशिला बताते हुए कहा, रक्षा मंत्रालय के लिए वायुसेना मुख्यालय सेवाएं एक संस्थागत स्मृति के रूप में कार्य करती हैं। यह प्रशासन में स्थिरता, क्षेत्र विशेषज्ञता और एकरूपता प्रदान करती है। साथ ही नीतिगत निरंतरता और नागरिक-सैन्य तालमेल स्थापित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जो एक आधुनिक और एकीकृत राष्ट्रीय रक्षा प्रणाली का एक मजबूत स्तंभ है।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के आवास पर बम लगाने की धमकी देने वाला आरोपी गिरफ्तार

नागपुर (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता नितिन गडकरी के नागपुर स्थित आवास पर बम रखे होने की धमकी भरा कॉल रविवार को नागपुर पुलिस को मिलने के बाद पूरा नागपुर पुलिस तंत्र अलर्ट पर है। यह धमकी भरा कॉल नागपुर शहर से ही पुलिस कंट्रोल रूम में आया था। पुलिस ने तुरंत जाँच शुरू की और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। नितिन गडकरी के घर पर बम रखने की धमकी देने वाले आरोपी का नाम उमेश राउत है और वह मेडिकल इलाके में एक देशी शराब की दुकान पर काम करता है। उमेश नागपुर के कोतवाली थाने की सीमा में एक किराए के मकान में अपने एक दोस्त के साथ रहता है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के नागपुर स्थित आवास पर बम रखे जाने की धमकी भरा कॉल आने के बाद, पूरे इलाके और आवास की सुरक्षा तुरंत बढ़ा दी गई। बम निरोधक टीमें उनके आवास पर पहुँच गईं। लेकिन तलाशी के बाद कुछ नहीं मिला। पुलिस ने अब धमकी भरा कॉल करने वाले उमेश राउत से पूछताछ शुरू कर दी है और यह पता लगा रही है कि उसने ऐसा धमकी भरा कॉल क्यों किया। पुलिस जाँच में यह भी पता चला है कि आरोपी उमेश राउत का कोई पिछला आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। पुलिस अब उसके साथ रहने वाले उसके दोस्त से भी पूछताछ कर रही है। परिमंडल एक के पुलिस उपायुक्त सिंघा कृषिकेश रेड्डी ने पत्रकारों को बताया कि सुबह 9 बजे के करीब हमारे 112 नंबर पर एक कॉल आई थी। उस कॉल में कहा गया था कि नितिन गडकरी के घर में बम लगा दिया गया है, वो बम फटने वाला है। उसके बाद हमने तुरंत बम डिटेक्शन और बम डिस्पोज़ल स्क्वॉड को एक्टिवेट किया। हमने नितिन गडकरी के सुरक्षा गार्ड्स को भी इसकी जानकारी दे दी है। हमने बम डिटेक्शन और डिस्पोज़ल स्क्वॉड की मदद से गडकरी के पूरे घर की जाँच की। हमें उसमें कुछ नहीं मिला। उसके बाद हमें पता चला कि वो एक फर्जी कॉल थी और हमने कॉल को ट्रेस किया। उसके बाद हमने आरोपी को लोकेशन से ढूंढ निकाला, उसके खिलाफ मामला दर्ज किया और उसे गिरफ्तार कर लिया।

खेल ही भारत-पाक के बीच तनाव कम करने का सबसे आसान तरीका

-महबूबा मुफ्ती के बयान ने राजनीतिक गलियारों में मचाई हलचल

जम्म (एजेंसी)। पीडीपी अध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर की पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती एक बार फिर विवादों में घिर गई हैं। पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद बढ़े तनाव के बीच उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच खेल संबंधों को बहाल करने की वकालत की है। महबूबा के इस बयान ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक महबूबा ने कहा कि युद्ध जैसे हालात देश के लिए नुकसानदेह हैं और ऐसे समय में खेल ही दोनों देशों के बीच तनाव कम करने का सबसे आसान तरीका है। उन्होंने बेरोजगारी और गरीबी का हवाला देते हुए खेल आयोजनों को शांति कायम करने का जरिया बताया। बता दें पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के तहत सीमा पार आतंकी ठिकानों पर जवाबी कार्रवाई की थी। इस ऑपरेशन के बाद चार दिनों तक भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य तनाव जारी रहा।

महबूबा ने कहा कि अगर आप शांति चाहते हैं और युद्ध पर पैसा खर्च नहीं करना चाहते, तो खेल आयोजनों के जरिए माहौल सामान्य करना चाहिए। बेरोज़गारी और गरीबी दूर करनी है तो सबसे पहले शांति बहाल करनी होगी। महबूबा ने इस दौरान बीजेपी पर भी हमला बोला उन्होंने कहा कि बीजेपी ने देश में ऐसा माहौल बना दिया है कि लोग युद्धविराम पर सवाल उठा रहे हैं। मानो सब चाहते थे कि युद्ध चलता रहे। यह मानसिकता खतरनाक है और देश को नुकसान पहुंचा रही है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी बार-बार परमाणु युद्ध टलने का श्रेय ले रहे हैं, जबकि भारत के अंदरर युद्ध को लेकर राजनीतिक बयानबाजी रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं।

महबूबा ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच खेल संबंधों को फिर से बहाल करना चाहिए। उन्होंने कहा कि खेल एक ऐसा जरिया है जो लोगों के बीच संवाद बढ़ा सकता है और तनाव कम कर सकता है। अगर दोनों देश खेलों के जरिए आमने-सामने आएंगे तो बातचीत के रास्ते खुलेंगे और माहौल भी सामान्य होगा। महबूबा मुफ्ती के इस बयान ने सवाल खड़े कर दिए हैं कि जब देश में पाकिस्तान पर सख्त रुख अपनाने की मांग हो रही है, तब वह खेल संबंधों को बहाल करने की बात क्यों कर रही हैं?

ममता बनर्जी का चुनावी 'खेला': हर बूथ को 10 लाख, दुर्गा पूजा पंडाल को 1.1 लाख रुपये

-बीजेपी ने लगाया धर्म की राजनीति का आरोप

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक बार फिर अपने राजनीतिक चतुराई और जमीनी पकड़ का परिचय देते हुए दो बड़ी योजनाओं की घोषणा की है, जिनसे राज्य की सियासत में जबरदस्त हलचल मच गई है। एक ओर सामुदायिक दुर्गा पूजा आयोजकों को 1.1 लाख रुपये का सरकारी अनुदान, तो दूसरी ओर 'आमादेर पारा, आमादेर समाधान' योजना के तहत हर बूथ को 10 लाख रुपये का फंड-इन दोनों घोषणाओं को 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले टीएमसी का मास्टरस्ट्रोक माना जा रहा है।

ममता सरकार की नई 'आमादेर पारा, आमादेर समाधान' योजना जनता की स्थानीय और छोटी-छोटी समस्याओं को सीधे बूथ स्तर पर हल करने के लिए शुरू की गई है। इसके तहत- हर बूथ को 10 लाख रुपये का आवंटन किया गया है। 2 अगस्त से शुरू हुआ यह कार्यक्रम पूरे राज्य में तीन बूथों पर एक कैंप के हिसाब से चलाया जा रहा है। कुल योजना की लागत लगभग 8000 करोड़ रुपये है। निगरानी के लिए मुख्य सचिव मनोज पंत की अगुवाई में एक टास्क फोर्स गठित की गई है।

ममता बनर्जी ने इसे देश की पहली ऐसी पहल बताया है जो जनता को सीधे अपने क्षेत्र की समस्याएं तय करने और समाधान का हक देती है। इसमें राज्य सरकार केवल 'सुविधा प्रदाता' की भूमिका निभाएगी।

पूजा पंडालों को 1.1 लाख रुपये का अनुदान

ममता सरकार ने सामुदायिक दुर्गा पूजा आयोजकों के लिए दिए जाने वाले अनुदान को पिछले साल के 70,000 से बढ़ाकर 1.1 लाख रुपये कर दिया है। यह फैसला दुर्गा पूजा को राज्य की सांस्कृतिक विरासत मानते हुए किया गया है, लेकिन बीजेपी ने इसे धर्म आधारित वोट बैंक राजनीति करार दिया है।

फिर गरमाया मराठी बनाम बाहरी मुद्दा: राज ठाकरे का बड़ा बयान... कोई जमीन खरीदने आए तो बोलो हमें हिस्सेदारी दो

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने एक बार फिर मराठी बनाम बाहरी का मुद्दा जोरशोर से उठाया है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में बाहर से आने वाले लोग धड़ल्ले से जमीनें खरीदते हैं और उद्योग-धंधे खड़े कर लेते हैं, जबकि स्थानीय मराठी युवाओं को उसका लाभ नहीं मिलता। उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा, कि अब अगर कोई आपकी जमीन खरीदने आए, तो उसे जमीन न बेचें, बल्कि कहें कि हमें कंपनी में हिस्सेदारी चाहिए और मराठी लोगों को रोजगार देना होगा। राज ठाकरे ने यह बयान नवी मुंबई में एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान दिया, जहां उन्होंने गुजरात का उदाहरण देते हुए कहा, गुजरात में कोई बाहरी व्यक्ति जमीन नहीं खरीद सकता, लेकिन महाराष्ट्र में कोई भी आकर जमीन खरीद लेता है। ये स्थिति बदलनी चाहिए। इसके साथ ही मनसे प्रमुख ने राज्य सरकार पर भी निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें जानकारी मिली है कि महाराष्ट्र सरकार सरकारी खर्च पर गुजराती साहित्य सम्मेलन आयोजित करने जा रही है। उन्होंने कहा कि यह सब जानबूझकर किया जा रहा है ताकि हम प्रतिक्रिया दें और फिर सरकार को राजनीति करने का मौका मिल जाए। उन्होंने कहा, हम अब सरकार के जाल में नहीं फंसेंगे, लेकिन अगर सरकार महाराष्ट्र की संस्कृति और अस्मिता को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगी, तो हम चुप भी नहीं बैठेंगे। राज ठाकरे ने कहा कि हमारे ऊपर हमेशा आरोप लगता है कि हम बाहरी लोगों को निशाना बनाते हैं, लेकिन गुजरात में दो बार बिहारियों को भगाया गया और जिन लोगों ने उन्हें मारा, उन्हें भाजपा ने टिकट देकर विधायक बना दिया। उन्होंने कहा, अगर हम अपने राज्य, भाषा और संस्कृति की रक्षा करें, तो हमें बदनाम किया जाता है, लेकिन जब अन्य राज्य ऐसा करें, तो उसे प्रशासनिक निर्णय मान लिया जाता है।

आग के हवाले की गई नाबालिग लड़की की मौत, सीएम, डिप्टी सीएम ने जताया शोक

पुलिस ने कहा जांच ईमानदारी से जांच की, घटना में कोई अन्य व्यक्ति शामिल नहीं

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा के पुरी जिले में एक नाबालिग लड़की, जिसे तीन अज्ञात लोगों ने आग के हवाले कर दिया। लड़की ने एम्स दिल्ली में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। प्रदेश के सीएम मोहन चरण माझी ने इसकी पुष्टि की। सीएम माझी ने लड़की की मौत पर गहरा दुख जताया है। एक्स पर पोस्ट में उन्होंने लिखा- बलंगा इलाके की नाबालिक लड़की की मौत की खबर सुनकर मुझे गहरा सदमा लगा। सरकार के तमाम प्रयासों और विशेषज्ञ चिकित्सा टीम के चौबीसों घंटे प्रयासों के बावजूद, उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। मैं उसकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं और ईश्वर से उसके परिवार को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना करता हूं।

ओडिशा की उपमुख्यमंत्री प्रवती परिदा ने भी नाबालिग लड़की के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने एक्स पर लिखा- एक अप्रत्याशित और दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद दिल्ली एम्स में इलाज करा रही बलांगीर की पीड़िता का निधन हो गया है। दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए मैं इस दुखद स्थिति में उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करती हूं। चिकित्सा दल और सरकार के सभी प्रयासों के बावजूद हमें गहरा दुख है कि उसे बचाया नहीं जा सका। ओडिशा के पूर्व सीएम नवीन पटनायक ने भी इस घटना पर दुख जताया है। उन्होंने पोस्ट में लिखा- यह जानकर अत्यंत दुःख और पीड़ा हुई की पुरी ज़िले के बलंगा क्षेत्र में आग में जलाई गई युवती की एम्स में इलाज के दौरान मौत हो गई। मेरी संवेदनाएं युवती के साथ हैं और इस दुःख की घड़ी में उसके परिवार के साथ प्रार्थनाएं हैं। ईश्वर परिवारजनों को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

बता दें यह घटना 19 जुलाई को हुई थी, जब 15 साल की लड़की एक दोस्त से मिलने के बाद घर लौट रही थी। पुरी में भार्गवी नदी के किनारे तीन बदमाशों ने उसका अपहरण कर लिया। बदमाश उसे एक सुनसान जगह पर ले गए, उस पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर और आग लगा दी। गंभीर रूप से जली लड़की किसी तरह पास के एक घर में भाग गई। स्थानीय लोग उसकी मदद के लिए आए, उसके परिवार को सूचित किया और उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया। इसके बाद अगले दिन उसे एयरलिफ्ट करके नई दिल्ली एम्स लाया गया और 20 जुलाई को एम्स के बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी विभाग के बर्न आईसीयू में भर्ती कराया था। ओडिशा पुलिस ने शनिवार को दावा किया था कि घटना में कोई अन्य व्यक्ति शामिल नहीं था। हालांकि, पीड़िता की मां ने अपनी एफआईआर में आरोप लगाया था कि तीन अज्ञात बदमाशों ने उनकी बेटी को आग के हवाले कर दिया था। पुलिस ने यह स्पष्ट नहीं किया कि लड़की को आग कैसे लगी।

थरूर ने कहा- उपराष्ट्रपति वही होगा जिसे 'वो' चाहेंगे, पर ये तय है कि विपक्ष का नहीं होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम से लेकर खास तक सभी की नजरें नए उपराष्ट्रपति पर लगीं हैं। ये पद किसको मिलेगा इसको लेकर उत्सुकता है। इसी के चलते कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर से पूछा गया कि अगला उपराष्ट्रपति कौन होगा, इस पर उन्होंन हल्की सी मुस्कुराहट के साथ कह दिया कि वहीं होगा जिसे वो चाहेंगे, पर इतना जरुर है कि विपक्ष के उम्मीदवार की हार निश्चित है।

पत्रकारों से बातचीत में शनिवार को थरूर ने कहा, कोई अंदाजा नहीं है कि अगला उपराष्ट्रपति कौन होगा। लेकिन ये तय है कि जो भी होगा वो सत्तारूढ़ पार्टी का नामित व्यक्ति होगा। चूंकि यह चुनाव केवल लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य मिलकर करते हैं, इसलिए हम पहले से ही जानते हैं कि बहुमत किसके पास है। थरूर ने यह भी कहा कि राष्ट्रपति चुनाव की तुलना में उपराष्ट्रपति चुनाव में राज्य विधानसभाएं हिस्सा नहीं लेतीं, इसलिए परिणाम लगभग तय है। भारत के अगले उपराष्ट्रपति का चुनाव 9 सितंबर 2025 को होगा। यह घोषणा निर्वाचन आयोग ने गुरुवार को की गई। साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि निर्वाचन मंडल का गठन पूरा हो चुका है। इस बीच कांग्रेस सांसद और वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने उपराष्ट्रपति चुनाव में विपक्ष की हार को पहले ही तय मानते हुए कहा कि सत्तारूढ़ दल के द्वारा जिसे उम्मीदवार बनाया जाएगा वही उपराष्ट्रपति बनेगा।

उपराष्ट्रपति का चुनाव संविधान के अनुच्छेद 66 के तहत होता है। लोकसभा और राज्यसभा के सांसद इस चुनाव में वोट करते हैं। मतदान गुप्त बैलेट प्रणाली के जरिए होता है। इसका संचालन निर्वाचन आयोग करता है। निर्वाचन आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि चुनाव की अधिसूचना जारी होते ही मतदाता सूची की अंतिम प्रति सार्वजनिक की जाएगी, जिसे आयोग के कार्यालय से खरीदा जा सकेगा। 2024 के लोकसभा चुनावों में एनडीए को बहुमत मिला था और राज्यसभा में भी उसका वर्चस्व है। ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि एनडीए का उम्मीदवार आसानी से उपराष्ट्रपति चुना जाएगा। हालांकि अभी तक किसी भी दल ने आधिकारिक रूप से अपने उम्मीदवार का नाम घोषित नहीं किया है, लेकिन भाजपा सूत्रों के अनुसार नामों पर मंथन जारी है और अगस्त के मध्य तक उम्मीदवार की घोषणा की जा सकती है। बता दें कि भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अगस्त 2022 में पदभार संभाला था। उन्होंने 21 जुलाई 2025 को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। इस्तीफे का कारण स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां बताया गया है। उनका कार्यकाल आधिकारिक रूप से अगस्त 2027 तक होना था, लेकिन उन्होंने करीब दो साल पहले ही पद छोड़ दिया।

ट्रंप के आगे फीके पड़ गए 'पलटूराम' नीतीश, 194 दिन में 178 यू-टर्न से मचाई हलचल

-अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने बनाए अस्थिरता और अविश्वास के नए रिकॉर्ड

नई दिल्ली(एजेंसी)। बयानों और राजनीतिक फैसलों में बार-बार बदलाव के चलते वर्षों से 'पलटूराम' की पहचान बना चुके बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब इस मामले में पीछे छूटते नजर आ रहे हैं। कारण हैं अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, जिन्होंने महज 194 दिनों में अपनी कार्यशैली से अस्थिरता और यू-टर्न की नई परिभाषा गढ़ दी है।

ट्रंप के दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद से अब तक 178 कार्यकारी आदेश पर दस्तखत किए जा चुके हैं। इनमें से कई पर कोर्ट ने रोक लगाई है या वे विवादों में घिर चुके हैं। ट्रंप न केवल अपने बयानों से पलट रहे हैं, बल्कि उनके नीतिगत फैसले भी अक्सर बदले जा रहे हैं, जिससे अमेरिकी राजनीतिक गलियारों में उन्हें यू-टर्न किंग यानी पलटूराम कहा जाने लगा है।

यहां बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, जिनका राजनीतिक जीवन महागठबंधन से लेकर एनडीए तक कई बार पाला बदलने और विचारधाराओं से समझौते का गवाह रहा है, अब इस अंतरराष्ट्रीय पलटूराम की चमक के सामने फीके नजर आने लगे हैं। हालांकि नीतीश को लेकर यह उपमा लंबे समय से भारतीय राजनीति में व्यंग्यात्मक रूप से इस्तेमाल होती रही है, लेकिन ट्रंप ने इस शैली को वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाई दे दी है।

विशेषज्ञों का मानना है कि बार-बार नीति और दिशा बदलना शासन के प्रति अविश्वास पैदा करता है और प्रशासनिक स्थिरता पर सवाल खड़े करता है। ट्रंप के हालिया फैसलों को लेकर अमेरिका में न्यायपालिका और नागरिक समाज दोनों में असंतोष गहराता जा रहा है। अब सवाल यह उठ रहा है कि क्या 'पलटूराम' की यह वैश्विक राजनीति में नई किस्मत सिर्फ ट्रंप तक ही सीमित रहेगी, या दुनिया के अन्य नेताओं में भी यह प्रवृत्ति पनपेगी? फिलहाल तो इतना तय है कि नीतीश कुमार महज देश में पलटूराम की पदवी पा सके, जबकि ट्रंप ने सीधे वैश्विक स्तर पर पलटूराम की पदवी पा ली है। इस कारण नीतीश इस मामले में ट्रंप के आस-पास भी नजर नहीं आ रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

चीन में जापानी महिला पर हमला, टोक्यो में दो चीनी नागरिक घायल

सूझोउ, एजेंसी। चीन के सूझोउ शहर में गुरुवार देर रात एक जापानी महिला पर एक व्यक्ति ने पत्थर जैसी वस्तु से हमला कर दिया। महिला को हल्की चोटें आईं, जबकि उसका बच्चा सुरक्षित है। इलाज के बाद महिला को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। जापानी मीडिया के मुताबिक, घटना सबवे स्टेशन में हुई और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। इसी दिन जापान की राजधानी टोक्यो में दो चीनी नागरिकों पर भी हमला हुआ, जिनमें दोनों को गंभीर चोटें आई हैं। चार हमलावर मौके से फरार हो गए और अब तक उनकी पहचान नहीं हो पाई है। इस घटना के बाद दोनों देशों में विदेशियों के प्रति बढ़ती नफरत को लेकर चिंता जताई जा रही है। गौरतलब है कि पिछले एक साल में यह तीसरी बार है जब चीन में जापानी नागरिकों पर हमला हुआ है। सितंबर 2023 में चीन के शेन्जेन में एक 10 साल के जापानी बच्चे की हत्या कर दी गई थी। जून 2024 में सूझोउ में ही एक जापानी महिला और उसके बच्चे पर हमला हुआ था, जिसमें उन्हें बचाने की कोशिश करने वाले एक चीनी बस अटेंडेंट की मौत हो गई थी।

पाकिस्तान में पोलियो का नया मामला, कुल संख्या 18 हुई; बच्चों को खतरा बरकरार

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पोलियो वायरस का एक नया मामला सामने आया है, जिससे इस साल देश में कुल मामलों की संख्या 18 हो गई है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान (एनआईएच) के पोलियो उन्मूलन क्षेत्रीय प्रयोगशाला ने शुक्रवार को इस नए मामले की पुष्टि की। यह मामला टैंक जिले की मोलाज़ई यूनियन काउंसिल में 10 महीने के एक बच्चे में पाया गया है। अकेले खैबर पख्तूनख्वा में अब तक 11 पोलियो के मामले सामने आ चुके हैं। इसके अलावा, सिंध में 5, पंजाब और गिलगित-बाल्टिस्तान में एक-एक मामला दर्ज हुआ है। एनआईएच के अनुसार, वायरस की लगातार मौजूदगी यह दर्शाती है कि पोलियो के खतरे पर पूरी तरह काबू नहीं पाया गया है, खासकर उन क्षेत्रों में जहां टीकाकरण को लेकर झिझक बरकरार है।21 से 27 जुलाई तक अफगान सीमा से लगे इलाकों और बलूचिस्तान में पोलियो टीकाकरण अभियान चलाया गया था, ताकि अफगानिस्तान के साथ समन्वित प्रयास किए जा सकें।

कोलंबिया के पूर्व राष्ट्रपति अलवारो उरीबे को गवाही से छेड़छाड़ और रिश्वत मामले में 12 साल की नजरबंदी की सजा

बोगोटा , एजेंसी। कोलंबिया के पूर्व राष्ट्रपति अलवारो उरीबे को गवाहों से छेड़छाड़ और रिश्वत देने के मामले में 12 साल की नजरबंदी (हाउस अरेस्ट) की सजा सुनाई गई है। यह फैसला शुक्रवार को आया और इसे देश के इतिहास का एक अहम कानूनी मुकदमा माना जा रहा है, जिसने इस दक्षिण अमेरिकी नेता की छवि को गहरी चोट पहुंचाई है। उरीबे को सोमवार को दोषी ठहराया गया था और उन्हें 12 साल तक जेल की सजा हो सकती थी, लेकिन अदालत ने उन्हें घर में नजरबंद रखने का आदेश दिया। यह मामला 1990 के दशक में अर्धसैनिक (पैरामिलिट्री) समूहों से कथित संबंधों को लेकर शुरू हुआ, जहां आरोप है कि उरीबे ने उन गवाहों को प्रभावित करने की कोशिश की जो उनके खिलाफ बयान दे रहे थे। पूर्व राष्ट्रपति ने खुद को निर्दोष बताया है और इस पूरे मामले को राजनीतिक साजिश कहा है। उन्होंने फैसले को ऊपरी अदालत में चुनौती देने की बात कही है। सजा सुनाए जाने से पहले उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि संकट के समय हमें समस्या से ज्यादा उसके समाधान पर ध्यान देना चाहिए। उरीबे ने 2002 से 2010 तक अमेरिका के मजबूत समर्थन के साथ कोलंबिया पर शासन किया। वे आज भी देश में एक विवादित व्यक्तित्व हैं—कुछ लोग उन्हें देश को अराजकता से बचाने वाला मानते हैं, तो कुछ उन्हें मानवाधिकार हनन और अर्धसैनिक हिंसा से जोड़ते हैं।

अल-सल्वाडोर में राष्ट्रपति कार्यकाल 6 साल तक बढ़ा

सान साल्वाडोर, एजेंसी। अल सल्वाडोर के राष्ट्रपति नायब बुकेले की पार्टी ने देश की संसद में सांविधानिक बदलावों को मंजूरी दे दी है। इनके तहत राष्ट्रपति पद के लिए बेमुद्दत पुनर्निर्वाचन व पद कार्यकाल छह साल तक बढ़ जाएगा। न्यू आइडियाज पार्टी की सांसद एना फिगेरोआ ने संविधान के 5 अनुच्छेदों में बदलाव का प्रस्ताव रखा था। मतदान 57 मतों के पक्ष में और तीन मतों के विरोध में पारित हुआ।

पाकिस्तान में 40 डाकुओं का चौकी पर हमला, 5 मौतें

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में एक पुलिस चौकी पर भारी हथियारों से लैस दर्जनों डाकुओं के हमले में विशिष्ट बल के पांच पुलिसकर्मी मारे गए। पुलिस महानिरीक्षक उस्मान अनवर ने कहा, रॉकेट लॉन्चर और ग्रेनेड से लैस लगभग 40 डाकुओं ने बृहस्पतिवार की रात रहीम यार खान स्थित शेखानी पुलिस चौकी पर हमला किया। पंजाब पुलिस विशिष्ट बल के मारे गए 5 पुलिस अधिकारियों में तीन बहावलनगर के व दो अन्य रहीम यार खान के थे। जवाबी गोलीबारी में एक डाकू भी मारा गया।

यहूदियों को सता रहा दुनिया के बायकॉट का डर, सर्वे में इजरायली बोले- विदेश नहीं जा पाएंगे

तेल अवीव, एजेंसी। इजरायल में हाल ही में हुए एक सर्वे ने देश के नागरिकों के बीच बढ़ती चिंता को उजागर किया है। इजरायल के चैनल 12 द्वारा प्रकाशित इस सर्वे के अनुसार, 56प्रतिशत इजरायली नागरिकों को डर है कि गाजा युद्ध के कारण अंतरराष्ट्रीय समुदाय की नकारात्मक प्रतिक्रिया और आलोचना के चलते वे विदेश यात्रा करने में असमर्थ हो सकते हैं। यह सर्वेक्षण इजरायल-हमास युद्ध और क्षेत्रीय तनावों के बीच वैश्विक स्तर पर इजरायल की छवि पर पड़ रहे असर को दर्शाता है।

सर्वे में क्या है खास : 56प्रतिशत इजरायलियों की चिंताः सर्वे में शामिल 56त्न लोगों ने कहा कि वे वैश्विक आलोचना के कारण विदेश यात्रा करने से डर रहे हैं। उन्हें लगता है कि कई देशों में इजरायल के प्रति बढ़ता विरोध उनकी यात्रा योजनाओं को प्रभावित कर सकता है। 40प्रतिशतदूसरी ओर, 40प्रतिशत लोगों ने कहा कि उन्हें ऐसी कोई चिंता नहीं है और वे अंतरराष्ट्रीय आलोचना को अपनी यात्रा योजनाओं पर हावी नहीं होने देंगे।

बायकॉट का डरः इजरायल के खिलाफ कुछ देशों और संगठनों द्वारा शुरू किए गए बायकॉट, डिवेस्टमेंट, और सैंक्शन्स आंदोलन ने भी इस डर को बढ़ावा दिया है। कई इजरायलियों को लगता है कि यह आंदोलन उनकी वैश्विक यात्राओं को सीमित कर सकता है।

क्या है पूरा मामला : गाजा में चल रहे युद्ध और इजरायल के सैन्य अभियानों ने वैश्विक स्तर पर तीखी प्रतिक्रियाओं को जन्म दिया है। संयुक्त राष्ट्र महासभा में गाजा में तत्काल युद्धविराम के पक्ष में कई देशों ने मतदान किया, जबकि भारत जैसे कुछ देशों ने वोटिंग से दूरी बनाए रखी। इसके अलावा, ईरान और सीरिया पर इजरायली हमलों की निंदा भी कई देशों ने की है। इन घटनाओं ने इजरायल की अंतरराष्ट्रीय छवि को प्रभावित किया है, जिसका असर आम इजरायलियों की मानसिकता पर भी पड़ रहा है। कुछ इजरायलियों को डर है कि वैश्विक आलोचना के कारण कुछ देश उनके नागरिकों के लिए वीजा नियमों को कड़ा कर सकते हैं या उन्हें प्रवेश से मना कर सकते हैं। बॉयकॉट आंदोलन के तहत इजरायली उत्पादों और सेवाओं के बहिष्कार ने भी चिंता बढ़ाई है। कुछ इजरायलियों को लगता है कि यह उनकी अर्थव्यवस्था और व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर दीर्घकालिक असर डाल सकता है। सर्वे से पता चलता है कि इजरायली नागरिक न केवल भौतिक प्रतिबंधों से डर रहे हैं, बल्कि वैश्विक मंच पर अपनी पहचान और स्वीकार्यता को लेकर भी चिंतित हैं। तेल अवीव में जंग रोकने के लिए प्रदर्शन गुरुवार रात को तेल अवीव के हबीमा स्क्वायर में लगभग 1,000 लोग जमा हुए और गाजा में चल रहे युद्ध को समाप्त करने की मांग की। इजरायली-फलस्तीन शांति समर्थकों और मानवाधिकार संगठनों की एक संयुक्त पहल द्वारा आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में सैनिकों से गाजा में सेवा करने से इंकार करने का आह्वान किया गया। प्रदर्शनकारियों ने इजरायल की वेस्ट बैंक में कार्रवाइयों और हाल ही में एक फिलिस्तीनी कार्यकर्ता की हत्या के लिए जिम्मेदार शख्स की रिहाई की भी निंदा की। प्रदर्शन में शामिल एक अभिनेता, योसी जबारी ने इजरायल पर गाजा में नरसंहार का आरोप लगाया और कहा, यह शब्द हमें उस कृत्य से ज्यादा डराता है। दो पूर्व वायुसेना पायलटों, मेजर (रिजर्व) हगई तामिर और लेफ्टिनेंट कर्नल (रिजर्व) डेविड यिसरायली ने वर्तमान पायलटों से अपील की कि वे युद्ध अपराधों में शामिल होने से इनकार करें। उन्होंने कहा, युद्ध अपराध करने से मना करें। अपने कर्मों के नतीजों को नजरअंदाज न करें। यह प्रदर्शन इजरायल में बढ़ते असंतोष को दर्शाता है, जहां कई लोग सरकार की नीतियों और युद्ध को लंबा खींचने के लिए प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की आलोचना कर रहे हैं। कुछ प्रदर्शनकारियों ने गाजा में भुखमरी और मानवीय संकट के लिए इजरायल की नाकेबंदी को जिम्मेदार ठहराया।

एक्स पर बच्चों के शोषण की वीडियो को लेकर फंसे मस्क, अदालत ने कहा- कानून का सामना करना पड़ेगा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की एक संघीय अदालत ने बाल शोषण के मामले में एलन मस्क की कंपनी एक्स

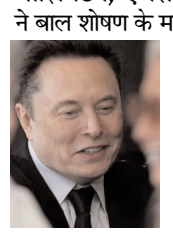

के खिलाफ मुकदमा शुरू करने का निर्देश दिया है। इससे मस्क की परेशानी बढ़ सकती है। हालांकि अदालत ने माना कि एक्स इस मामले में व्यापक छूट की हकदार है लेकिन अदालत ने ये भी कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने बच्चों की आपत्तिजनक वीडियो को हटाने में लापरवाही बरती।

मस्क के एक्स खरीदने से पहले का मामला : सैन फ्रांसिस्को स्थित 9वीं अमेरिकी सर्किट अपीलीय अदालत ने कहा कि एक्स जो पहले ट्विटर था, पर यह आरोप है कि उसने दो नाबालिग लड़कों की अश्लील तस्वीरों वाले वीडियो की तुरंत नेशनल सेंटर फॉर मिसिंग एंड एक्सप्लॉइटेड चिल्ड्रनको रिपोर्ट नहीं दी और इस मामले में लापरवाही बरती। यह मामला एलन मस्क द्वारा 2022 में ट्विटर की खरीदने से पहले का है। एक ट्रायल जज ने दिसंबर 2023 में इस मामले को खारिज कर दिया था। हालांकि अब अपीलीय अदालत ने मुकदमा शुरू करने का निर्देश दिया है।

क्या है पूरा मामला : एक वादी ने बताया कि वह जब 13 साल का था, तब उसे और उसके एक दोस्त को स्नैपचैट पर बहकाया गया और उन्होंने अपनी नग्न तस्वीरें किसी ऐसे व्यक्ति को उपलब्ध कराईं जो बाल यौन शोषण का तस्कर था। दोनों ने उस तस्कर को सोशल मीडिया पर अपने स्कूल की 16 साल की लड़की समझा था। आरोपी ने नाबालिगों की नग्न तस्वीरों के आधार पर दोनों को ब्लैकमेल किया और दोनों पीड़ितों से और तस्वीरें मांगी। बाद में आरोपी ने उन तस्वीरों के संकलन को एक वीडियो के जरिए सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। अदालती दस्तावेजों के अनुसार, एक्स ने सामग्री के बारे में जानने के बावजूद उन्हें प्लेटफॉर्म से हटाने में नौ दिन का समय ले लिया और इस दौरान 1,67,000 बार से ज्यादा इन वीडियो को देखा गया। सर्किट जज डेनिएल फॉरेस्ट ने कहा कि संघीय संचार शालीनता अधिनियम की धारा 230, जो ऑनलाइन प्लेटफार्म को उपयोगकर्ता सामग्री के संबंध में उत्तरदायित्व से बचाती है।

फेडरल रिजर्व की गवर्नर एड्रियाना कुगलर देंगी इस्तीफा, ट्रंप को मिलेगा नया नियुक्ति का मौका

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की गवर्नर एड्रियाना कुगलर ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह आठ अगस्त को अपने पद से इस्तीफा देंगी। इस फैसले से फेड की ताकतवर बोर्ड में एक सीट खाली होगी, जिसे अब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भर सकेंगे। कुगलर को सितंबर 2023 में तत्कालीन राष्ट्रपति जो बाइडेन ने नियुक्त किया था। वह फेड की पहली हिस्पैनिक महिला गवर्नर थीं।

इस्तीफे के पीछे उन्होंने कोई कारण नहीं बताया, लेकिन उन्होंने अपनी चिट्ठी में लिखा कि उन्होंने इस भूमिका को पूरी ईमानदारी और डेटा-आधारित दृष्टिकोण के साथ निभाया। बता दें कि कुगलर ने अपनी आखिरी सार्वजनिक टिप्पणी में फेड चेयर जेरोम पॉवेल के उस रुख का समर्थन किया था कि मौजूदा ब्याज दरें फिलहाल स्थिर रखी जाएं, ताकि ट्रंप की व्यापारिक नीतियों का असर समझा जा सके। बीते कई दिनों से फेड के प्रमुख जेरोम पॉवेल और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच तनाव की कई सारी खबरें सामने आती रही है। हाल ही की बात करें तो ट्रंप ने शुक्रवार को ही पॉवेल को जिद्दी मूर्ख बताते हुए ब्याज दरों में तुरंत कटौती की मांग की। उन्होंने फेड पर बार-बार दबाव बनाया है कि वह उनकी नीतियों के अनुसार काम करे।

पुतिन ने खारिज की जेलेंस्की की रूस में सत्ता परिवर्तन की अपील, कहा- उनकी कुर्सी खतरे में

मॉस्को, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच छिड़ी जंग थम नहीं रही है। इस बीच रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की की मॉस्को में सत्ता परिवर्तन की अपील को खारिज कर दिया। पुतिन ने कहा कि जेलेंस्की की खुद की कुर्सी खतरे में है। उनके पास सांविधानिक वैधता का अभाव है। इससे पहले जेलेंस्की ने कहा था कि अंतरराष्ट्रीय समर्थक रूसी सरकार को हटाने में मदद करें। उन्होंने चेतावनी दी थी कि मौजूदा संघर्ष में युद्धविराम होने पर भी मॉस्को पड़ोसी देशों को अस्थिर करने की कोशिश करेगा।

बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको के साथ लेक लाडोगा क्षेत्र में वालम मठ का दौरा किया। इस दौरन जेलेंस्की की अपील पर पलटवार करते हुए हुए पुतिन ने कहा कि हमारी राजनीतिक व्यवस्था रूसी संघ के संविधान पर आधारित है और हमारी सरकार मूल कानून के पूर्ण अनुपालन में बनी है। हालांकि यूक्रेन के बारे में ऐसा नहीं कहा जा सकता।

पिछले साल खत्म हो चुका है जेलेंस्की का कार्यकाल 2019 में निर्वाचित यूक्रेनी राष्टपति जेलेंस्की का कार्यकाल पिछले साल समाप्त हो चुका है। इसके बाद भी वे पद पर बने हुए हैं। युद्ध के दौरान चुनावों को स्थगित करने के लिए उन्होंने मार्शल लॉ प्रावधान का इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे पहले पुतिन ने कहा था कि यूक्रेनी संविधान के अनुसार अगर कोई

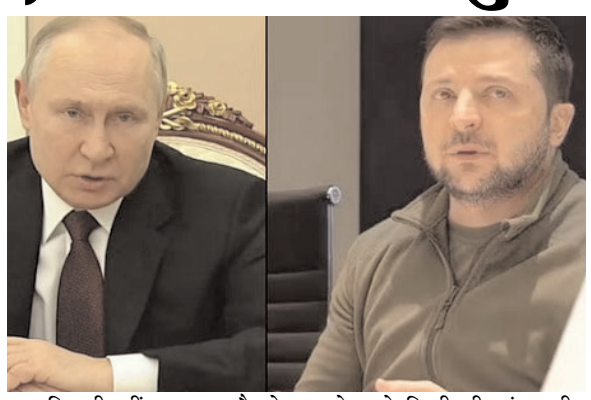

उत्तराधिकारी नहीं चुना जाता है, तो राष्ट्रपति की शक्ति संसद के अध्यक्ष को हस्तांतरित की जानी चाहिए। हालांकि यह यूक्रेन का आंतरिक मामला बताया है, लेकिन रूस के साथ संभावित शांति समझौते सहित उनके द्वारा किए जाने वाले किसी भी अंतरराष्ट्रीय समझौते की कानूनी वैधता नहीं है। रूसी अधिकारियों ने सुझाव दिया है कि ऐसे समझौतों को बाद में संवैधानिक आधार पर चुनौती दी जा सकती है। वहीं हाल के सर्वे से पता चला है कि जेलेंस्की प्रतिस्पर्धी चुनाव में हार सकते हैं और सेवानिवृत्त जनरल वालेरी जालुज्नी एक प्रमुख विकल्प के रूप में उभर रहे हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कही थी ये बात यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने पश्चिमी देशों से मास्को में शासन परिवर्तन का समर्थन करने का आह्वान किया था। हेलसिंकी समझौते की 50वीं वर्षगांठ पर जेलेंस्की ने कहा था कि मेरा मानना है कि रूस पर इस युद्ध को रोकने के लिए दबाव डाला जा सकता है, लेकिन अगर दुनिया रूस में सत्ता परिवर्तन का इरादा नहीं रखती है, तो इसका मतलब है कि युद्ध समाप्त होने के बाद भी मास्को पड़ोसी देशों को अस्थिर करने की कोशिश करता रहेगा। उन्होंने रूस पर कड़े वित्तीय प्रतिबंध लगाने पर भी जोर दिया।

अमेरिका में बेरोजगारी का आंकड़ा ज्यादा बताया तो डोनाल्ड ट्रंप ने अफसर को ही हटाया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को श्रम सांख्यिकी ब्यूरो (बीएलएस) की आयुक्त एरिका मैकएंटार्फर को बर्खास्त करने का आदेश दिया। यह कार्रवाई जुलाई महीने की रोजगार रिपोर्ट आने के बाद की गई। इस रिपोर्ट में नौकरियों में वृद्धि धीमी होने और मई-जून के आंकड़ों में भारी कमी की जानकारी सामने आई। ट्रंप ने बिना सबूत के दावा किया कि ये आंकड़े राजनीतिक कारणों से हेरफेर किए गए थे।

शुक्रवार को जारी बीएलएस की मासिक रोजगार रिपोर्ट में बताया गया कि जुलाई में केवल 73,000 नई नौकरियां पैदा हुईं, जो कि बाजार की अपेक्षाओं से काफी कम थी। इसके अलावा, मई में नौकरियों की संख्या को पहले के 125,000 से संशोधित कर 19,000 और जून में 147,000 से 14,000 कर दिया गया। इस संशोधन के बाद मई और जून में कुल 258,000 कम नौकरियां पैदा होने की बात सामने आई। बेरोजगारी दर भी 4.1त्न से बढ़कर 4.2त्न हो गई, हालांकि यह अभी भी अपेक्षाकृत कम

मानी जाती है।

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए मैकएंटार्फर पर आंकड़ों में हेरफेर करने का आरोप लगाया। उन्होंने लिखा, मैंने अपनी टीम को इस बाइडन द्वारा नियुक्त राजनीतिक व्यक्ति को तत्काल बर्खास्त करने का निर्देश दिया है। उनकी जगह अधिक सक्षम और योग्य व्यक्ति को नियुक्त किया जाएगा। ट्रंप ने यह भी दावा किया, आज के रोजगार आंकड़े रिपब्लिकन और मुझे खराब दिखाने के लिए हेरफेर किए गए थे। मैकएंटार्फर को पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन ने 2023 में नामित किया था, और वे जनवरी 2024 से बीएलएस की आयुक्त थीं। सीनेट ने 86-8 के मत से उनकी नियुक्ति की पुष्टि की थी, जिसमें मौजूदा उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी उनके पक्ष में वोट दिया था। बीएलएस में आयुक्त ही एकमात्र राजनीतिक नियुक्ति होती है, जबकि बाकी सैकड़ों कर्मचारी कैरियर सिविल सेवक होते हैं। आयुक्त का कार्यकाल आमतौर पर चार साल का होता है, लेकिन राजनीतिक नियुक्ति होने के कारण उन्हें हटाया जा सकता है।

ट्रंप के इस कदम की अर्थशास्त्रियों और पूर्व अधिकारियों ने कड़ी आलोचना की है। बीएलएस के समर्थन में बने एक समूह, फ्रेंड्स ऑफ बीएलएस ने बयान जारी कर कहा, मैकएंटार्फर को हटाने का यह तर्क निराधार है और यह केंद्रीय आर्थिक आंकड़ों की विश्वसनीयता को कमजोर करता है, जो व्यवसायों, परिवारों और नीति निर्माताओं के लिए बुद्धिमान आर्थिक निर्णयों का आधार हैं।

रूस के पास 2 एटमी पनडुब्बियां तैनात करेगा अमेरिका

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रूस के साथ बढ़ते तनाव के बीच शुक्रवार को रूस के नजदीक दो न्यूक्लियर पनडुब्बियां तैनात करने का आदेश दिए। साथ ही गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दी। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि पनडुब्बियां कहां तैनात की जाएंगी। ट्रम्प ने अपने इस कदम के पीछे रूस के पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव की भड़काऊ बयानबाजी को जिम्मेदार बताया। साथ ही ट्रम्प ने मेदवेदेव के परमाणु हमले की धमकी पर कहा कि- अमेरिका रूस के परमाणु खतरों का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है। दरअसल, मेदवेदेव ने एक्स पर कहा था- हम इजराइल या ईरान नहीं हैं। ट्रम्प की ओर से दिया गया हर नया अल्टीमेटम युद्ध की धमकी माना जाएगा। उन्होंने ट्रम्प को याद दिलाते हुए कहा था- रूस के पास सोवियत संघ के समय से परमाणु हमले डेड हैंड की क्षमता है। ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर लिखा- रूस के पूर्व राष्ट्रपति और सिक्योरिटी कार्उंसिल के उपाध्यक्ष दिमित्री मेदवेदेव की भड़काऊ बयानबाजी की वजह से मैंने रूस के नजदीक दो न्यूक्लियर पनडुब्बियों को तैनात करने का आदेश दिया है, ताकि भड़काऊ बयान सिर्फ बयानबाजी तक सीमित रहे। शब्द बहुत कीमती होते हैं और कई बार अनजाने में गंभीर परिणाम भुगतने

पड़ सकते हैं। मुझे उम्मीद है कि यह ऐसा मामला नहीं होगा। ट्रम्प ने बताया डेड इकोनॉमी तो रूस ने डेड हैंड की याद दिलाई ट्रम्प ने 30 जुलाई को भारत पर 25त्न टैरिफ लगाने के बाद भारत और रूस को डेड इकोनॉमी बताया था। उन्होंने कहा था- भारत और रूस अपनी अर्थव्यवस्था को साथ ले डूबें, मुझे क्या। इसके जवाब में रूस के पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव ने कहा था कि अमेरिकी राष्ट्रपति घबरा गए हैं। मेदवेदेव ने टेलीग्राम पर लिखा था- ट्रम्प को डेड हैंड की खतरनाक ताकत याद रखनी चाहिए, भले ही यह अब मौजूद नहीं है। अगर रूस के पूर्व राष्ट्रपति के कुछ शब्दों से अमेरिका के शक्तिशाली राष्ट्रपति इतना घबरा जाते हैं तो रूस का रास्ता बिल्कुल सही है। हम अपने रास्ते पर आगे बढ़ते रहेंगे।

एनसीपी नेता का अंतरिम सरकार पर हमला, कहा- कानून व्यवस्था कायम नहीं कर सके मोहम्मद यूनुस

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की नई राजनीतिक पार्टी ने अंतरिम सरकार पर हमला बोला है। नेशनल सिटिजन पार्टी की संयुक्त संयोजक ताजनुवा जबीन ने कहा कि मोहम्मद यूनुस की सरकार पिछले एक साल में कानून व्यवस्था कायम करने में नाकाम रही है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के कार्यकाल को लेकर भी बात की। साथ ही भारत के साथ रिश्तों को सुधारने के लिए कहा।

नेशनल सिटिजन पार्टी की संयुक्त संयोजक ताजनुवा जबीन ने कहा कि पिछले एक साल में सरकार की एक नाकामी यह है कि वे कानून प्रवर्तन ढांचे को फिर से स्थापित करने के लिए कानूनी बल को नियंत्रित या स्थापित नहीं कर पाए। जुलाई के विद्रोह के दौरान पुलिस, विभिन्न कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने ही आम लोगों पर, छात्रों पर, हत्याओं को लेकर सामूहिक नरसंहार में हिस्सा लिया था। इसलिए अंतरिम सरकार की प्राथमिकता पुलिस, आरएबी, डीबी और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े सभी बलों को फिर से स्थापित करना होना चाहिए। वे ऐसा नहीं कर पाए। मैं कह सकती हूं कि यह इस सरकार की दुर्भाग्यपूर्ण नाकामियों में से एक है। इस भीड़तंत्र में आपने जो भी कहा वही हुआ। एक ही मामले में कई लोगों के खिलाफ मुकदमे दर्ज हैं। ये मुकदमे फर्जी हैं। फर्जी मुकदमे और फर्जी आरोप। इसलिए ये सही बात नहीं है।

उन्होंने कहा कि जुलाई विद्रोह को एक साल हो गया है। हमें निरंकुश फासीवादी शेख हसीना से छुटकारा मिल गया है। लगभग 15 साल तक निरंकुशता कायम रही। इसलिए सारी कानून प्रवर्तन एजेंसियां, नौकरशाही, पूरा प्रशासन फासीवादी शासन के अधीन था। हम

रातोंरात निरंकुशता से लोकतंत्र में बदलाव की उम्मीद नहीं कर सकते। लेकिन एक साल बाद हम हर चीज पर बात कर सकते हैं। हम अपनी अंतरिम सरकार से उनके द्वारा उठाए जा रहे कदमों और लोकतांत्रिक परिवर्तन के पक्ष में जिन सुधारों पर हम चर्चा कर रहे हैं, उनके बारे में पूछ सकते हैं। हर कोई बातचीत, संवाद और सेमिनारों में भाग ले रहा है। हर कोई देश के लिए खुला है। उन्होंने कहा कि पिछले 15 साल हमने कोई बातचीत नहीं की। सरकार के खिलाफ बात करने का कोई मौका नहीं मिला। हमारी आवाज दबाने के लिए एक कानून था। जबरन गायबियां, न्यायेतर हत्याएं और सभी निजी बैंकों की लूट हुई। निरंकुशता का साम्राज्य था। लेकिन पिछले साल यह रुक गया और हमने फिर से शुरू कर दिया है। लोकतंत्र में तब्दील होने की प्रक्रिया धीमी है। इसलिए मुझे लगता है कि यह वैसी नहीं है जैसी हमने एक साल पहले उम्मीद की थी। लेकिन यह हो रहा है। प्रगति हो रही है। चुनाव को लेकर कही ये बात नेशनल सिटिजन पार्टी की संयुक्त संयोजक ताजनुवा जबीन ने कहा कि हमें उम्मीद है क्योंकि चुनाव की तारीख अंतरिम सरकार के कार्यकाल की शुरुआत में ही घोषित कर दी गई थी। दिसंबर से जुलाई 2026 तक का समय है। इसलिए यह संभवतः फरवरी या अप्रैल में होगा। अंतरिम सरकार के प्रेस सचिव, हमारे मुख्य सलाहकार, ने कल कहा कि चुनाव एक दिन के लिए भी स्थगित नहीं होंगे। राष्ट्रीय सहमति आयोग में सभी राजनीतिक दलों ने बातचीत में हिस्सा लिया। उन्होंने सभी सुधार प्रस्तावों पर चर्चा की, बातचीत की और वे एक आम सहमति पर पहुंचे। हमें जुलाई चार्टर मिलने की उम्मीद है। जुलाई के बाद हमें राष्ट्रीय चुनाव की तारीख तय होने की उम्मीद है। हम मूलभूत सुधार चाहते हैं। सांविधानिक संस्था जो कार्यपालिका के अधिकार क्षेत्र से बाहर हो। कार्यपालिका, न्यायपालिका और संसद ये तीनों स्तंभ स्वतंत्र होने चाहिए।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कपड़ा दलाल के हत्यारों को पुलिस सीने में गोली मारे

सूरत के लिंबायत इलाके में एक कपड़ा दलाल की तीन हत्यारों ने महज़ 80 सेकंड में 60 से ज्यादा चाकू के वार कर हत्या

सूरत के BJP कॉर्पोरेटर का बयान, रीकंस्ट्रक्शन में आरोपी बहकते नजर आए, पुलिस को पकड़नी पड़ी पैंट

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के लिंबायत इलाके में एक कपड़ा दलाल की तीन हत्यारों ने महज़ 80 सेकंड में 60 से ज्यादा चाकू के वार कर हत्या कर दी। यह पूरी वारदात सीसीटीवी में कैद हुई, जिसमें तीन आरोपी दिखाई दिए। पुलिस ने इनमें से दो आरोपियों को पकड़ लिया है। पूछताछ में खुलासा हुआ कि मृतक का पहले अशफाक नामक युवक से झगड़ा हुआ था, जिसकी दुश्मनी में अशफाक ने अपने तीन दोस्तों से मिलकर उसकी हत्या करवाई थी।

हत्याकांड का रीकंस्ट्रक्शन किया जा रहा था, उस दौरान BJP के स्थानीय कॉर्पोरेटर विजय चोमाले ने घटना को गंभीर मानते हुए कहा कि ''पुलिस को इन आरोपियों के सीने में गोली मार देनी चाहिए और तत्काल एनकाउंटर कर देना चाहिए।''

हत्या की पूरी वारदात: 60 चाकू के वार, मौके पर ही मौत लिंबायत पुलिस के अनुसार, वाटिका टाउनशिप, फ्लैट नंबर 404 में रहने वाला 43 वर्षीय आलोक झींदाराम अग्रवाल मूल रूप से राजस्थान का रहने वाला था और कपड़े की दलाली करता था। घटना की रात करीब 2:45 बजे वह अपने अपार्टमेंट के बाहर गेट के पास बैठा था, तभी तीन अज्ञात युवक अचानक उस पर टूट पड़े और बिना कुछ कहे 60 से ज्यादा बार चाकू से वार कर भाग गए।

कॉर्पोरेटर विजय चोमाले ने उठाई एनकाउंटर की मांग

रीकंस्ट्रक्शन के दौरान स्थानीय व्यापारियों ने आरोपियों को कड़ी सजा देने की मांग करते हुए विरोध जताया। बीजेपी कॉर्पोरेटर विजय चोमाले ने दुख जताते हुए कहा:

> ''जिस तरह की घटना हुई है, वह बर्दाश्त के लायक नहीं है। मेरी मांग है कि सभी आरोपियों को पुलिस सीने में गोली मार दे और तत्काल एनकाउंटर कर दे।''

> ''पुलिस ने कुछ ही घंटों में आरोपियों को पकड़कर यह संदेश दिया है कि कानून के खिलाफ काम करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। जब हत्या सार्वजनिक स्थान पर की गई है, तो सजा भी मौत होनी चाहिए।''

पुलिस ने मृतक के बड़े भाई अजयकुमार अग्रवाल की शिकायत पर बीएनएस की धारा 103(1), 118(2) और जीपी एक्ट 135 के तहत मामला दर्ज किया। पुलिस ने अलग-अलग टीम बनाकर तलाश शुरू की, जिसमें ष्टष्टझङ्क फुटेज के आधार पर भगवान मंगलु स्वाई और दीपक कुमार सरजू प्रसाद सिंह को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस उपायुक्त भगीरथसिंह गढ़वी के अनुसार, मुख्य हत्यारा अबरार लस्सी है, जिसने चाकू से वार किए, जबकि चौथा आरोपी अशफाक है, जिसने मृतक से झगड़े के बाद अपने दोस्तों से हत्या करवाई।

पुलिस ने यह भी बताया कि जिन दो आरोपियों को पकड़ा गया है, उनके खिलाफ पहले से भी आपराधिक मामले दर्ज हैं। मृतक आलोक अग्रवाल पर भी कुछ मामले दर्ज हैं, जिनकी जांच जारी है। अशफाक की भूमिका और उसकी बातों के आधार पर किस तरह हत्या की साजिश रची गई, इसकी भी जांच चल रही है।

पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में यह सामने आया है कि मृतक आलोक अग्रवाल और आरोपी अशफाक के बीच पहले किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था। उसी झगड़े की रंजिश में अशफाक ने अपने तीन दोस्तों से मिलकर आलोक की हत्या करवाई। फिलहाल गिरफ्तार आरोपियों ने कबूल किया है कि उन्होंने अशफाक के कहने पर ही हत्या की है। अशफाक की गिरफ्तारी के बाद ही यह साफ हो पाएगा कि दोनों के बीच किस बात को लेकर विवाद हुआ था।

हत्या के विरोध में आज मारवाड़ी समाज के साथ-साथ अन्य समुदायों के लोग भी सूरत के पर्वत पाटिया इलाके में सड़क पर उतर आए। कपड़ा दलाल आलोक अग्रवाल की जिस बेरहमी से हत्या की गई, उसने पूरे शहर को झकझोर दिया है। लोग गुस्से में हैं और क़ानून व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहे हैं।

अग्रवाल समाज विद्या विहार ट्रस्ट की 23वीं वार्षिक सामान्य सभा का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,अग्रवाल समाज विद्या विहार ट्रस्ट की 23वीं वार्षिक सामान्य सभा का आयोजन रविवार को वेसु स्थित अग्रवाल विद्या विहार प्रांगण में किया गया।

सभा का शुभारंभ महाराजा अग्रसेनजी के आशीर्वाद एवं माँ सरस्वती की वंदना के साथ हुआ। इसके पश्चात अध्यक्ष संजय सरावगी ने स्वागत भाषण देकर सभी का स्वागत किया। सभा में सचिव रसिक जालान द्वारा ट्रस्ट की वार्षिक गतिविधियों का विवरण दिया गया। ट्रस्ट के उपाध्यक्ष एवं स्कूल कमिटी के चेयरमैन संजय अग्रवाल ने वेसु एवं डिंडोली स्कूल की शैक्षणिक प्रगति, उपलब्धियों एवं गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। कॉलेज कमेटी के चेयरमैन आनंद अग्रवाल ने कॉलेज की प्रमुख उपलब्धियों को साझा किया। इसके बाद कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश झुनझुनवाला ने ट्रस्ट की वित्तीय रिपोर्ट सभा में प्रस्तुत की। सभा के अंत में उपाध्यक्ष ओमप्रकाश सोंथालिया ने धन्यवाद ज्ञापन देकर सभा का समापन किया। इस मौके पर अग्रवाल समाज विद्या विहार ट्रस्ट के अनेकों सदस्य उपस्थित रहें।-

श्री श्याम मंदिर,सूरतधाम द्वारा विशाल कावड़ यात्रा का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,पवित्र मास सावन के उपलक्ष में श्री श्याम सेवा ट्रस्ट द्वारा विशाल कावड़ यात्रा का आयोजन रविवार को सुबह सात बजे से किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष कैलाश हाकिम ने बताया कि इस मौके पर सुबह नावड़ी ओवरा पर कावड़ की पूजा की गयी एवं जल भरा गया। इसके पश्चात् यात्रा रवाना हुई। यात्रा के दौरान हाथों में कावड़ लिए सैंकड़ों भक्त भगवान शिव का गुणगान करते हुए चल रहे थे। यात्रा में डीजे एवं जीवंत झांकियाँ भी ट्रस्ट द्वारा सजाई गयी थी। यात्रा नावड़ी ओवरा से रवाना होकर घौड़-दौड़ रोड़, सिटी-लाइट होते हुए वीआईपी रोड स्थित श्री श्याम मंदिर, सुरतधाम पहुँची, जहाँ सभी भक्तों ने भगवान भोले का जलाभिषेक किया।

ट्रस्ट के सचिव राजेश दोदराजका ने बताया कि मार्ग में यात्रा का स्वागत जगह-जगह पुष्प-वर्षा, जलपान आदि से किया गया। इस मौके पर सभी भक्तों के लिए ट्रस्ट द्वारा महाप्रसाद की व्यवस्था की गयी थी।

दोस्ती के दिन टूटी दो दोस्तों की जोड़ी

सूरत में दोनों ने जहर खाकर ताप्ती नदी में लगाई छलांग, एक की मौत, दूसरा इलाज

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

फ्रेंडशिप डे के दो दिन पहले दो दोस्तों ने जहर पीने के बाद सूरत की ताप्ती नदी में ब्रिज से छलांग लगा दी थी। घटना के बाद मौके पर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई थी। नदी में पानी कम होने के कारण दोनों जमीन पर आकर गिरे। फायर ब्रिगेड ने उन्हें बाहर निकालकर इलाज के लिए सिविल अस्पताल पहुंचाया। इन दोनों में से एक दोस्त की आज (3 अगस्त) फ्रेंडशिप डे के दिन इलाज के दौरान मौत हो गई। वह अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था, जिससे परिवार में मातम छा गया है। वहीं दूसरा युवक अभी भी इलाजरत है।

फ्रेंडशिप डे से पहले सामने आए इस आत्महत्या के प्रयास की शहर में चर्चा है। मृतक युवक मूल रूप से महाराष्ट्र के जलगांव का रहने वाला था और वर्तमान में सूरत के डिंडोली इलाके के रुद्र रेसिडेंसी में अपने माता-पिता और दो बहनों के साथ रहता था। 24 वर्षीय कौस्तुभ विकास बावने एक ऑनलाइन एप के जरिए डिलीवरी बॉय का काम कर अपने परिवार को आर्थिक मदद पहुंचा रहा था। उनके पिता जलगांव में ब्रेड बेचने का काम करते हैं।

कौस्तुभ की डिंडोली के शिवहीरानगर निवासी समीर राजू महंतो (उम्र 18 वर्ष) से वर्षों पुरानी दोस्ती थी। कौस्तुभ लंबे समय से आर्थिक तंगी और काम में असफलता के कारण तनाव में था। वहीं समीर 10वीं कक्षा में फेल हो गया था और दोबारा परीक्षा की तैयारी कर रहा था, जिससे वह भी तनाव में था। दोनों दोस्त अपने-अपने तनाव को एक-दूसरे से साझा करते थे। शुक्रवार, 1 अगस्त की शाम को दोनों ने आत्महत्या करने का निर्णय लिया और रांदेर स्थित चंद्रशेखर आज़ाद ब्रिज पर पहुंचकर पहले जहर पीया, फिर ताप्ती नदी में छलांग लगा दी। मगर पानी की जगह दोनों जमीन पर गिरे और घायल हो गए। घटना की सूचना फायर विभाग को दी गई। टीम मौके पर पहुंची और दोनों को सिविल अस्पताल पहुंचाया। इलाज के दौरान सुबह कौस्तुभ की मौत हो गई। उसके इकलौते बेटे की अचानक आत्महत्या से परिवार में गहरा शोक फैल गया। जहां एक तरफ शहरभर में आज दोस्ती दिवस मनाया जा रहा है, वहीं डिंडोली के ये दो दोस्त इस दिन को नहीं मना सके। उन्होंने अलग-अलग कारणों से परेशान होकर मौत को गले लगाने का फैसला लिया था।

"धर्म और मानवता की राह पर स्टीलमेन फाउंडेशन पांजरापोल विवाद को लेकर गंभीर रुख"

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वापी के राता पांजरापोल में कुछ दिन पूर्व मृत गायों के शव खुले मैदान में फेंके जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पूरे क्षेत्र में इस घटना को लेकर चर्चा गर्म हो गई है। इसी संदर्भ में वापी चार रास्ता स्थित स्टीलमेन फाउंडेशन कार्यालय पर गोरक्षकों की एक विशेष बैठक आयोजित की गई।

बैठक में गोरक्षकों ने वायरल वीडियो पर तीव्र आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि पांजरापोल जैसी पवित्र जगह पर गाय जैसे पूजनीय प्राणी के मृत शरीर को बिना सम्मान खुले में फेंकना अत्यंत निंदनीय कृत्य है। उन्होंने यह भी कहा कि गाय की मृत्यु के बाद उसकी अंतिम क्रिया धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार होनी चाहिए, जिससे परंपरा और श्रद्धा को ठेस न पहुँचे।

स्टीलमेन फाउंडेशन के चेयरमैन मेहुलभाई ठाकुर ने कहा कि गाय केवल एक पशु नहीं है, बल्कि भारतीय संस्कृति में उसे मातृरूप में पूजा जाता है, इसलिए उसके अंतिम संस्कार के लिए उचित व्यवस्था अनिवार्य है।

इस बैठक में गोरक्षक हर्षलभाई पटेल, मेहुलभाई पटेल, शंकरभाई भानुशाली, आकाशभाई पटेल, मयूरभाई पटेल, दर्शनभाई, मनीषभाई सहित अन्य कई सदस्य उपस्थित रहे और सभी ने मिलकर इस गंभीर मुद्दे पर त्वरित कार्रवाई की माँग की।

गोरक्षकों द्वारा पांजरापोल ट्रस्ट को एक लिखित निवेदन भी सौंपा गया, जिसमें भविष्य में इस प्रकार की लापरवाही न हो, इसके लिए सख्त कदम उठाने की माँग की गई है। साथ ही, मृत गायों के अंतिम संस्कार के लिए विशेष व्यवस्था करने का सुझाव भी दिया गया है।

यह बैठक धर्म और मानवता पर आधारित परंपराओं की रक्षा के लिए समाज के प्रत्येक जिम्मेदार नागरिक की भूमिका को रेखांकित करती है। बैठक में स्टीलमेन फाउंडेशन के सदस्य अविनाश गोवड़ा उर्फ बाबुभाई, शुभाष भावरिया, कृष्णा झा, देवांग पटेल, प्रशांत पटेल, शुभम राय, अरविंद यादव, रितेश पटेल, सचिन मिश्रा, अग्निल पटेल, मितुलसिंह राठौड़ सहित बड़ी संख्या में गोरक्षक उपस्थित थे।

विशाल कावड़ यात्रा का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,अग्रवाल विकास ट्रस्ट युवा शाखा द्वारा विशाल कावड़ यात्रा का आयोजन रविवार को किया गया।

युवा शाखा के अध्यक्ष अंकित झुनझुनवाला ने बताया कि सुबह छः बजे नावड़ी ओवरा से कावड़ पूजा के बाद यात्रा रवाना हुई। कावड़ यात्रा में पाँच सौ से अधिक युवा नाचते-गाते भगवान शिव पार्वती की जीवंत झांकी के साथ सिटी-लाईट स्थित महाराजा अग्रसेन पैलेस के प्रांगण में स्थित गौरी शंकर मंदिर पहुँचे एवं भगवान भोले का जलाभिषेक किया। इस मौक़े पर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष प्रमोद कंसल सहित युवा शाखा के अनेकों सदस्य उपस्थित रहें।